

सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान  
(वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद)  
राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ-२२६००१

**C.S.I.R-NATIONAL BOTANICAL RESEARCH INSTITUTE**  
(Council of Scientific & Industrial Research)  
Rana Pratap Marg, Lucknow-226001

आवरण पृष्ठ  
Cover Page

निविदा प्रलेख

Tender Documents

कार्य का नाम:- Renovation of a hall and adjacent room to be converted in to the Lab  
at BRS Banthra Lucknow.

निविदा आमन्त्रण सूचना सं० / NIT No.:- : 1/WKS/06/23-GL

अनुमानित लागत / Estimated Cost- : Rs.5,34,174/=

निविदा खुलने की तिथि / Date of Bid Opening:- :27.07.23 at 03:30 P.M.

**सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान**  
(वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद)  
**C.S.I.R.-NATIONAL BOTANICAL RESEARCH INSTITUTE,**  
(Council of scientific & Industrial Research)

**File No. 1/WKS/06/23-GL**

**कार्य का नाम:- Renovation of a hall and adjacent room to be converted in to the Lab at  
BRS Banthra Lucknow.**

**CONTENTS**

<b>Sl.No.</b>	<b>Description</b>	<b>No. of Pages</b>
1.	Cover Page	01 No.
2.	Contents	01 No.
3.	Notice inviting tender (हिन्दी एवं अंग्रजी)	06 Nos.
4.	Instructions for Online Bid Submission	01 No.
5.	Appendix	01 No.
6.	Particular of the contractor	01 No.
7.	General Conditions of contract (हिन्दी एवं अंग्रजी)	31 Nos.
8.	Special and Other conditions (हिन्दी एवं अंग्रजी)	24 Nos.
9.	Schedule of work and quantity	04 No.
10.	Undertaking by the bidder	01 No.

**Note:** Tenderer should confirm that they have received/downloaded all the above papers

**सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान**  
(वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद)  
राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ-२२६००९

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

1. ऐसे प्रतिष्ठित ठेकेदारों से मद-दर ई-निविदा, "Renovation of a hall and adjacent room to be converted in to the Lab at BRS Banthra Lucknow" कार्य के लिए ई-निविदा पोर्टल <https://etenders.gov.in> के माध्यम से ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं, जिन्होंने CPWD, MES, रेलवे, पोस्ट और टेलीग्राफ, राज्य निर्माण विभाग, सरकारी/अर्द्धसरकारी संस्थाओं, सीएसआईआर या इसकी प्रयोगशालाओं के लिए समान प्रकृति के कार्य सफलतापूर्वक किए हैं। निविदाकर्ताओं को 40% रु 2.14 लाख के तीन समान प्रकृति के कार्य अथवा 60% रु 3.21 लाख के दो समान प्रकृति के कार्य अथवा 80% रु 4.28 लाख या उसके अधिक की अनुमानित लागत का कम से कम एक कार्य, एक ही अनुबंध में, सफलतापूर्वक पिछले 7 वर्षों में पूर्ण किया है। ठेकेदार पैन, जीएसटी पंजीकरण संख्या, संतोषजनक कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र की प्रतियों के साथ उपरोक्त शर्तों को पूरा करने के प्रमाण के साथ आवेदन कर सकते हैं।

2. ठेकेदार उपरोक्त दस्तावेजों की स्कैन प्रतियों के साथ ई-पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं, और यदि आवश्यक हुआ तो किसी भी समय मूल प्रति प्रस्तुत करना होगा।

क्रम सं०	निविदा संख्या	अनुमानित लागत (रूपये में)	कार्य पूर्ण होने का समय	धरोहर राशि (रूपये में)	प्रकाशन तिथि	बोली दस्तावेज डाउनलोड/ बिक्री प्रारम्भ तिथि और समय	बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय	बोली खोलने की तारीख और समय
1.	1/WKS/06/23 -GL	5,34,174/= CPWD DSR-2021 (including GST & labour cess)	30 Days	10,683/-	18.07.23	18.07.23 from 06:00 PM	26.07.23 Up to 3:00 P.M.	27.07.23 at 03:30 P.M.

3. रु. 10,683/- की ईएमडी निदेशक, सीएसआईआर-एनबीआरआई, लखनऊ के पक्ष में आहरित डिमांड ड्राफ्ट/पे ऑर्डर/एफडीआर के रूप में या भारतीय स्टेट बैंक एनबीआरआई शाखा, लखनऊ में "National Botanical Research Institute, Lucknow, के बचत बैंक खाता संख्या 30267652846, IFSC Code: SBIN0010173, MICR Code: 226002051 में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से जमा की गई ईएमडी की यूटीआर रसीद के रूप में जमा की जाएगी।

4. ईएमडी (यूटीआर रसीद/डीडी/पे ऑर्डर/एफडीआर) की स्कैन की हुई प्रति बोली प्रस्तुत करने की अवधि के भीतर बोलीदाता द्वारा ई-निविदा वेबसाइट पर तकनीकी बोली के साथ अपलोड की जाएगी। यदि डिमांड ड्राफ्ट/पे ऑर्डर/एफडीआर प्रस्तुत किया गया है तो मूलप्रति को मुख्य द्वार पर सुरक्षा अधिकारी के कक्ष में रखे गए निविदा बॉक्स में या डाक द्वारा बोली जमा करने की अधिकतम अंतिम तिथि और समय तक डाल दिया जाएगा, ऐसा न करने पर उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। और सीएसआईआर-एनबीआरआई किसी भी तरह से डाक में देरी के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

5. इच्छुक बोलीदाताओं द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन बोलियां केवल उन्हीं बोलीदाताओं की खोली जाएंगी जिन्होंने ईएमडी उक्त तरीके से जमा कर दी है।

6. निविदाकार को दस्तावेजों के सत्यापन के लिए पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने वाली एजेंसी के नाम और टेलीफोन नंबरों को इंगित करना होगा और यदि आवश्यक हो तो समान प्रकृति की मदों के सत्यापन के लिए किए गए कार्य का बीओक्यू प्रस्तुत करना होगा। यह ध्यान दिया जा सकता है कि मूल्य बोली खोलने के बाद भी प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्र झूठे/जाली पाए जाते हैं तो, प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव को सीधे तौर पर खारिज कर दिया जाएगा। इसके लिए निविदाकर्ताओं से कोई और स्पष्टीकरण नहीं मांगा जाएगा।

7. बोली के रूप में प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों को समझने के लिए कृपया निविदा विज्ञापन और निविदा दस्तावेज को ध्यान से देखें। कृपया उन कवरों की संख्या पर ध्यान दें जिनमें बोली दस्तावेज जमा किए जाने हैं, दस्तावेजों की संख्या – प्रत्येक दस्तावेज के नाम और सामग्री सहित, जिसे जमा करने की आवश्यकता है, इनमें से कोई भी विचलन बोली को अस्वीकार कर सकता है। कृपया बोली जमा करने से पहले संलग्न "ऑनलाइन बोली प्रस्तुत करने के दिशा-निर्देश" को ध्यान से पढ़ें।
8. इच्छुक निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी बोली जमा करने से पहले निविदा दस्तावेज के संबंध में प्रकाशित किसी भी शुद्धिपत्र/निर्देश/सूचना को ध्यान में रखें।
9. निविदा की वैधता अवधि स्वीकृति और कार्य देने के उद्देश्य से निविदा खोलने की तिथि से 90 दिनों की अवधि के लिए रहेगी, 90 दिनों से अधिक की वैधता आपसी सहमति पर होगी।
10. निविदाकर्ता को सीएसआईआर की संबंधित इकाई में कार्य के लिए निविदा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी जिसमें उसका रिश्तेदार प्रशासन नियंत्रक और कनिष्ठ अभियंता (दोनों सम्मिलित) के बीच ग्रेड में तैनात है। वह उन व्यक्तियों के नाम भी सूचित करेगा जो उसके साथ किसी भी क्षमता में काम कर रहे हैं या बाद में उसके द्वारा नियुक्त किए गए हैं और जो ऊपर बताए गए अनुसार रिश्तेदार हैं।  
**टिप्पणी:** एक व्यक्ति को रिश्तेदार या अन्य माना जाएगा, और केवल अगर (ए) वे एक हिंदू अविभाजित परिवार के सदस्य हैं या (बी) वे पति और पत्नी हैं, या (सी) एक संबंधित है अन्य निम्नलिखित तरीके से, पिता, माता (सौतेली माँ सहित), पुत्र (सौतेले पुत्र सहित), पुत्र की पत्नी, पुत्री (सौतेली पुत्री सहित) पुत्र का पुत्र, पुत्र की पुत्री, पुत्र की पुत्री का पति, पुत्री का पति, पुत्री के पुत्र की पत्नी, पुत्री की पुत्री बेटी, बेटी का पति, भाई (सौतेले भाई सहित)। भाई की पत्नी बहन (सौतेली बहन सहित), बहन का पति।
11. निविदाकर्ता साइट की पहुंच, प्रकृति और जमीन की सीमा, साइट और इलाके की काम करने की स्थिति सहित संयंत्र और उपकरण की स्थापना और सामग्री की स्थापना आदि के संबंध में शर्तों के बारे में पूरी तरह से परिचित होने के लिए साइट का निरीक्षण करेगा। निविदा डालने से पहले संस्थान द्वारा किसी भी परिस्थिति में आवास और कार्य निष्पादन की गतिविधियों को प्रभावित करने वाली शर्तों पर विचार नहीं किया जाएगा।
12. यदि ठेकेदार कार्य सौंपे गए पत्र में उल्लिखित अवधि के भीतर कार्य प्रारंभ करने में विफल रहते हैं तो बयाना राशि जब्त कर ली जाएगी।
13. निविदाकर्ता दरों और राशियों को उद्धृत करने के अलावा कोई शर्त नहीं लगाएगा या ऑन लाइन निविदा प्रपत्र में कोई परिवर्तन, परिवर्धन और संशोधन नहीं करेगा। निविदाकर्ता जो छूट की पेशकश करना चाहता है, यदि कोई हो, तो उसे अलग कवरिंग लेटर में उल्लेख करना होगा और इसे निविदा दस्तावेजों के साथ संलग्न करना होगा।
14. यदि यह पाया जाता है कि निविदा उचित तरीके से प्रस्तुत नहीं की गई है या इसमें बहुत अधिक सुधार या मद की बेतुकी दरें हैं, तो विभाग के लिए उपयुक्त कार्रवाई करने का अधिकार होगा।
15. ठेकेदार को अनुसूची की सभी मदों के लिए उद्धृत करना होगा अन्यथा उनकी निविदाओं को अपूर्ण माना जायेगा।
16. नवीनतम सी0पी0डब्ल्यू0डी0 दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा।
17. कार्य सौंपे जाने के बाद ठेकेदार को कार्य के लिए प्रतिनियुक्त किए जाने वाले पर्यवेक्षी कर्मचारियों के नाम, योग्यता और अनुभव का विवरण देगा। वह साइट पर रखे जाने वाले प्रमुख औजारों और संयंत्रों की सूची भी देगा।
18. ठेकेदार एक अनुबंध निष्पादित करेगा और यह निविदा दस्तावेज समझौते का हिस्सा होगा।

19. ठेकेदार द्वारा उद्धृत दरें पूरे काम के लिये श्रम उपकर, जीएसटी @ 18% या जो भी लागू हो अन्य सभी कर और शुल्क आदि सहित होगी उद्धृत दरों के अलावा कुछ भी अतिरिक्त देय नहीं होगा। सरकार द्वारा लागू वैधानिक कटौती, जीएसटी आदि पर टीडीएस जो भी लागू है ठेकेदार के बिल से कटौती की जायेगी। ठेकेदारों से अनुरोध है कि वे निविदा मदों की दरें उद्धृत करने के लिए अनुबंध की सामान्य शर्तों के खंड संख्या 5 का संदर्भ लें।
20. निविदाकर्ता को ड्राइंग को देखना चाहिए और संदेह के मामले में आवश्यक विवरण इंजीनियर से प्राप्त करना चाहिए, जो किसी भी तरह से उसकी निविदा को प्रभावित कर सकता है क्योंकि किसी भी कथित अज्ञानता के लिए किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
21. DEFECTS LIABILITY PERIOD (दोष दायित्व अवधि) नियोक्ता द्वारा प्रमाणित कार्य समाप्ति की तिथि से बारह महीने होगी।
22. सुरक्षा जमा: बिल की कुल राशि का 10% की दर से ठेकेदार के प्रत्येक चालू बिल से तब तक कटौती की जाएगी जब तक कि बयाना राशि के रूप में जमा की गई राशि के साथ कार्य के निविदा मूल्य के 5% की सुरक्षा जमा राशि नहीं होगी। इसके अतिरिक्त ठेकेदार को उसे जारी किए गए अवार्ड पत्र में कार्य प्रारम्भ करने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर निष्पादन सुरक्षा के रूप में अनुबंध के निविदा मूल्य के 5% के बराबर राशि जमा करनी होगी।
23. क्षतिपूर्ति: प्रति सप्ताह का कार्य यदि प्रारम्भ न हुआ हो या समाप्त न हुआ हो या कार्य कि नियत मात्रा नियत तिथि के बाद अधूरी हो तो समझौते में दर्शायी गयी पूरे कार्य की राशि पर नियोक्ता द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार (जिसका लिखित निर्णय अंतिम होगा) निविदाकार क्षतिपूर्ति के रूप में 1 % के बराबर राशि अथवा उससे कम राशि का भुगतान करेगा। क्षतिपूर्ति के लिए भुगतान की जाने वाली राशि समझौते में कार्य के लिए दर्शायी गई अनुमानित राशि के 10 % से अधिक नहीं होगी।
24. नियोक्ता सबसे कम या किसी भी निविदा को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है और पूरी निविदा या उसके किसी भी हिस्से को स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और निविदाकार उद्धृत दरों पर ऐसा करने के लिए बाध्य होगा।
25. निविदाओं के संबंध में पक्ष-प्रचार (कन्वेंसिंग) नहीं किया जायेगा और कन्वेंसिंग करने वाले ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत की गई निविदाएं रद्द की जा सकती हैं।
26. कार्य के निष्पादन के दौरान सभी सुरक्षा और एहतियाती उपायों के सीपीडब्ल्यूडी मानदंडों के अनुसार सभी सुरक्षा उपायों का पालन किया जाना चाहिए। किसी भी प्रकार की दुर्घटना/घटना आदि के लिए केवल ठेकेदार ही पूरी तरह से जिम्मेदार होगा।
27. निदेशक, एनबीआरआई बिना कोई कारण बताए किसी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
28. अंग्रेजी और हिन्दी संस्करण के बीच किसी भी विसंगति के मामले में अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।

सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान  
(वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद)  
राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ-२२६००१

**C.S.I.R-NATIONAL BOTANICAL RESEARCH INSTITUTE**  
(Council of Scientific & Industrial Research)  
Rana Pratap Marg, Lucknow-226001

**NOTICE INVITING E-TENDER**

1. Online item rate e-tenders are hereby invited through the e-tendering portal "<https://etenders.gov.in>" for the work of "**Renovation of a hall and adjacent room to be converted in to the Lab at BRS Banthra Lucknow**" from reputed contractors having worked with CPWD, MES, Railways, Post & Telegraph, State PWD's, Semi government/Govt. organizations or from those who have successfully carried out **similar works** for CSIR or its laboratories. The tenderers should have successfully completed at least three similar works amounting to 40 % (**Rs.2.14 lakhs**) or two similar works of 60 % (**Rs. 3.21 lakhs**) or at least one work amounting to 80 % (**Rs.4.28 lakhs**) value of the estimated cost or above in a single contract during the last Seven years. The contractors may apply with proof of fulfilling the above conditions along with copies of PAN, GST registration number, satisfactory work completion certificates.
2. The contractor may apply through e-portal with scanned copies of above documents, and original may produce if required at any time.

Sl. No	Tender No.	Estimated Cost (Rs.)	Time of Completion of work	Earnest Money Deposit (Rs.)	Publish Date	Bid Document Download/ Sale start Date	Bid Submission End Date & Time	Bid Opening Date & Time
1.	1/WKS/06 /23-GL	5,34,174/= CPWD DSR-2021 (including GST & labour cess)	30 Days	10,683/-	18.07.23	18.07.23 from 06:00 PM	26.07.23 Up to 3:00 P.M.	27.07.23 at 03:30 P.M.

3. EMD of Rs.10,683/- shall be deposited in the form of Demand Draft/Pay Order/FDR drawn in favor of Director, CSIR-NBRI, Lucknow or UTR receipt of EMD deposited through RTGS/NEFT in State Bank of India NBRI branch, Lucknow in the account of "**National Botanical Research Institute, Lucknow, Saving Bank Account No.30267652846, IFSC code: SBIN0010173, MICR code: 226002051.**"
4. The scanned copy of EMD (UTR Receipt /DD/Pay Order/FDR) shall be uploaded along with Technical Bid to the e-tendering website by the bidder within period of bid submission. If Demand draft/Pay order/FDR has submitted then the original be dropped in tender box placed in the Room of Security Officer at main gate or by post, **latest by the last date & time of submission of bid** failing which their offer shall be rejected and CSIR-NBRI will not be responsible for postal delay in any manner.
5. Online bids submitted by intending bidders shall be opened only of those bidders who have deposited the EMD in said manner.
6. The tenderer has to indicate the name & telephone numbers of issuing agency of the completion certificates to enable the verification of the documents and will produce BOQ of work done for verification of similar nature items, if required. It may be noted that even after opening of price bid, the credential submitted are found to be false/forged, the offer submitted shall be rejected out rightly. No further clarification will be sought from the tenderers.

7. Please go through the tender advertisement and the tender document carefully to understand the documents required to be submitted as part of the bid. Please note the number of covers in which the bid documents have to be submitted, the number of documents – including the names and content of each of the document that need to be submitted, any deviations from these may leads to rejection of the bid. Please read carefully the annexed “Instructions for Online Bid Submission” before submission of bid.
8. Intending tenderers are advised to take in to account any corrigendum/Instructions/Information’s published in respect of tender document before/submitting their bids.
9. Validity period of the tender shall remain for a period of 90 DAYS from the date of opening of tender for the purpose of acceptance and award of work, Validity beyond 90 days shall be on mutual consent.
10. The tenderer shall not be permitted to tender for works in the concerned unit of CSIR in which a relative is posted in the grade between Controller of Administration and Junior Engineer (both inclusive). He shall also intimate the names of persons who are working with him in any capacity or subsequently employed by him and who are relatives as mentioned above.  
NOTE: A person shall be deemed to be relative or another if, and only if (a) they are members of a Hindu undivided family or (b) they are husband and wife, or (c) the one is related to the other in the following manner, Father, Mother (including step mother), son (including step son), Son's wife, Daughter (including step daughter) Son’s Son, Son's daughter, Sons' daughter husband, daughter's husband, daughter's son's wife, daughter's daughter, daughter's husband, Brother (including step brother), Brother's wife sister (including step sister), sister's husband.
11. The tenderer shall inspect the site to acquaint himself fully about the conditions in regard to accessibility of site, nature and extent of ground, working conditions of site and locality including stacking of materials installations of tools and plants etc. Before tendering the tender the conditions effecting accommodations and movements of execution of work shall not be entertained by the institute under any circumstances.
12. Earnest Money will be forfeited if the contractors fail to commence the work within the period as mentioned in the work awarded letter.
13. The tenderer shall not impose any conditions or make any changes, additions, alterations and modifications in the on line tender form except quoting rates and amounts. Tenderer who desires to offer rebate, if any, shall mention in the separate covering letter and attach it with the tender documents.
14. If it is found that the tender is not submitted in proper manner or contains too many corrections or absurd rates of item, it would be open for the department to take suitable action.
15. Contractor must quote for all the items of the schedule otherwise their tenders are likely to be treated as incomplete.
16. The latest CPWD specifications shall be followed.
17. After award of work the contractor shall give the names, qualifications and detail of experiences of the supervisory staff to be deputed for the work. He shall also give a list of the major tools and plants to be deployed at the site.
18. The contractor shall execute an agreement and this tender document shall be part of the agreement.
19. Rates quoted by contractor shall be for complete work including labour cess, GST @ 18% or as applicable and all other taxes & duties etc. nothing extra shall be payable other than quoted rates. Statutory deduction, TDS on GST etc. as applied by the Govt. will be deducted from the contractor’s bill, if required. Contractors are requested to refer clause no.5 of General conditions of contract for quoting rates of tender items.
20. The tenderer should see drawings and in case of doubt obtain required particulars, which may in any way

influence his tender from the Engineer as no claim whatsoever will be entertained for any alleged ignorance thereof.

21. DEFECTS LIABILITY PERIOD. Twelve months from the date of completion as certified by the Employer.
22. SECURITY DEPOSIT: A sum @ 10% of the gross amount of the bill shall be deducted from each running bill of the contractor till the sum along with the sum already deposited as Earnest Money, will amount to Security Deposit of 5% of the tendered value of the work. In addition, the contractor shall be required to deposit an amount equal to 5% of the tendered value of the contract as Performance security within the period prescribed for commencement of work in the Letter of Award issue to him.
23. COMPENSATION: Contractor shall pay as compensation as amount equal to one percent of such smaller amount as the Employer (whose decision in writing shall be final) may decide on the cost of the whole work as shown in the agreement for every week that the work remains uncompleted or unfinished or due quantity of work remains incomplete after the proper dates. Compensation to be paid shall not exceed 10% of the estimate cost of the work as shown in the agreement.
24. The employer does not bind himself to accept the lowest or any tender and reserves to himself the right of accepting the whole or any part of the tender and the tenderer shall be bound to perform the same at the rates quoted.
25. Canvassing in connection with the tenders is prohibited and the tenders submitted by the contractor who resort to canvassing are liable for rejection.
26. **All safety measures to be followed as per the CPWD norms of safety and precautionary measures during execution of work. For any misshaping / incident etc. the contractor alone will be solely responsible.**
27. **Director, NBRI reserves the right to reject any or all the tenders without assigning any reason thereof.**
28. **In case of any discrepancy between the English & Hindi Version, the English Version shall prevail.**



## Instructions for Online Bid Submission:

Prospective tenderers are advised to get themselves register at CPP-portal, obtain 'Login ID' & 'Password' and go through the instructions available in the Home Page after log in to the CPP-portal <https://etenders.gov.in> and they must have Digital Signature Certificate (DSC) of appropriate class.

The tenderer shall submit their tender only at CPP-portal in two separate cover parts i.e. **Cover-I as a Technical Bid** and **Cover-II as Price Bid** as per following details.

**Technical Bid (Cover-I)** containing scanned copy of EMD Fee etc.

The lists of scanned copies of following documents are to be furnished/uploaded by the Contractor along with **Technical Bid** as per the tender documents for pre qualification:

- I. Demand Draft/Pay Order/Banker's Cheque/FDR or UTR receipt of RTGS/NEFT against deposit of EMD.
- II. Certificate of registration under GST as per NIT stipulation. If the bidder has not obtained GST registration in the State of UP then in such a case the bidder shall upload following undertaking with the bid documents "If work is awarded to me, I/we shall obtain GST registration certificate within 20 days from the date of receipt of award letter or before submission/payment of 1<sup>st</sup> R.A. bill."
- III. Work completion/experience certificates of required value of similar works done.
- IV. PAN Card.
- V. Partnership deed, in case of partnership firm.
- VI. The entire tender document of Technical Bid must be uploaded duly signed and stamped by the bidder.
- VII. Scanned copy of signed Undertaking by the Bidder for unconditional acceptance of conditions and any other papers ask for in the bidding documents.

**Note: The acceptance / rejection of their bids will be intimated to the bidders/ firms through e-tendering portal.**

### Price Bid (Cover-II)

The price bid shall be uploaded with following document in Cover-II:

- I. All rates shall be quoted in the format provided (xls. Only) and no other format is acceptable. If the price bid has been given as a standard BOQ format with the tender document, then the same is to be downloaded and to be filled by all the bidders. Bidders are required to download the BOQ file, open it and complete the white colored (unprotected) cells with their respective financial quotes and other details (such as name of the bidder). No other cells should be changed. Once the details have been completed, the bidder should save it and submit it online, without changing the file name. If the BOQ file is found to be modified by the bidder, the bid will be rejected.

**Note: Uploading of bid documents in location other than specified above shall not be considered. The bid documents received in hard copy will stand rejected.**

**सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान**  
(वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद)  
**C.S.I.R.-NATIONAL BOTANICAL RESEARCH INSTITUTE,**  
(Council of scientific & Industrial Research)

**Appendix**

1.	Defect liability period	Twelve Months from the date of Virtual completion as certified by the engineer-in-Charge.
2.	Time of completion	30 Days Only
3.	Minimum value of work interim certificate	First & final bill or less at the discretion of the Engineer - In-Charge.
4.	Earnest Money	Rs.10,683/- (Rs. Thirty Seven Thousand One Hundred Eighty Two Only)
5.	Performance Security	5% of the tendered value of work to be deposited by successful tenders before execution of agreement.
6.	Liquidated damages for insufficient progress of work (Clause 23-B)	1% per week of the total cost of the work awarded subject to a maximum of 10% of the gross value of the work done or cost of work awarded whichever is more.
7.	Subsequent retention	Sufficient sum to make up 10% of the value of work done inclusive of earnest money subject to maximum of 5% of the tendered value are gross value of work done, whichever is more.
8.	Time of submission of final bill by the contractor.	Three months from the date of virtual completion.

**सी.एस.आई.आर.-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान**  
(वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद)  
**C.S.I.R.-NATIONAL BOTANICAL RESEARCH INSTITUTE,**  
(Council of scientific & Industrial Research)

**Particulars of Contractor**

Name of Contractor : Mr.....  
Firm of Contractor : M/s.....  
Telephone No. (office) : .....  
Office Address : .....  
Residential Address : .....  
As the firm limited : Yes.....Use/No.....

Give name and address of partners:-

<u>Name</u>	<u>Address</u>
a)	
b)	
c)	
d)	
Partnership deed	: Please enclose with tender
Name of Bankers	: M/s.....
Power of attorney	: Enclosed attested copy/original power of attorney in case of firm.

State: Name and address of person holding power of attorney:

Name : .....  
Address : .....  
Registration particulars : .....  
a) Registered with : .....  
b) Registered No. : .....  
c) Financial limit upto : .....  
which registered : .....  
d) Trade for which registration : .....

**Signature of Contractor**

सविदा की सामान्य शर्तें

1- निर्देशन:

(क) इन शर्तों में निर्दिष्टों तथा अनुसूची, विधिवत, विशेष शर्तों एवं करार का अर्थ करते समय निम्नलिखित शब्दों का अर्थ नहीं होगा जो यहां पर नीचे दिए गए हैं जब तक कि विधिवत एवं संदर्भ से ऐसा अन्यथा उपेक्षित न हो:

(ख) इस सविदा में करार की शर्तें, सविदा की सामान्य शर्तें, विशेष शर्तें, अतिरिक्त विशेष शर्तें, नाम अनुसूची, निर्देशन, विधिवत सौंपावट का और इसी सामान्य शीट में उल्लेखित अन्य प्रलेख और वे प्रलेख भी शामिल किए जाने में निम्नलिखित बातें केवल संदर्भ ही दिए गए हैं।

कार्य का निर्माण कार्य: का अर्थ सामान्य अनुसूची निर्दिष्टों में दिए गए उन सभी कार्यनिर्माण कार्यों तथा इस तरह के अन्य कार्य का निर्माण कार्य है जिनमें इस सविदा के तहत सविदाकार को रूचि हो सकती है।

इंजीनियर: का अर्थ होगा निरीक्षण द्वारा नियुक्त वह व्यक्ति जो कार्य की देखभाल करेगा और सविदा में दी गई अन्य सूचनाएं निम्नलिखित करेगा।

सविदाकार: से तात्पर्य उस व्यक्ति फर्म या कंपनी से है जिनसे ही यह नियमित हो या न हो जिसने निर्माण कार्य की जिम्मेदारी ली है और इसमें विधि प्रक्रिया अथवा इस प्रकार का कोई व्यक्ति अथवा इस प्रकार की फर्म या कंपनी बनाने वाला अथवा इस प्रकार की फर्म या कंपनी का उत्तरदायी एवं इस प्रकार के व्यक्ति या फर्म कंपनी के अनुसार अनुसूचित शर्तों में।

अधीनस्थ: का अर्थ सविदा के कार्य के लिए काम करने वाले इस प्रकार के सभी व्यक्ति हैं जो सविदाकार या इंजीनियर द्वारा नियंत्रित किए जा रहे हैं और जो सविदाकार या इंजीनियर द्वारा नियंत्रित नहीं हैं जो कि निरीक्षण या इंजीनियर द्वारा नियंत्रित नहीं हैं।

अतिरिक्त: किसी भी शर्तों के अधीन सविदा के रूप में देव सविदा अतिरिक्त सविदा नहीं चाहेगी, जिसमें उदाहरण के लिए अतिरिक्त शर्तें या सुझाव तथा कोई भी नई शर्तें, इन शर्तों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

यहां उल्लिखित शर्तों में कार्य और कार्यनिर्माण शामिल है, निर्माण शर्तों में एक-दूसरे का अर्थ अनुसूची में भी दी शर्तों है और इसके निर्माण अनुसूची का एक अर्थ से भी हो सकता है, यहाँ संदर्भ में ऐसा उपेक्षित हो।

सविदा के लिए शर्तों के अंतर्गत दिए गए हैं लेकिन इनके अर्थ का अर्थ व कार्य क्षेत्र सीमित नहीं होगा।

2. जोखिम का निर्धारण

सविदाकार पूरे कार्य को और उसके हर भाग को अधिसूचित कारखाना और कारखानेवाले तरीके से तथा सामग्री और उपकरण दोनों ही के संबंध में हर प्रकार के निर्दिष्टों के अनुसार निम्नलिखित करेगा। सविदाकार कार्य के संबंध में इंजीनियर द्वारा दिए गए निर्देशनों अंतर्गत एवं अनुसूची पर पूर्ण और निष्ठापूर्वक कार्य करेगा। सविदाकार को इन निर्देशनों और निर्देशनों अंतर्गत और अनुसूची की एक प्रति नियुक्त ही चाहेगी जो पूर्ण प्रमाणों में शामिल नहीं है।

3. सविदाकार द्वारा सभी सामान्य अनुसूची पूर्ण करना

(क) सविदाकार कार्य के उचित निष्पादन के लिए अपने कार्य पर तब तक सामग्री (उस सामग्री को छोड़कर जो सविदा के अनुसार निर्दिष्टता द्वारा उपलब्ध करवाया जाय) संयंत्र, औजारों, उपकरण, सीढ़ियों, पाइप, अस्थायी सामान इत्यादि की व्यवस्था करेगा। सारे 40 ग्राम, सीमांत या प्रतिस्थापित हो और चाहे सविदा 6 मास या निर्दिष्टों अथवा अन्य हस्ताक्षरों से सविदा को किसी ऐसे विषय के बारे में इंजीनियर की सविदाओं को पूरा करने या उनका अनुसूचित करने के प्रयोजन के लिए आवश्यक हों, जिनके बारे में वह इन शर्तों के अधीन इस बात का हकदार है या जिन्होंने वह कार्य स्वयं और वहां से उनके जाने सहित अपेक्षा करने को हकदार है। सविदाकार सामग्री और सामग्री सहित उपेक्षित व्यक्ति किसी प्रकार के करारों को निर्माण

कार्य आरम्भ करने और किसी भी समय और समय-समय पर कार्य अथवा सामग्री की गणना तौल और माप अथवा जांच करने में सहायता देने के लिए आवश्यक हों। उसके ऐसा न कर सकने पर इंजीनियर सचिव/कार के खर्च पर उसकी व्यवस्था कर रहेगा और जो व्यय होगा उसकी कटौती सचिव के अधीन सचिव/कार को देय किसी सशि में हो और/वा उसकी जमा प्रतिपूर्ति में हो की जा सकेगी।

(क) सचिव/कार निर्माण करने के लिए आवश्यक पानी की उचित व्यवस्था स्वयं अपने खर्च पर करेगा। लेकिन फिर भी निम्नलिखित साधन वाले प्रयोग की पूर्ति करता है तो सचिव/कार इतिवृत्त, एयर कन्डिशनिंग और फनीचर के कार्य को प्रोत्साहित किए गए प्रयोग की पूर्ति के एक प्रतिशत की दर से मुफ्तान करेगा। सचिव/कार पानी के कनेक्शन के लिए और निम्नलिखित के साधन तैयार हो जाने पर साधन प्राप्त होने की व्यवस्था स्वयं करेगा। यह साधन तैयार हो जाने चाहिए कि निम्नलिखित बिना किसी स्टाण्ड के पानी की पूर्ति की जा सकेगी नहीं होना और पानी की मात्रा में किसी तरह की अस्थिरता कदापि होने पर सचिव/कार अपने खर्च पर पानी की व्यवस्था करेगा ताकि पानी के अभाव में कार्य की प्रगति में किसी प्रकार की रुकावट न आए। इस तरह की किसी खराबी के कारण हुए कार्य को सफल किए जाने की कोई भी जिम्मेदारी नहीं किये जायेंगी। तथापि, यदि सचिव/कार को निम्नलिखित के फुल, हैण्ड पम्प या प्राकृतिक पानी अथवा तालाब से पानी लेने की व्यवस्था करने की अनुमति मिल जाती है तो उसे इन स्रोतों से पानी लेने का कोई मुफ्तान नहीं करना होगा लेकिन यदि इन स्रोतों की कोई क्षति होती है तो सचिव/कार उसे ठीक करायेंगा और यह सुनिश्चित करेगा कि निर्माण कार्य में प्रयोग किए गए पानी की गुणवत्ता आवश्यक कोड के अनुसार है और किसी प्रकार के जोखिम की व्यवस्था यह अपने खर्च पर करेगा।

(ग) सचिव/कार को निर्माण कार्य के लिए पानी लेने के सुविधा में निम्नलिखित की प्राप्ति पर अस्थायी कुरबाना की अनुमति सभी की साधनी मात्र उसके कार्य निम्नलिखित की निश्चित अनुमति होगी। इसके लिए सचिव/कार से कोई प्रचार नहीं लिया जायेंगा लेकिन अस्थायी किसी प्रकार की कुरबाना होने से रोकने या घटाने, कटौती और सविन लाइन में किसी प्रकार के नुकसान को रोकने के लिए सुरक्षा प्रबंध करेगा। निर्माण के दौरान इस कारण हुई किसी प्रकार की कुरबाना या क्षति के लिए और कुरबाना रखरखाव के लिए सचिव/कार जिम्मेदार होगा और निर्माण कार्य पूरा होने पर कुरबाना को ठीक कर जमीन को पूर्ववत् करेगा।

(घ) निम्नलिखित सचिव/कार द्वारा ही सभी कुरबानों की जमीन पर अथवा खेत से लिए गये पानी के खर्च के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

(ङ) उपलब्ध होने पर निम्नलिखित पानी की आपूर्ति केवल एक माइटर पर करेगा जहाँ से सचिव/कार अपने खर्च पर इलेक्ट्रिक मीटर, लिफ्ट, पम्प इत्यादि लगाकर आवश्यक स्थानों पर बिजली की व्यवस्था करेगा। ये निम्नलिखित की अतिरिक्त में होंगे। यदि इसकी किसी और के निर्माण कार्य में बाधा आती है तो सचिव/कार अतिरिक्त लागत लिए बिना इस अस्थायी साधनों को कटौत और से अलग वा हटा देगा। निर्माण कार्य पूरा होने पर ये अस्थायी साधन हटा दी जायेंगी। सचिव/कार द्वारा उपरोक्त की गई बिजली की लागत निम्नलिखित द्वारा निश्चित की गई दर के अनुसार देय होगी जिसकी कटौती पानी कनेक्ट के बिना में हो की जायेंगी। तथापि, सचिव/कार बिजली की आपूर्ति की गारंटी नहीं देगा और बिजली की आपूर्ति न हो जाने अथवा कम होने के लिए किसी प्रकार की प्रतिपूर्ति नहीं करेगा।

#### 4. प्राधिकारी, नोटिस एवं पेटेंट:

(क) सचिव/कार किसी भी निगम और बिजली आपूर्ति कम्पनी और अन्य प्राधिकारियों के विनियमों और उपबन्धनों के अनुसार निर्माण कार्य करेगा जिसके सिद्धांत के साथ सरकार के लीडे जाने का प्रभाव है तथा नक्शों, विनिर्देशनों में किसी प्रकार का परिवर्तन करने से पहले लिफ्ट, पम्प, खोले और खारों का संशोधन करते हुए इंजीनियर को लिखित रूप से सूचित करेगा और उसके अनुमति का पालन करेगा। यदि इस खण्ड के अंतर्गत कार्य के अनुपालन में कोई ऐसा निर्माण कार्य सम्मिलित है जो इस सचिव में शामिल नहीं है तो तब निर्माण कार्य की उन भवों को और उनके लिए अपेक्षित अतिरिक्त सशि को विनिर्दिष्ट करेगा।

(ख) सविदाकार किसी भी अधिकारी को दी जाने वाली उक्त विनियमों, उपनियमों से संबंधित आवश्यक सूचनाएं देगा और वह उक्त अधिकारी या किसी सरकारी कार्यालय को पूरी प्रतियां देगा जो निर्माण कार्य के संबंध में प्रभावी हो सकती है और प्रतिपूर्ति के लिए बिल के साथ स्वीकृत नवी करके इन्वीन्विटर को देगा।

5. दलों में सभी चर्चों का अंतिम निष्पत्ति:

(क) सविदाकार द्वारा दलों को नई दलों में विभाजित, वृद्धि, पुनर्, कार्य कर, रीफायर और इस ठेके से संबंधित अन्य सभी चर्च अंतिम होंगे और नियोजता इस संबंध में किया गया किसी प्रकार का दावा स्वीकार नहीं करेगा। निविदा दलों में प्रस्ताव दान के अन्तर्गत दिए गए दस्तावेजों और लेखी जायित हैं। तथापि, सविधान अधिनियम (48 वां अधिनियम) के अन्तर्गत सविदाकार, यदि आवश्यक हो तो कोई अन्य कर या लेखी टैक्स प्राप्त करने की स्वीकृत के बाद लगाई जाती है और सविदाकार अनिवार्य और अधिक रूप से करदाता को अदायगी करता है तो सविदाकार को अदायगी का प्रमाण प्रस्तुत करने पर उक्त की नियमावली प्रतीति कर दी जाएगी बशर्ते कि नियोजता की राय में इस प्रकार के प्रस्ताव से बचि कोई हो, निविदा निर्णय अंतिम एवं बाध्य होगा) सविदाकार के निर्णय में धर के विधान में कोई विधान न हो।

(ख) सविदाकार इस बात के अंतर्गत से सम्बन्धित लेखापत्रिकाएं एवं अन्य दस्तावेज रखेगा और नियोजता के विधिवत अधिकृत प्रतिनिधि को उक्त निरीक्षण करने की तथा नियोजता को इस संबंध में यथोचित अन्य सूचनाएं एवं दस्तावेज भी प्रस्तुत करेगा।

(ग) अधिनियम अधिनियम (अथवा संशोधन) 1982 के अन्तर्गत अन्य कोई कर अथवा लेखी लगाए जाने के तीस दिन के अन्दर सविदाकार नियोजता को इस संबंध में एक लिखित नोटिस देगा कि वह इस शर्त तथा इसके अंतर्गत सभी आवश्यक सूचना के अन्तर्गत दिया गया।

6. संपत्ति

(क) यदि भिन्नियों या चर्चों की अनुसूची में यह उपरोक्त हो कि ऐसे संपत्ति का प्रयोग किया जाए जो नियोजता के अन्तर्गत हो दिया जाएगा या की अंतर्गत है कि सविदाकार नियोजता द्वारा उपलब्ध कराए गए सामान को प्रयोग करेगा, निविदा दस्तावेज संपत्ति को सूची में किया गया है तो सविदाकार केवल सविदा के प्रयोजनों के लिए उपलब्ध पर धरके उक्त संपत्ति फिर करने के लिए उपलब्ध प्रदान और वापसी प्राप्त करने के लिए वापस होगा और वापसी की बात अनुसूची में निर्दिष्ट हों पर दस्तावेज दिए गए सामान का मूल्य देना करेगा। सविदाकार को सविदा के अंतर्गत या वापस कर लेना पर उसके पश्चात् देना ही वाली किसी भी शर्त में से प्रतीति प्राप्त के प्रति या करने निराल किया जाएगा या करत लिए जाएगा। नियोजता द्वारा सविदाकार को इस प्रकार संपत्ति किया गया बाध सामान सूची: नियोजता की संपत्ति बना दिया और सविदाकार इस संपत्ति करत-गपत्तत किए गए सामान का दस्तावेज होगा और इस सामान को किसी भी कारण से वापस लेना से उदाहरण नहीं जाएगा उक्त निश्चय नहीं किया जाएगा तथा इन्वीन्विटर अथवा नियोजता द्वारा इसका किसी भी अन्तर्गत किया जा सकेगा। सविदाकार द्वारा, भंडारण तथा सभी सामान की सुरक्षा अन्तर्गत एवं अंतर्गत, पुन, लाग और चरों के कारण होने वाली क्षति से संबंधित सभी अर्थगतिक चर्च यान् कर्तत उक्त सामान के संभारण एवं रखरखाव के लिए पूर्णतः उत्तरदायी होगा। इस तरह को कोई भी सामान को प्रयोग में न लाया गया है जो निर्माण कार्य पूरा होने के समय या ठेके की समाप्ति पर नियोजता या इन्वीन्विटर की दृष्टि से अन्तर्गत स्थिति में हो इन्वीन्विटर द्वारा अन्तर्गत रूप सामान पर सविदाकार के चर्च पर और उपरोक्त सूची में निर्धारित दरों पर नियोजता को वापस कर दिया जाएगा लेकिन यदि नियोजता सामान वापस न लेने का निर्णय लेता है तो सविदाकार किए गए ऐसे किसी सामान जिसका उल्लेख प्रयोग नहीं किया है अथवा सामान की किसी भी प्रकार की बर्बादी या हानि का दावा नहीं करेगा।

(ख) यदि किसी कारणवश अनुसूची में इसमें नई सामग्री की आपूर्ति करने में विलम्ब हो या आपूर्ति नहीं की जाती तो सविदाकार नियोजता की इसकी विधिवत सूचना देकर और अनुमोदन लेकर इसे प्राप्त करेगा और निर्माण कार्य को समय पर पूरा करेगा। मूल्य का अन्तर (उपरोक्त सामान और अनुसूची में दर्शाई गई कीमत में) का

सूचनाएँ सविधानुसार की जाएंगी। तथापि, यदि नियोजता इच्छा अनुमोदन नहीं देता है, केवल उपरोक्त समय बढ़ाए जाने पर विचार किया जाएगा और नियोजता द्वारा किसी क्षतिपूर्ति/इन्फॉर्मि के दावे का भुगतान नहीं किया जाएगा।

(ग) कार्य पूरा होने के बाद अथवा सविधानुसार/समाप्त होने पर निर्माण कार्य में प्रयोग किए जाने वाले सीमेंट की अनुमोदित मात्रा की गणना, सीमेंट/कंक्रीट द्वारा इस आधार के मुद्रित वर्तमान अनुमोदों में दिए गए विभिन्न कार्य वर्गों के लिए प्रयोग किए जाने वाले सीमेंट की ही नहीं बल्कि आकार पर भी जाएगी। यदि कोई ऐसा कार्य किया गया है जिसके लिए अनुमोदित विवरण में सीमेंट की मात्रा का उल्लेख नहीं किया गया है अथवा इस विवरण से कोई परिणाम नहीं निकाला जा सकता है तो इसकी पर्याप्त इंगीनिंग द्वारा निर्धारित पर्याप्त मात्रा के आधार पर की जाएगी। सीमेंट की इस अनुमोदित मात्रा के अतिरिक्त इन निर्माण कार्य के उद्देश में 2% जमा/कटा तक के अंतर की अनुमति होगी जिसमें से 10 साल तक के अंतर की अनुमति होगी जिसमें से अधिक नहीं है और उन निर्माण कार्य के संबंध में 2% जमा/कटा तक के अंतर की अनुमति होगी जिसमें से अधिक अनुमति का 10 साल तक के अंतर की नहीं है। सविधानुसार को कारखाने में जारी की गई मात्रा और प्राधिकृत अंतर सहित अनुमोदित मात्रा के बीच अंतर की रशि, सविधानुसार में लागू कानूनी बाधा करने से संबंधित अन्य प्रती के उद्देश्यों पर कोई प्राधिकृत प्रभाव नहीं होगा, निर्माण दर से दायी दर में वृद्धि की जाएगी। इसमें कोई वृद्धि नहीं है जो सीमेंट की मात्रा पर जाने की शक्ति है (अगर बाजार अनुमोदित मात्रा का ही एक अंतर की स्वीकृति की जाए) इस प्रकार प्रमुख न किए गए सीमेंट की मात्रा, अनुमोदित निर्माण दरों के आधार पर और कार्यस्थल पर दुबारा प्रसार अतिरिक्त सविधानुसार से तय की जाएगी।

(घ) उपरोक्त उप-खण्ड के अंतर्गत, सविधानुसार में बांधकाम/संशोधन/संशोधन (प्रत्येक प्रकार के कार्य या सेवा पर अलग-अलग विचार किया जाएगा) के मामले में पर्याप्त पर्याप्त परिवर्तन किए जाएंगे, जिसका इच्छा कि सीमेंट की अनुमोदित मात्रा का उल्लेख नहीं है जो सविधानुसार के अनुसार अतिरिक्त है जो किने इंगीनिंग ने प्राधिकृत किया है, इसमें इसी प्रकार के कार्य के कारण होने वाला 2% जमा/कटा तक प्रभाव भी शामिल होगा। इस अनुमोदित मात्रा के अतिरिक्त, इसमें अथवा के कारण अंतर के रूप में 2% जमा/कटा तक भी शामिल होगी।

(ङ) उपरोक्त उप-खण्ड के अंतर्गत, केवल (संशोधन/संशोधन के अतिरिक्त) तारों, कंडक्टरों, आरंभ, विभिन्न कार्य वर्गों में प्रमुख की आवश्यकता पर नहीं है बल्कि में पर्याप्त परिवर्तन किए जाएंगे और इसका परिवर्तन सुझाव के प्रयोग के लिए और निर्माण कार्य में प्रमुख कार्य की सफल निष्पत्ति करने के लिए आवश्यक है जो इस मामले में अंतर पर किया जाएगा। इस मात्रा के अतिरिक्त, केवल (संशोधन/संशोधन के अतिरिक्त) तारों, कंडक्टरों, आरंभ, कंडक्टरों के मामले में कार्य निर्माण के दौरान तारों के अंतर्गत के लिए 2% अतिरिक्त मात्रा रखने और जो आवश्यक पर सीमेंट के मामले में 100% अतिरिक्त मात्रा रखने की अनुमति होगी।

(च) उपरोक्त प्रावधान सविधानुसार द्वारा सविधानुसार के अतिरिक्त निर्धारित शिफ्टों के अनुसार कार्य न करने के लिए सविधानुसार के विचार-परिचय करने के अतिरिक्त का प्राधिकृत प्रभाव नहीं करती है।

## 7. कार्य परीक्षण

प्रामाण्य: निर्माणकर्ता तथा लागू प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए जाने वाले कार्य के परीक्षण, जोड़ एवं कारीगरी के लिए सविधानुसार, उपकरण, सामग्री, शक्ति एवं आवश्यक कोई अन्य प्रयोग करने पर करीगरी। नियोजता को परीक्षण प्राधिकारी नियुक्त करने का अधिकार है। परीक्षण कुछ शक्ति परीक्षण होगा, इसकी शक्ति, परीक्षण समय का बहन-सविधानुसार करीगरी। परीक्षण में न कर सकते हैं, यह सभी कार्य सविधानुसार के अंतर्गत इंगीनिंग उपलब्ध करायेंगे और इस कार्य की कठोरता अतिरिक्त के अतिरिक्त सविधानुसार की रूप कितनी भी शक्ति में है और/अथवा जमा की गई प्रतिभूति में है अथवा प्रतिभूति के हुए आय में है अथवा उसके पर्याप्त अंश में है की जाएगी।

8. सविदाकार के इंजीनियर/प्लेन एवं कमीन

- (क) कार्य के निष्पादन के दौरान सविदाकार सभी आवश्यक व्यक्तिगत निरीक्षण की व्यवस्था करेगा और उसके बाद भी इंजीनियर उस समय तक जिसे वह आवश्यक समझे, इसकी व्यवस्था करता रहेगा जब तक कि उन कर्मियों को दूर करने की उसकी जिम्मेदारी की अन्तिम सीमा नहीं हो जाती। सविदाकार सी पी डब्ल्यू डी के मानक के अनुसार इंजीनियर द्वारा अनुमति प्राप्त हुए सभी इंजीनियर/प्लेन को नियुक्त करेगा, जिसकी योग्यता इंजीनियर द्वारा विनिर्दिष्ट अंशकों के अनुसार होगी और जो कार्य पर होने होने के समय कार्य की लगातार निगरानी करेगा। इंजीनियर द्वारा कर्मियों को इंजीनियर या कमीन या अन्य किसी प्राधिकृत एजेंट को दिए गए किसी भी प्रकार के निर्देश, सटीकरण, अनुदेश या सूचनाएं देकर पर भी लागू होंगी।
- (ख) सविदाकार इंजीनियर के अनुदेश पर कार्य में लगे किसी भी व्यक्ति को तत्काल बर्खास्त कर देगा, जो इंजीनियर की राय में अयोग्य या असमर्थ हो सकता है या जो नियोजक की राय में स्वयं उत्तरदायी हो सकता है।

9- सूचक

- (क) इंजीनियर और नियोजक अथवा उनके प्रतिनिधि सभी उचित अवसरों पर कार्य संबंधित कार्यशाखाओं या किसी ऐसे स्थान पर, जहां पर सविदाकार के लिए प्रभावी संचार की जा रही हो, स्वतंत्र रूप से जा सकेंगे तथा किसी ऐसे स्थान पर भी जा सकेंगे जहां कामकाज हुआ है या जा रहा है या प्राप्त प्राप्त किया जा रहा है तथा सविदाकार उनको निरीक्षण के लिए प्रत्येक सुविधा प्रदान करेगा। सरकारी प्राधिकारियों के प्रतिनिधियों या कर्मस्थित व्यक्तियों के अलावा किसी भी व्यक्ति को निर्दिष्ट कार्य के स्थान पर इंजीनियर की अनुमति के बिना किसी भी समय नहीं जाने दिया जाएगा।

- (ख) यदि कोई कार्य कार्य-स्थल के अलावा किसी अन्य स्थान पर किया जाना है तो ऐसा करने के लिए सविदाकार इंजीनियर से लिखित अनुमति लेगा।

10. परिवर्तन एवं परिवर्तन के लिए कीमतें

- (क) इंजीनियर को यह अधिकार होगा कि वह मूल विनिर्देशनों, आरेखों, विभाजन एवं लिखित अनुदेशों में नियोजक के अनुमोदन के बिना, प्रकार का परिवर्तन/संशोधन कर सकता है और इस प्रकार के परिवर्तन, सट-बाद, प्रतिस्थापनों से प्रभावित नहीं होगा। और कोई भी परिवर्तन, सट-बाद अथवा प्रतिस्थापित किया गया कार्य ऊपर विनिर्दिष्ट किए अनुसार कार्य के समय के साथ ही करने के लिए सविदाकार को निर्दिष्ट किया जाएगा, सविदाकार इस प्रकार के कार्य करने पर कार्य करेगा, जिस पर मुख्य कार्य करने के लिए वह सहमत हुआ है। इस तरह के अंतर्गत प्रस्तावों के परिवर्तन, अतिरिक्त या प्रतिस्थापित कार्य की दरें लिखित संबंधित अनुदेशों के निम्नलिखित दरों के अनुसार निर्धारित की जाएगी:
- (ख) यदि परिवर्तित अतिरिक्त या प्रतिस्थापित कार्य की दरें सविदाकार ने विनिर्दिष्ट हैं तो सविदाकार वह कार्य उन्हीं दरों पर पूरा करेगा जो कार्य की प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं।
- (ग) यदि परिवर्तित, अतिरिक्त या प्रतिस्थापित कार्य की दरें सविदाकार ने विनिर्दिष्ट उपरोक्त नहीं हैं तो दरें ऐसे ही दरों के कार्य की दरों से ही जाएगी जो कार्य की प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट हैं।
- (घ) यदि परिवर्तित, अतिरिक्त या प्रतिस्थापित कार्य के लिए दरें उपरोक्त (ख) और (ग) में विनिर्दिष्ट रीति से निर्धारित नहीं की जा सकती हैं तो सविदाकार कार्य करने के लिए आदेश की प्राप्ति की तारीख से इस कार्य दर के विशेषज्ञ उचित इंजीनियर को देगा, जोकि कार्य की आकस्मिक लागत पर आधारित होगी। इसमें 10% लाभ एवं ऊपरी छतों के रूप में शामिल होगा तथा विनिर्दिष्ट लागतों के मामले में सविदाकारों को करके देसी पर के लिए सहमत हो सकता है। किन्तु यदि इंजीनियर सविदाकारों की दर से सहमत नहीं होता है तो इंजीनियर ऐसे वर्क के कार्य को पूरा करने के अपने आदेश को रद्द कर सकता है और ऐसी रीति के कार्यों की व्यवस्था कर सकता है, जो वह संयोजक समझे।



(5.) किसी परिस्थिति में सविदाकार इस खंड के अंतर्गत जाने वाली नवी की दो परिभाषित न हो जाने के आधार पर कार्य को स्थापित नहीं करेगा।

11. दोषपूर्ण सामग्री और निर्माण कार्य:

(क) इंजीनियर को यह न बताना सामान तथा कार्य विनिर्देशनों अनुसार नहीं है तो इंजीनियर उसे कार्यस्थल से हटाने के आदेश दे सकता है और चुक हो जाने के स्थिति में इंजीनियर उसे कार्यस्थल से हटाने के लिए अन्य व्यक्ति नियुक्त कर सकता है। इसके लिए वह सदा प्रतिस्थापित किए जाने वाले किसी सामान के खोने अथवा उसकी क्षति होने के लिए प्रत्यक्ष या जिम्मेदार नहीं होगा और न ही उसे जाने की स्थिति में इंजीनियर उस सामान को आपूर्ति किए जाने के लिए बाध्य कर सकता है तथा इस प्रकार कार्यस्थल से हटाए जाने और/ या प्रतिस्थापित किए जाने के कार्य पर हुवा समस्त खर्च सविदाकार द्वारा भुगत किया जाएगा।

(ख) यदि इंजीनियर को अथवा प्रमुख तकनीकी निरीक्षक को ऐसा लगता है कि भस्वारी, अथवा या काम चलाके कार्य किया गया है या प्रतिष्ठा खराब का प्रयोग किया गया है या काम करने के लिए उसके बंदे उपलब्ध कराया गया कोई सामान वस्तु कठिना है या सविदा के अनुबंध के अनुसार नहीं है, कोई भी कमी, संकुचन या अन्य दोष जो इंजीनियर को यह न कार्य पूरा होने के एक माह के भीतर विचार देते हों, तो सविदाकार लिखित रूप में मान किए जाने पर, जो कार्य पूरा होने के एक माह के भीतर इंजीनियर द्वारा उस कार्य, सामग्री या वस्तु को विनिर्देश बंदे हुए की जाए, निम्नके विरुद्ध शिकायत है, इस बात के होते हुए भी कि वह कार्य प्राप्त कर दिया गया है, प्रमाणित कर दिया गया है उसके लिए संवय कर दिया गया है, ऐसे विनिर्देश कार्य को तत्काल पूर्णतः या अंशतः नहीं की स्थिति हो, सुधारण या हटाएया और हटका पुनः निर्माण करेगा अथवा यथास्थिति ऐसी विनिर्देश सामग्री या वस्तु को हटा देया और अपने उचित निजी प्रकाश और खर्च पर अन्य उचित और उपयुक्त सामग्री या वस्तुओं की व्यवस्था करेगा और ऐसी किसी अव्यवस्था को दशा में इंजीनियर उन सामग्री या वस्तुओं को, निम्नके विरुद्ध शिकायत की गई है, हर प्रकार से सविदाकार की जवाबदारी और व्यय पर यथास्थिति पुनः करेगा या हटा करेगा, पुनः निष्पादन कर करेगा और उसे हटाकर उसके स्थान पर दूसरी सामग्री या वस्तु बना करेगा।

(ग) सविदा के अनुसार न किए गए कार्य को सुधारने के बखत निर्माण इस तरह के कार्य को जैसे को तैसा रखने की अनुमति में सकता है और ऐसी स्थिति में मूल में अंतर और ऐसी अन्य कटौती के लिए, जो उसकी राय में उचित हो, भता होगा।

(घ) परन्तु यदि इस खंड के अंतर्गत नहीं किसे भी बात से सविदाकार का हर प्रकार से सविदा कर्ता के अनुसार कार्य करने की जिम्मेदारी है अथवा सभी कार्यों को सुधारने की जिम्मेदारी से मुक्त नहीं होगा।

12. निरीक्षण के लिए निर्माण कार्य का पूरा होना:

(क) ऐसे सभी कार्य जो सविदा के अनुसार या उसके अनुसार में किए गए हैं या किए जा रहे हैं, हर समय इंजीनियर द्वारा निरीक्षण व परीक्षण किए जाने के लिए पूरे रहें तथा सविदाकार सफल कार्य सामग्री पर निम्नके प्रां में सविदाकार को यह अधिसूचना दी जा चुकी है कि इंजीनियर कार्य को देखने के लिए आने का इंतजार रखता है या तो सर्व जांचों और अनुमति को प्राप्त करने के लिए उपलब्ध रहेगा या वह इस प्रयोग के लिए लिखित रूप में अथवा इस से प्रभावित किसी निर्माण अधिकारी की उपस्थिति रहेगा।

(ख) सविदाकार किसी कार्य को करने या अथवा उसको ऐसी स्थिति में, निम्नके उक्तों प्राप्त न हो सके, तब से पूर्व इंजीनियर को यह न बताना दिन की विहित सूचना देगा ताकि उसके इस प्रकार बंदे जाने या ऐसी स्थिति में, निम्नके उक्तों प्राप्त न हो सके, साफ जाने से पूर्व उसकी प्राप्त की जा सके और उसकी उचित संभाल, चौकई आदि कार्य आ बंदे और सविदाकार किसी भी कार्य को इंजीनियर की विहित सम्मति के बिना न हो सके और न ऐसी स्थिति में रखेगा कि उसकी प्राप्त न हो सके और इंजीनियर उस दिन की पूर्वोक्त अधिसूचना के भीतर कार्य का निरीक्षण करेगा और यदि कोई कार्य ऐसी सूचना किए बिना अथवा इंजीनियर की सम्मति प्राप्त किए बिना हटा जाएगा या ऐसी स्थिति में ले आया जाएगा कि उसका धन न हो सके तो वह कार्य

सचिवाकार के खर्च पर खोल दिया जाएगा और यदि ऐसा नहीं होता है तो इस प्रकार के कार्य या उस सामग्री के लिए, जिसकी मदद से उसे निष्पादित किया गया था, कोई प्रत्याय या भौका नहीं दिया जाएगा।

13. समनुदेशन या उप-पट्टे पर देना:

(क) यह सचिवा निर्योक्ता के लिखित अनुमोदन के बिना न तो समनुदेशित की जाएगी और न ही उप-पट्टे पर दी जाएगी। यदि सचिवाकार अपनी सचिवा को समनुदेशित करे या उप-पट्टे पर देगा या ऐसा करने की कोशिश करेगा या दिशादिशा में जाएगा या दिशादिशा निष्पादक कार्यवाहियों शुरू करेगा या अपने सैनदारों से उसके द्वारा दी गई सभी रकम के बदले धन देने का अनुरोध करेगा या ऐसा करने का प्रयास करेगा या फिर प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः कोई रिश्ता, सम्बन्ध, उपाहार, भुगतान, भौतिक, इनाम या धन संबंधी हस्त या कोई अन्य चीज का प्रस्ताव सचिवाकार द्वारा या निर्योक्ता के किसी अधिकारियों के पूर्वोक्तों या उसके किसी सेवकों या उप-नियुक्तों, जो किसी भी तरह से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सचिवा में सचिवा सेने वाले हैं, को दिया जाता है तो नियुक्ता को खंड 23 के अन्तर्गत निर्योक्ता के खंड में ऐसी कोई भी कार्यवाही करने का अधिकार होगा जैसे वह निर्योक्ता के लिख में समनुदेशन रूप से उपयुक्त समुच्चय और यदि इनमें से कोई भी कार्यवाही की जाती है तो उसके से परिणाम होंगे जो खंड 23 में विनिर्दिष्ट है।

(ख) जहां सचिवाकार मार्गदर्शक फर्म के रूप में है, वहां फर्म के गठन में किसी प्रकार का परिवर्तन करने से पहले निर्योक्ता की लिखित अनुमति लेना आवश्यक होगा। जहां सचिवाकार एक व्यक्ति है या हिन्दु अधिभक्त कुटुंब का कार्यकारी प्रतिष्ठान है, वहां सचिवाकार को किसी प्रकार का मार्गदर्शक करार करने से पहले उपर्युक्त अनुमति लेनी होगी और मार्गदर्शक फर्म को सचिवाकार द्वारा लिए गए कार्य को पूरा करने का अधिकार होगा। यदि पूर्वोक्त के अनुसार अनुमोदन नहीं लिया जाता है तो वह जना जाएगा कि सचिवा का समनुदेशन खंड 13 (क) का उल्लंघन करते हुए किया गया और उस पर यही कार्यवाही की जा सकेगी तथा उसके वही परिणाम होंगे, जो खंड 13(क) में उपर्युक्त है।

14. अहित, सम्पत्ति पर सचिवा की सति की पूर्ति:

(क) हर प्रकार की दुर्घटना से बचने के लिए सचिवाकार निर्योक्त आवश्यक सतर्कता बर्तें, प्रति सीमा नियंत्रक बोर्ड, ज्ञान प्रपंच, ज्ञान बत्ती और अनुरोधक समारंभों का आवश्यक सावधानी बरतेंगा। अपनी ओर से हुई सावधानी के कारण होने वाली क्षति और दुर्घटनाओं के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। कार्य निष्पादन के समय असावधानी की वजह से हुई क्षति नहीं भुंकारेगी।

सचिवा, प्रमुखों व सैनदारों तथा सम्पत्ति को हुए सभी प्रकार की क्षति के लिए सचिवाकार जिम्मेदार होगा, यदि ही वह चोट से क्षति उत्पन्न करेगी किन्हीं कारणों से दुर्घटना के कारण हुई हो। इस खंड में अन्य बातों के साथ-साथ पूर्वोक्त कारणों से निर्माण कार्य, इमारतों, अड्डों, गलियों, कुदमियों, पुस्तों या रास्तों को हुई क्षति भी शामिल होगी (चाहे वह एकलम पल हो या दोबोरी दूरी पर हो) और इस सचिवा के तहत कानून वाले महलों और निर्माण कार्यों में भीतन की क्षति के कारण हुई क्षति भी शामिल होगी। सचिवाकार निर्योक्ता की क्षतिपूर्ति करेगा और सभी विषयों में इस खंड की पूर्वोक्त चोट या क्षति के होने वाले क्षतों के लिए निर्दोष कसतापना और कानूनी खर्च सहित ऐसे ताने पर उपर्युक्त क्षतिपूर्ति व हर्जानों से सम्बन्धित खर्चों को भगत करेगा।

(ख) सचिवाकार इस खंड में उल्लिखित प्रत्येक प्रकार की क्षति को पुनः स्थापित करेगा, जिससे कि यह सचिवा के सम्पूर्ण कार्य को हर तरह से पूर्ण कर सके और तीसरी पार्टी की सम्पत्ति को कम्प्लेक्सिबिल क्षति के खर्चों के लिए अनुपूरक कर सके तथा भुंकार सके।

(ग) सचिवाकार इस सचिवा की धन सहायता के दौरान किसी कर्मचारी, सचिवाकार के कर्मचारी के किसी प्रतिनिधि या किसी उपसचिवाकार, जो उसके द्वारा नियुक्त किया गया है कि जमान के जोखिम या चोट के लिए या कुछ समय के लिए अस्तित्व में किसी कानून के तहत किसी मजदूर या किसी मृत या अयोग्य सिद्ध हुए कर्मकार के

प्रतिनिधि की प्रतिपूर्ति के दावे के खिलाफ, जो नियोजता के ऊपर किया जा सकता है, जो प्रतिपूर्ति करता है।

(ख) नियोजता पर संविदा की प्रकृत हालत में प्रत्यक्ष फरोक रूप से इस संविदा में नियुक्त अधिकारी और अधिकारियों के संबंध में लागू होने वाले नियमों, विनियमों, शर्तों, प्रतिनिधि, पुराना प्रतिनिधि से संबंधित विधियों और संशोधनों का अनुपालन न किए जाने पर केन्द्र/राज्य सरकार या सरकार या स्थानीय नगर निगम अधिकारियों द्वारा नियोजता पर किए गए दावे की प्रतिपूर्ति भी सीमित/रुकी होगी।

(ड.) नियोजता को पूर्ण जवाबदारी होगी और उसे पता होगा कि वे दी जाने वाली वस्तुओं/संसाधनों का इस तरह के दावों से जवाब नहीं, प्रतिपूर्ति की कोशिशें अधिकारी व सर्वो को देकर को दी जाने वाली वस्तुओं/संसाधनों को प्रतिपूर्ति में से काट सकता है।

(घ) संविदाकार किसी अतिरिक्त अवकाश किसी पेटेंट कानून विचारण के प्रयोग या किसी तक अधिक पेटेंट या डिजाइन के अधिकारों से संबंधित कार्रवाई, करने या कार्रवाई के लिए नियोजता की प्रतिपूर्ति करेगा और संविदा में शामिल किसी कार्य अथवा उसके किसी जंज के संबंध में देय किसी रॉयल्टी का भुगतान करेगा। पूर्वोक्त ऐसे किसी मामले में यदि नियोजता के विरुद्ध कोई दावा या कार्रवाई की जाती है तो उसकी सूचना तत्काल संविदाकार को दी जाएगी और संविदाकार को यह जवाबदारी होगी कि वह अपने स्वयं पर, विवाद का निपटारा करे या सुझाव करे। परन्तु, उक्त नियोजता या उसके अधिकृत प्रतिनिधि के द्वारा आदेश दिए जाने पर यदि पेटेंट अथवा डिजाइन या किसी तक अधिक पेटेंट या डिजाइन के अधिकारों का प्रयोग होता है तो संविदाकार नियोजता को प्रतिपूर्ति करने के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

15. अन्य संविदाओं में दावे के संबंध में प्रावधान:

(क) नियोजता या सरकार या संविदा देने वाले किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा या नियोजता या सरकार या इस तरह के किसी व्यक्ति के विरुद्ध किसी प्रकार के दावे/संविदाकार द्वारा नियोजता के या सरकार या अन्य किसी व्यक्ति के साथ संविदा के कारण या संविदा के अंतर्गत किसी रॉयल्टी का भुगतान किए जाने के संबंध में किसी संविदा के अंतर्गत प्रतिपूर्ति जमा करके संविदाकार को दी जाने वाली रॉयल्टी को सरकार/संविदाकार के रूप में रखा जा सकता है।

(ख) संविदा की यह शर्त थी कि इस जंज के अंतर्गत इस प्रकार रॉयल्टी गई या प्रतिभारित की गई ऐसी रॉयल्टी को नियोजता द्वारा उठाया जाएगा और संविदा के अंतर्गत उठाया कोई दावा होने तक या अन्य कोई शर्त या तो शान्ति सुझाव है या संविदा के कारण/कारण संविदाकार द्वारा नियोजता को या सरकार या अन्य व्यक्ति के साथ या सरकार/संविदाकार द्वारा निपटारा करने तक, किसी भी विवाद, दावे, रॉयल्टी और इस तरह के अंतर्गत रॉयल्टी गई और संविदाकार को प्रत्यक्ष अतिरिक्त की गई रॉयल्टी के लिए संविदाकार किसी प्रकार के दावे या हानि के लिए इस आधार पर अथवा किसी अन्य कारण पर कोई जवाब नहीं करेगा।

16. तथा भी गई रॉयल्टी के संबंध में प्रावधान:

(क) जब कभी संविदाकार के विरुद्ध किसी क्षमता के संबंध के लिए कोई दावा या दावे संविदा दे या उसके अधीन उद्भूत होता है/होती है तब यदि संविदाकार ने कोई प्रतिपूर्ति जमा की है तो नियोजता को उक्त से ऐसी पूरी रॉयल्टी या उक्त भाग रोक लेने का हक और उसे प्रतिभारित करने का प्रावधान भी होगा जो उक्त प्रयोजन के लिए नियोजता को यह हक होगा कि वह किए गए प्रतिपूर्ति निधि को, यदि कोई हो, रोक कर लेने का अधिकार निपटारा या न्यायनिर्णय हो तो उक्त अपने हाथ रोक ले और उक्त पर उक्त प्रावधान भी होगा। यदि प्रतिपूर्ति की रकम या रकमों के लिए प्रयास नहीं है या यदि संविदाकार से कोई प्रतिपूर्ति नहीं की गई है तो नियोजता को, ऐसे दावे का अधिकार निपटारा या न्यायनिर्णय होने तक, ऐसी रॉयल्टी या रॉयल्टी में से, जो उक्त संविदा के या नियोजता के कारण से किसी संविदाकार/व्यक्ति के साथ की गई किसी अन्य संविदा के अधीन संविदाकार को संदेय पाई जाए या तत्पश्चात् किसी समय संदेय हो जाए, उक्त दावा/रकम या

(क) के बराबर जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है, रकम रोक लेने का हक और उसे प्रतिधारित करने का धारणाधिकार होगा।

इस अधिनियम की कठोर धारणा यह है कि नियोजता द्वारा रोकें गई या धारणाधिकार के अधीन प्रतिधारित की गई ऐसी रकम या रकमों को, जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है, नियोजता द्वारा तब तक रोक रखा या प्रतिधारित किया जाएगा जब तक उचित है या उसके अधीन उद्भूत होने का, दायित्व, व्यवस्था द्वारा (एवं उचित व्यवस्थाओं द्वारा सहित) प्रतीति दीया रकम न्यायालय द्वारा अवधारण नहीं कर दिया जाता है और यह कि इस प्रकार रोक रखने या धारणाधिकार के अधीन प्रतिधारण के संबंध में, जिसका ऊपर उल्लेख किया गया है या नियोजता अधिनियम को प्रभावित करना है की गई है, ठेकेदार किसी भी व्यापक या मुकदमा के लिए कोई दावा नहीं कर सकता। इस उद्देश्य के अधीन के लिए, जहां ठेकेदार प्राचीनकारी फर्म या लिमिटेड कंपनी है, नियोजता को ऐसी किसी राशि में से, जो यथास्थिति, किसी प्राचीनकारी/लिमिटेड कंपनी को उसकी वैयक्तिक इतिहास में या अन्यथा उद्भूत हुई है, इस प्रकार दावा की गई पूरी रकम या उसके किसी भाग को रोक लेने का हक होगा और उसे प्रतिधारित करने का धारणाधिकार भी होगा।

(ख) नियोजता को यह अधिकार होगा कि वह निर्माण कार्य की सेवा-परिष्ठा और तकनीकी जांच करवाए तथा ठेकेदार के अतिरिक्त किसी भी अन्य सभी सम्बन्धित व्यक्तियों, व्यक्तियों आदि शामिल होने, अतिरिक्त बिल का मुगतात करने के बाद लेगा करवाए और यदि ऐसी सेवा-परिष्ठा एवं तकनीकी जांच के परिणामस्वरूप यदि कोई राशि उस अधिनियम के अन्तर्गत ठेकेदार द्वारा किए गए किसी कार्य या उस अधिनियम के अन्तर्गत उसके द्वारा कराए गए और किए जा चुके किसी कार्य के संबंध में अतिरिक्त राशि प्राप्त होती है और उस कार्य का निष्पादन नहीं किया गया पाया जाता है तो ठेकेदार अतिरिक्त राशि को लेवाने का हकदार होगा और नियोजता के लिए यह मायस होगा कि वह इस उद्देश्य के उभरते (कार्य विधायित्व) रिति से या विधिवत् से उस राशि को वसूली कर ले, और यदि वह पाया जाता है कि ठेकेदार को उस अधिनियम के अन्तर्गत उसके द्वारा निष्पादित किसी कार्य के संबंध में जो राशि उस अधिनियम के अधीन उसके लिए प्राप्त की गई है, उसके रकम का मुगतात किया गया है तो, उस रकम मुगतात का नियोजता द्वारा ठेकेदार को विधिवत् मुगतात किया जाएगा।

परन्तु जहां मुगतात के संबंध में एक पक्षकार के रूप में नियोजता तथा दूसरे पक्षकार के रूप में ठेकेदार के बीच कतर हुआ हो, नियोजता द्वारा निर्माण करने के बाद निर्माण कार्य के लिए मुगतात की स्वीकृति देने से संबंधित अधिनियम की किसी धारा के अधीन, या जो नियोजता अधिनियम अध्या की गई किसी राशि को वसूली करे या हकदार होगा और जो ठेकेदार को उस राशि को वसूली कर लेने का हकदार होगा।

17. अधिनियम की प्रवृत्ति से उत्पन्न होने वाले अधिकार

अधिनियम की प्रवृत्ति से उत्पन्न होने वाली रिति में इस अधिनियम के अन्तर्गत किसी अधिकारी या उपकार्य पर प्रतिबन्ध प्रभाव डाले बिना नियोजता के पास अधिनियम को मुगतात किए बिना अधिनियम को सजात करने का अधिकार होगा।

18. उन ठेकेदार

अधिनियम के पास अधिनियम का उपयोग करने का और उस स्थान पर कोई भी सेवा कार्य करने का अधिकार होगा जो अधिनियम में शामिल नहीं है। अधिनियम अधिनियम द्वारा नियुक्त किए गए सभी उप अधिनियमों, अधिनियमों, व्यापारियों, करीबों तथा अन्य व्यक्तियों को कार्य निष्पादन के लिए या इस अधिनियम के अन्तर्गत निर्माण कार्य संबंधी सामान की पूर्ति के लिए, अधिनियम के लिए, निर्माणधीन मुगतात की सजावट के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराएंगे।

19. अधिनियम की शक्ति अधिनियम का अनुसूचना

अधिनियम अधिनियम अधिनियम, 1948, ठेका अधिनियम एवं उद्घाटन (अधिनियम, 1970 के सभी अधिनियमों का एवं उनमें उल्लिखित सभी नियमों एवं आदेशों तथा ठेका अधिनियम तथा अधिनियम, 1961 को

प्रभावित करने वाले अन्य अथ संबंधी नियमों तथा उसमें उल्लिखित सभी नियमों एवं आदेशों को, जो समय-समय पर लागू हो सकते हैं या लागू किए जा सकते हैं, का अनुपालन करेगा।

20. विद्युत के लिए सतिपूर्ति:

(क) सविद्युतकार कार्य को पूरा करने के लिए निर्दिष्ट वे जो समय दिया गया है, उसका सखी से अनुपालन करेगा और सविद्युतकार की ओर से इसे पूर्णता के मुकाबले जग से रूप में समझा जाएगा। वाक्य के लिए निर्धारित समय में कार्य पूरी कराना निश्चय से किया जाएगा और सविद्युतकार प्रति उचित का कार्य यदि आरम्भ न हुआ हो या समाप्त न हुआ हो या कार्य की निश्चय मात्रा निर्दिष्ट तिथि के बाद अधूरी हो तो समझौते में दस्तावेज नहीं पूरे कार्य की सति के आधार पर नियोजित द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार (जिसका लिखित में निर्णय लीख होगा) सविद्युतकार सतिपूर्ति के रूप में एक प्रविज्ञा के बराबर सति या उचरी अपेक्षाकृत कम सति का मुताबत करेगा।

(ख) इसके अलावा, कार्य के निष्पादन (निर्माण) के दौरान अथवा प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए सविद्युतकार उन सभी मामलों में, निर्णय सति के समत लिए गए संपूर्ण समय के एक चौथाई समय बीतने से पहले पूर्ण कार्य का 1/8 भाग पूरा करने के लिए, निर्णय सति भी काम की दिशा में समय एक गर्हने से (विशेष कार्य के लिए सुरक्षा) अधिक हो जाता है, इस प्रकार लिए गए समय के आधे समय के बीतने से पहले कार्य का 1/8 भाग पूरा करने के लिए और इस प्रकार लिए गए समय का 3/4 बीत जाने से पहले कार्य का 3/4 भाग पूरा करने के लिए बाध्य होगा। परंतु विशेष कार्य के लिए यदि सविद्युतकार द्वारा समय सारणी प्रस्तुत की गई है और वह नियोजित द्वारा स्वीकार कर ली गई है तो सविद्युतकार को समय सारणी प्रस्तुत की गई होगी यदि सविद्युतकार इस सति का अनुपालन नहीं कर पाता है तो हर प्रकार कार्य की उक्त जागत के आधार पर एक प्रविज्ञा सति के बराबर या अपेक्षाकृत कम सति, जैसा कि नियोजित (जिसका लिखित में निर्णय लीख होगा) निर्णय करेगा, का सतिपूर्ति के रूप में मुताबत करने के लिए जिम्मेदार होगा, यदि कार्य को निर्धारित मात्रा अधूरी रहती है। नार्त कि इस उक्त के उपराली के अर्थात् मुताबत की जाने वाली संपूर्ण सतिपूर्ति समझौते में दस्तावेज लिए गए कार्य की संपूर्ण समाप्त की 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

21. संघर्षों या मुद्द जैसी सतिधाओं के फलस्वरूप निर्माण कार्य को पूरा सति:

(क) जब तक कार्य नियोजित को सतिधा न किया गया हो तथा इसके संबंधित प्रमाण पत्र उचित प्राप्त नहीं का लिया हो तब तक निर्माण कार्य (यहां पूर्ण रूप से निर्माण किया गया हो या नहीं) और सभी सगरी, मशीन, औजार तथा सज्ज, सब अस्थायी भवन और उचित संबंधित अन्य सामान सविद्युतकार के जोखिम पर रहने। निर्माण कार्य या निर्माण कार्य में लगाने के लिए कार्यस्थल पर सभी रूप में जाई गई किसी निर्माण सामग्री को संघर्षों या मुद्द जैसी सतिधाओं के फलस्वरूप सतिधात या चर होने की वजह से सविद्युतकार नियोजित द्वारा लिखित में आदेश दिए जाने पर कार्यस्थल से हलवा हलवाएगा और सतिधात कार्य से हल बचाने के लिए कार्य में जाने लायक सारी सामग्री हलवाही करेगा और सतिधात सति से डेर लगानेवाला या उचरे प्रकार में से जाएगा तथा मलबे को हलवाएगा से सफा करने और काम में जाने लायक सामग्री का डेर लगाने या उचरे हलाने के कार्य के लिए और नियोजित द्वारा आदेश दिए गए सभी कार्य के सुनिश्चय के लिए इस प्रकार के उपबंध के अनुसार सतिधा की वजह पर मुताबत किया जाएगा तथा यह मुताबत निर्माण कार्य के सतिधात या चर होने से पूर्व वास्तव में लिए गए कार्य के मुकाबले अधिक लिए मुताबत नहीं किया गया है, प्रविद्युत के अतिरिक्त होगा। यदि निर्माण कार्य सतिधात हो गया है या हलवा हुआ है और निश्चय पहले से मुताबत और मुताबत नहीं किया गया है तो प्रविद्युतकार का निर्धारण नियोजित द्वारा किया जाएगा। सविद्युतकार को कार्य में हुए मुताबत, उसके नर हो जाने और सगरीयों के प्रत्यासूचना के लिए मुताबत इस प्रकार के उपबंधों के अनुसार लिखित दारों के विस्तारण या आधारीत दारों पर किया जाएगा। सगरीयों की मुताबत, क्षति और निर उपयोग के उचरे संश्लेषित किया गया था, उसके संबंध में नियोजित का प्रमाण पत्र सतिधा होगा तथा सविद्युतकार बाध्य होगा।

(ख) संघर्षों या मुद्द जैसी सतिधाओं के फलस्वरूप होने वाली किसी भी सति की श्मेशा सतिपूर्ति उचरेय नहीं होगी जब तक कि (क) सविद्युतकार ने उचरेय इतने से बचाने के सभी प्रकार के सतिधात की श्मेशा न की हो जो

नियोजता या ए. आर. सी. अधिकारी द्वारा अनिवार्य समझा जाता हो (ख) ऐसा कोई भी प्रतिष्ठा किती ऐसी सामग्री इत्यादि के, लिए जो कार्यक्षेत्र पर या किसी ऐसे औजार तथा संयंत्र, यन्त्र, पाइप, अस्थायी भवन और अन्य वस्तुओं के लिए, जो उस कार्य के लिए उचित नहीं है, सदैव नहीं होगा।

जैसाकि पहले बताया गया है कि यदि संविदाकार को पुनः निर्माण करना पड़ता है तो इस मामले में उसे कार्य पूर्ण करने के लिए उचित और समय दिया जाएगा जिसका कि नियोजता द्वारा उचित समझा जाए।

## 22. समय बढ़ाना:

यदि संविदाकार कार्य निष्पादन में आयी अपरिहार्य बाधाओं या अन्य कारणों के आधार पर कार्य को पूरा करने के लिए समय बढ़ाना चाहेगा तो जैसा कि ऊपर बताया गया है, यह जिन कारणों के आधार पर समय बढ़ाना चाहता है, इसके लिए उसे बाधा की तारीख से तौल दिन के अन्दर नियोजता को लिखित रूप से अवगत करना होगा और यदि नियोजता की समझ में (जोकि अन्तिम है) उसमें सुविधा कारण दर्शाए गए हैं तो वह इस प्रकार के समय बढ़ाने के अनुरोध को प्राधिकृत कर सकता है यदि उसकी समझ में आवश्यक या उचित है।

ऐसी वस्तु में, जबकि कार्य का पूरा प्रायोजकों के वित्त के मूल्य से अधिक हो तो ऐसे में संविदाकार बड़े हुए मूल्य के अनुपात में समय बढ़ाने की मांग करने का हकदार होगा।

## 23. संविदाकार द्वारा कार्य रोकना

(क) किसी भी प्रकार के वित्तिय या सचिवा कारीगरी के संबंध में या अन्यथा उचित किसी प्रकार में किए जाने के संबंध में किसी के लिए किसी धर्म हेतु नियोजता संविदाकार के विरुद्ध अपने अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और इस संविदा के किसी भी अंगों के अन्तर्गत या अन्यथा किसी अधिकारी या उपकरणों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना तथा चाहे कार्य पूरा करने की तारीख समझ हो गई हो या नहीं, निम्नलिखित किसी वस्तु में संविदा को लिखित सूचना द्वारा पूर्णतः रोक सकता है:-

यदि इंजीनियर द्वारा संविदाकार को यह लिखित सूचना दिए जाने पर किसी दोषपूर्ण कार्य को पुनरा जाए, पुनः निर्मित किया जाए या संकल किया जाए या यह कि कार्य अनुपलब्ध या अन्यथा अनुचित या कार्यक्षेत्र स्थित रूप में किया जा रहा है। ऐसी सूचना दिए जाने के पश्चात् वह तब तक कार्य नहीं करेगा जब तक ऐसी सूचना की अतिरिक्त कोई अनुपलब्ध नहीं करता है या यदि संविदाकार कार्य निष्पादन में इस प्रकार विस्तार करता है या विस्तारित करता है तो नियोजता के निर्णयकार (जो अन्तिम तथा आखिरी होगा) कार्य किए जाने की तारीख तक कार्य पूर्ण करने में असमर्थ होगा या वह इस तारीख तक कार्य पूरा करने में असमर्थ होगा।

यदि संविदाकार, पूरा सम्पत्ति होने के बाद यह प्रस्ताव चारित करता है या न्यायालय यह आवेदन चारित करता है सम्पत्ति का परिचालन कर दिया जाए या यदि सैन्य की ओर से कोई दिक्कत या प्रबंधन नियुक्त किया जाता है या यदि ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती हैं जो न्यायालय या सैन्य की दिक्कत या प्रबंधन नियुक्त करने के लिए हकदार बनाती है या जो न्यायालय को परिचालन आवेदन करने का हकदार बनाती है।

यदि संविदाकार इस संविदा की किसी शर्त को भंग कर देता है।

यदि ठेकेदार यह धारा 13 में उल्लिखित कोई कार्य करता है।

(ख) जब संविदाकार पूर्वोक्त किसी मामले में कार्यवाई करने के लिए स्वयं को उत्तरदायी बना लेता है तो नियोजता को निम्नलिखित अधिकार होंगे:-

पूर्वोक्त संविदा का निर्धारण करना या उसे निरस्त करना (जिसकी प्रमाति या वस्तु की लिखित में सूचना संविदाकार को देने के लिए नियोजता के अधिकार हैं, जो कि अन्तिम प्रमाण होगा)। इस प्रकार के निर्धारण या वस्तु पर संविदाकार की प्रतिभूति जमा नस्त किए जाने योग्य होगी तथा पूर्णतः ही नियोजता के निपटान पर निर्भर करेगी।

(ii) जिन श्रमिकों को नियोजक द्वारा भुगतान किया जाता है अभिरमता उन्हें नियोजित करें तथा कार्य को पूरा करने के लिए या कार्य के किसी भाग को पूरा करने के लिए सामग्री का प्रदाय करें और श्रमिक को लागत तथा सामग्री की कीमत संबंधित कार्यों के नाम डाल दें (इस कार्य तथा प्रयोग की इंजीनियर द्वारा प्रमाणित एक सविदाकार के विरुद्ध अतिरिक्त और निर्णायक होगा) और सभी प्रकार के किए गए कार्य का मूल्य उही रीति में और उन्ही दरों पर उसके बाड़े में जमा कर दें, माली वह कार्य सविदाकार ने अपनी सविदा के विवरणों के अधीन किया है। किए गए कार्य के मूल्य के बारे में इंजीनियर का प्रमाण पत्र सविदाकार के विरुद्ध अतिरिक्त तथा निर्णायक होगा बशर्ते कि इस उपबंध के अधीन कार्यों केवल तभी की जाएगी जब तक कि सविदाकार ने इसकी सूचना दे दी गई हो। परन्तु यदि नियोजक द्वारा किए जाने वाले कार्य सविदाकार को उसकी करार-दरों पर संदेय एकन से कम है तो उनके बीच के अंतर का भुगतान सविदाकार को नहीं किया जाना चाहिए।

(iii) सविदाकार को सूचना (नोटिस) देने के बाद उसके कार्य को जमा करें और उसके कार्य का वह भाग जो अनिश्चित 18 माह, उसके करार द्वारा सविदाकार को पूरा करने के लिए है और इस मामले में एक राशि है, जो सविदाकार को भुगतान की गई हो, जब तक पूरा कार्य निश्चित किया जाता, अधिक उपगत कोई व्यय (जिस अधिक एकन के संबंध में इंजीनियर का लिखा प्रमाण पत्र अतिरिक्त और निर्णायक होगा) को सविदाकार द्वारा उठाया जाएगा और माली उसका भुगतान करेगा और इस सविदा के अधीन या किसी भी अन्य सविदा (सविदाकार को) देय किसी धन में से या उसके प्रतिभूति निक्षेप में से या उसके विक्रय आगमों में से या उसके पर्याप्त भाग में से काट लिया जाएगा।

(iv) नियोजक द्वारा उपरोक्त में से कोई एक या अधिक भाग अपनाए जाने की दशा में ठेकेदार ऐसी किसी हानि के लिए प्रतिभूति का प्रदाय नहीं करेगा, जो उसके कार्य के निष्पादन या सविदा के परिष्कार के कारण या उसकी वृद्धि से उसके द्वारा किसी सामग्री के क्षतिग्रस्त किए जाने या प्राप्त कर लिए जाने या कोई धनसंबंध कर लिए जाने या कोई अग्रिम दे लिए जाने के कारण उत्पन्न होती हो। यदि प्रत्येक उपबंधों में से किसी के अधीन कार्यों की जाती हैं तो सविदाकार इस सविदा के अधीन बस्तुतः किए गए किसी कार्य के लिए को राशि वसूल करने या संदेय किए जाने का इच्छा रखे तक नहीं होगा जब तक कि इंजीनियर ने ऐसे कार्य का समापन और उसके बारे में संदेय कीमत लिखित रूप में प्रमाणित न कर दी हो और वह केवल ऐसी कीमत का संदेय किए जाने का ही इच्छा रखे जो इस प्रकार प्रमाणित की गई हो।

#### 24. प्रतिभूति पत्र

यदि नियोजक द्वारा प्रमाणित की जाती है तो कार्य निष्पादन की प्रगति के दौरान नियोजक द्वारा निर्दिष्ट प्रकृत सविदाकार को अनुबंध - पत्र पर हस्ताक्षर करने पर अनुबंधित मूल्य के एक प्रतिशत का भुगतान किया जा सकता है, जिसमें किसी सामग्री की क्षतिग्रस्त करने के लिए बाजार मूल्य और सविदाकार की निश्चिन्ता को ध्यान में रखा जाएगा, जिसे इंजीनियर के अधीन में अग्रिम राशि नहीं ले कार्य में शामिल किए जाने की इच्छा है, अधिकारी के साथ सविदा के अनुसार है और उसके बाद जिसे कार्यस्थल पर लाया जाता है तथा सही रूप में संभाल में रखा गया हो तथा भौतिक संरक्षण कार्यों से प्रति से लगाए किंचित गया हो। जब इस सब के अनुरूप सामग्री के बचते में उधार किया गया हो तथा उसे कार्य में सम्मिलित किया गया हो तो इस सविदा के किसी छंद या खंडों के अधीन अपने भुगतान से इस प्रकार की उधार की राशि को कटौती की जाएगी।

#### 25. प्रमाण पत्र और भुगतान

(क) जब तक सम्पूर्ण कार्य पूरा न हो गया हो और समापन प्रमाण पत्र न दिया गया हो जब तक दरें हजार रुपये या इसके कम की प्राप्ति के लिए कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। परन्तु इस 25-आर रुपये से अधिक की प्राप्ति के लिए के अनुबंधित कार्य के मामले में सविदाकार विल प्रस्तुत करने पर उसके द्वारा निश्चित किए गए कार्य के अनुसार में इंजीनियर को संतुष्ट होने पर, उसके संकेत में इस प्रकार भुगतान योग्य राशि का प्रमाण पत्र सविदाकार के लिए अतिरिक्त और निर्णायक होगा, मासिक भुगतान प्राप्त करने का इच्छा होगा। बशर्ते कि किए गए कार्य की मात्रा मासिक प्रमाण पत्र के मूल्य के अनुसार हो या कम मात्रा के लिए एन आई टी में उचित इंजीनियर के विवेक के अनुसार हो। किन्तु ऐसे अव: कालीन भुगतानों को

अंतिम पुनर्गठन के प्रति अग्रिम के रूप में पुनर्गठन माना जाएगा न कि वास्तव में किए गए और पूर्ण हो चुके कार्य के लिए पुनर्गठन माना जाएगा। इससे धटिया, दोषपूर्ण, अधूरा या अकुशल कार्य को ठीक करने या दूर करने की ओर उसका पुनः निर्माण करने या उसे फिर परिमिति करने की अपेक्षा करना प्रचारित नहीं होगा और न इसे सविद्या या उसके किसी कार्य के किसी रूप में सम्यक अनुपालन किया किसी दायें के प्रोद्भूत होने की स्वीकृति समझा जाएगा और न ही यह इन बातों के अधीन लोगों के अंतिम परिनिर्माण और पुनर्गठन के बारे में या अन्यथा नियोजता की क्षमताओं को या उन्हें ही किसी को किसी भी प्रकार से पर्यवेक्षित समारंभ या प्रभावित करेगा या सविद्या में किसी अन्य रूप में फेरफार करेगा या उस पर प्रभाव डालेगा। सविद्याकार द्वारा अंतिम विल कार्य समाप्ति के लिए नियत तारीख या निर्धारित द्वारा कार्य समाप्ति के प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की तारीख से दो मास के भीतर प्रस्तुत किया जाएगा। प्रस्तुत किए गए विल में यदि पूरे किए गए कार्य का मूल्य दो लाख रुपये तक है तो विल प्रस्तुत किए जाने के तीन मास में और यदि यह दो लाख से अधिक है तो छह मास में पुनर्गठन किया जाएगा। यदि किसी कार्य की नव या पुराने के बारे में कोई विवाद हो तब केवल विवाद दलित नव या पुराने का पुनर्गठन क्या स्थिति उल्लिखित अवधि तीन मास या छह मास में कर दिया जाएगा।

(ख) जब कभी चालू पुनर्गठन करने के लिए विस्तृत भागों के अभिलेखन में विलम्ब होने की संभावना हो तो किए गए कार्य के लिए विस्तृत भागों के विल पुनर्गठित मात्राओं के लिए प्रदान की गई दरों के 75 प्रतिशत निष्पादित कार्य का अग्रिम पुनर्गठन इन्जीनियर के प्रमाण पत्र के आधार पर नियोजता द्वारा चालू लेखा विलों में किया जा सकता है। इस प्रकार किए गए अग्रिम पुनर्गठनों का उसके कार्य का विस्तृत भाग लेकर अनुवर्ती चालू खातों में समायोजन किया जाएगा। केवल विस्तृत भागों के आधार पर अंतिम पुनर्गठन किया जाएगा।

(ग) सविद्याकार कार्यलय से प्राप्त मुद्रित प्रपत्र में प्रत्येक मास इन्जीनियर द्वारा नियत तिथि को या उसके पहले विल प्रस्तुत करेगा। इन्जीनियर उसे सत्यापित करने के प्रयोजन से उसका अपेक्षित माप लेगा या कराएगा और चाहा जहां तक वह अनुभव है, पर्याप्त विल विल किए जाने से वह दिन की समाप्ति से पहले समायोजित किया जाएगा। यदि सविद्याकार उक्त नियत समय के भीतर विल प्रस्तुत करने में असफल रहता है तो इन्जीनियर उक्त नियत तारीख से सात दिन के भीतर अपने अधीनस्थ किसी अधिकारी को उक्त कार्य की माप सविद्याकार की उपस्थिति में लेने के लिए भेज सकता है, जिसके माप पर इत्यादि पर्याप्त आधार माने जाएंगे और इन्जीनियर ऐसे मापों से विल तैयार कर सकता है।

(घ) किसी कार्य का माप लेने से पूर्व इन्जीनियर या उसके द्वारा प्रतिनिधित्व उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि सविद्याकार को तर्कसंगत नोटिस देगा। यदि इस प्रकार के नोटिस के बाद सविद्याकार उपस्थित नहीं होता या इत्यादि करने से मना करता है या इन्जीनियर द्वारा अपेक्षित तरीके से मापन की तारीख से अपना मत-पैद व्यक्त करता है तब इस प्रकार के मामले में इन्जीनियर द्वारा उसके द्वारा प्रतिनिधित्व प्राधिकृत प्रतिनिधि, जैसा भी मापला हो, द्वारा लिया गया माप अंतिम होगा तथा सविद्याकार के लिए बाधकारी होगा और सविद्याकार को उस पर विवाद करने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

(ङ) विलों में प्रमातों की प्रविष्टियां प्रेषण करार में विनिर्दिष्ट दरों या इन स्थितियों के अनुसरण में दिए गए किसी अतिरिक्त निर्माण कार्य के मामले में तथा नियम 18-10 के अनुसार निर्धारित दर पर करार में उल्लेख नहीं किया गया या समझा नहीं की गयी है, पर की जाएगी। यदि निर्माण कार्य की नये आंशिक रूप से निष्पादित की गयी है तो नियोजता स्वयंसेवक से इन्जीनियर द्वारा निर्धारित इस प्रकार की दरों के लिए आनुपातिक दरों की अनुमति दे सकता है। उसका इस दायें विल का प्रमाण पत्र सविद्याकार के लिए सन्निध और निर्णायक होगा।

26. प्रतिभूति बंधः

(क) सविद्याकार किए गए और माने गए कार्य का कोई पुनर्गठन करते समय नियोजता को बयाना राशि यदि कोई है, के साथ प्रत्येक चालू विल में किए गए कार्य के कुल मूल्य के 10 प्रतिशत की दर से कटीती करने की अनुमति देगा। सविद्याकार द्वारा पहले ही जमा की गयी वह बयाना राशि वह राशि होगी जो अनुमानित लागत



का 10 प्रतिशत या 5 लाख रुपये में से जो भी राशि कम हो, वगैरें कि प्रतिभूति जमा की पूरी राशि नकद या आवधिक जमा रसीदों के रूप में नियोजता के पास में गिरावा न की गई हो।

(ख) यदि संविदाकार द्वारा नियोजता को अनुचित ढंग की आवधिक जमा रसीदें प्रतिभूति जमा के रूप में प्रस्तुत की जाती हैं तथा बैंक भरोसा हो जाता है कि आवधिक जमा रसीदों का कारण से इतने आवधिक जमा रसीदों का भुगतान करने में असमर्थ हो जाता है तो उनसे होने वाली छानि संविदाकार तुरंत करेगा तथा संविदाकार उपर्युक्त चालू बिल से घाटे की इस राशि की पूर्ति के लिए तत्काल कार्य करने पर अतिरिक्त प्रतिभूति प्रस्तुत करेगा। नियोजता द्वारा इस प्रकार की कटीली प्रतिभूति जमा के माध्यम से की जाएगी बल्कि इस कार्य के लिए नियोजता को हमेशा प्रत्येक चालू बिल से उक्त राशि का प्रतिशत वसूल करने का हक होगा जब तक कि प्रतिभूति जमा की शेष राशि की कटौती नहीं हो जाती। इस प्रकार की अतीत अतिरिक्त द्वारा देय समस्त प्रतिभूति या अन्य धनराशि, प्रतिभूति जमा में से या उद्धृत मिलने वाले धन या किसी अन्य राशि से, जोकि किसी छानि से नियोजता द्वारा संविदाकार को देय हो या देय हो पयो हो, कटौती कर ली जाए। उपर्युक्त ऐसी किसी कटीली के कारण यदि उक्त प्रतिभूति जमा बटाई जाती है तो संविदाकार दस दिन के अन्दर प्रतिभूति का भुगतान करेगा या पुनः आवधिक जमा रसीदें नियोजता के पास में गिरावी रहेगा। प्रतिभूति जमा उपर्युक्त दर से संविदाकार के चालू बिलों से एकत्र की जाएगी तथा निविदाओं के समय, यदि क्वाना राशि जमा की गयी है तो उक्त प्रतिभूति जमा के अंश के रूप में वापस जाएगा।

(ग) यदि संविदाकार बाह्य है तो वह प्रतिभूति जमा के रूप में आवधिक जमा रसीदें अग्रिम के रूप में प्रस्तुत कर सकता है। ऐसी प्रत्येक आवधिक जमा रसीदें कम से कम 25,000/- रुपये की होगी। (ऐसी आवधिक जमा रसीदें राशि के आधार पर कम मुख्य की हो सकती हैं) चालू लेखा बिल से कोई कटौती की जाती है तो इस प्रकार बसूल की गई राशि आवधिक जमा रसीदें से क्वाना-न्यूनित नहीं की जाएगी। यह संविदाकार के हित में है कि यह प्रस्तुत की गई आवधिक जमा रसीदें की पर्याप्तता के बारे में निगरानी रहे।

(घ) दोषपूर्ण दिनचर्या अवधि के दौरान प्रतिभूति जमा की कोई आशिक कटौती नहीं की जाएगी। यदि नियंत्रण से बाहर के कारणों से अग्रिम बिल का अनुचित अवधि में निपटारा नहीं हो जाता और नियोजता इस बात से संतुष्ट हो कि यह या किसी व्यक्ति के अग्रिम अन्य नियोजताओं को देय राशि अन्य देय राशि के उपयोग के लिए प्रतिभूति जमा अवहित नहीं है तो नियोजता के एकतरफा लिखित है इन प्रतिभूति जमा राशि की पूर्ण रूप से या आंशिक रूप से वापसी की जा सकती है।

(ङ) ठेके की समाप्ति पर यह प्रतिभूति जमा जमा हो जाएगी तथा इस राशि की पूर्ति के लिए आवश्यक राशि नियोजता के पास इस ठेके या किसी अन्य ठेके के अंतर्गत ठेकेदार को देय धनराशि से बसूल की जाएगी।

## 27. प्रमाण्य प्रमाणपत्र

निर्माण कार्य पूर्ण होने के दस दिन के अन्दर संविदाकार नियोजता को निर्माण कार्य पूर्ण होने की सूचना देगा तथा ऐसी सूचना की प्राप्ति के दस दिन के अन्दर इंजीनियर कार्य का निरीक्षण करेगा।

यदि कार्य में कोई दोष नहीं है तो नियोजता निर्माण कार्य पूर्ण होने का प्रमाण पत्र संविदाकार को देगा अथवा दोषों या कमियों की दृष्टि से निर्माण कार्य पूर्ण होने का प्रमाण पत्र जारी करेगा परन्तु निर्माण कार्य तब तक पूर्ण न समझा जाएगा जब तक कि संविदाकार प्राइ, अतिरिक्त धनराशि, कूड़ा कचरा जिनसे कार्य किया गया है तथा सभी सामग्रियों और अपने कार्य के लिए अपेक्षित उपर्युक्त व्यक्तियों, संविदाकार द्वारा निर्माण कार्य निपटार के लिए निर्माण स्थान पर बसाए गए व्यक्तियों को तथा काल से बनी सभी वस्तुओं : दरवाजों, खिड़कियों, सीढ़ियों, फर्श या छत के अन्य भागों में, या उनके ऊपर कार्य पूर्ण करने के कारण पड़े धब्बे, छीटे, मल नहीं हटा देता या छत वस्तुओं को निर्माण स्थल से नहीं हटा देता, जिनका अधिकार उसे निर्माण कार्य निपटार के उद्देश्य से दिया गया है। यदि संविदाकार निर्माण कार्य समाप्ति के लिए नियत तारीख तक या उसके पहले इस खंड की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता तो नियोजता संविदाकार के जीवित और लघु पर

ऐसी कार्यवाई करेगा जिसे वह उचित समझेगा तथा संबिदाकार का इसकी बिक्री से वास्तव में वसूल की गई राशि के अलावा कोई दावा नहीं होगा।

28. मूल्य वृद्धि (रेसोलेशन):

यदि निर्धारिता द्वारा सामग्री की कीमत नहीं दी जाती है तथा/या निर्माण कार्य के निष्पादन के लिए अपेक्षित सामग्री की रजिस्ट्री बंद जाती है तो निर्माण कार्य के लिए गए प्रावधानों के अनुसार ऐसी वृद्धि के लिए प्रतिपूर्ति की जाएगी तथा समुदाय संबिदाकार की राशि फिर-फिर होगी। मूल्य वृद्धि की प्रतिपूर्ति संबिदा की निर्धारित अवधि के दौरान किए गए कार्य के लिए ही की जाएगी। इसमें वह अवधि भी है, जिसके लिए संबिदा की सामान्य शर्तों के खंड 20 के अनुसार प्रतिपूर्ति की राशि की वसूली किए बिना संबिदा की सामान्य शर्तों के खंड 22 के उपबन्धों के अनुसार विधिवत रूप से बकाया है। यह प्रतिपूर्ति इस शर्त के अनुसार ही की जाएगी कि ऐसे निर्माण कार्य के लिए किसी भी प्रकार की प्रतिपूर्ति की राशि देय नहीं होगी जिसके पूर्ण होने की निर्धारित अवधि बंद होने या इससे कम है। जब सामग्री मूल्य और मन में वृद्धि के कारण ऐसी प्रतिपूर्ति नहीं देय होगी तो उसकी निर्धारित उपबन्धों के आधार पर गणना की जाएगी।

मूल्य वृद्धि की गणना के लिए मूल तारीख वह अंतिम तारीख होगी जिसमें निविदाएं प्राप्त करने अनुबंधित की।

कार्य की लागत जिस पर मूल्य वृद्धि देय होगी की गणना लागू या अंतिम बिल के अनुसार कार्य की लागत के रूप में की जाएगी तथा इस राशि में नियोजक द्वारा दी गई सामग्री के मूल्य और विशेष बिल से वसूल करने

के लिए प्रस्तावित मूल्य की कटौती मूल्य वृद्धि के लिए प्रतिपूर्ति की राशि की गणना करने से पहले की जाएगी।

यदि निर्माण-स्थल पर सामग्री का पूर्ण मूल्य (न कि बचपनी गई राशि जिसके लिए प्रतिपूर्ति उधार की राशि का मुआवजा किया गया) इस खंड के प्रवर्तन के लिए किए गए निर्माण कार्य की लागत में शामिल किया जाएगा।।

इसी प्रकार जब इस प्रकार की सामग्री निर्माण कार्य के लिए प्रयोग में लाई जाती है तो प्रतिभूत (उधार की राशि बिल से बटा दी जाती है तथा इस खंड के प्रवर्तन के लिए मूल रूप से विचार की गई सामग्री का पूर्ण

निर्धारित मूल्य लागू या अंतिम बिल में दर्ज हो गए कार्य की लागत में घटाया जाएगा इसके अलावा निर्माण-कार्य की लागत में ऐसा कोई कार्य नहीं होगा जिसके लिए विद्यमान बाजार दरों पर मुआवजा किया गया है।

सामग्री और बचपनी के लिए वृद्धि की प्रतिपूर्ति की नीचे दिए गए फार्मूला के अनुसार गणना की जाएगी:

$$VM = W \times \frac{A}{100} \times \frac{(MI - MIO)}{MIO}$$

UM — सामग्री लागत में परिवर्तन अर्थात् मुआवजा या वसूल की जाने वाली राशि में वृद्धि या ह्रास

W — किए गए कार्य की लागत की गणना के लिए उपयुक्त उप खंड (ग) में दर्शाया गया है।

A — निर्माण-कार्य के कुल मूल्य के प्रतिशत के अनुसार व्यक्त सामग्री के खर्च तथा नैसर्गिक 75 प्रतिशत है।

MI — गणना की जाने वाले अवधि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी सभी प्रस्तावित वस्तुओं के शोक मूल्य सूचकांक।

MIO — निविदाएं प्राप्त होने की तारीख की भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित सभी वस्तुओं के शोक मूल्य सूचकांक

$$VL = W \times \frac{B}{100} \times \frac{(LI - LIO)}{LIO}$$

VL — मन लागत में परिवर्तन अर्थात् मुआवजा या वसूल की गई राशि में वृद्धि या ह्रास

W — किए गए निर्माण कार्य का मूल्य, गणना इसकी उपयुक्त उप खंड (ग) के अनुसार की गई है।

B — निर्माण कार्य के कुल मूल्य के प्रतिशत के रूप में व्यक्त मन के घटक और नैसर्गिक 25 प्रतिशत है।

LI — विचाराधीन अवधि के संबंध में गणना में शामिल अवधि के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक।

LIO — भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक तथा जो विविधता प्राप्त होने की अपेक्षा लचीला रूप में है।

(ख) उपर्युक्त उप-खंड (अ) में उल्लिखित सूचकांक की गणना करने समय निम्नलिखित विचारनों का पालन किया जाएगा:

(i) मूल्य वृद्धि के लिए क्षतिपूर्ति की गणना अर्थात् अन्तराल पर तथा उक्त निर्माण-कार्य के एक कैलेंडर मास के दौरान किए गए कार्य की लागत के संबंध में की जाएगी। जिस मास में निविदा लीकृत की गई थी, उसके पश्चात् 6 मास के अंत में ऐसा पदमा भुगतान किया जाएगा तथा उसके बाद 6 मास के अन्तराल पर भुगतान किया जाएगा। निर्माण-कार्य पूर्ण होने के समय भुगतान की अन्तिम अवधि 6 मास से कम हो जाएगी और वह निर्माण-कार्य समाप्त होने की वास्तविक तिथि पर निर्भर होगी।

(ii) ऐसे 6 मास से संबंधित सूचकांक (MI या LI) जिसके लिए क्षतिपूर्ति का भुगतान किया गया है, 6 कैलेंडर मास से संबंधित सूचकांक का गणितीय औसत होगा। यदि भुगतान की ऐसी अंतिम कित्त से 6 मास पूर्ण होने के बाद निर्माण-कार्य पूर्ण करने की अवधि 6 मास से कम है तब MI या LI सूचकांक उस अवधि के अन्त में आने वाले महीनों के लिए सूचकांक का औसत होगा।

(iii) आधार सूचकांक (MIO या LIO) उस मास से संबंधित होगा जिसमें निविदा प्राप्त करना निवृत्त था।

(ग) यदि निर्माण निष्पादन के लिए उपेक्षित सामग्री का मूल्य और/या भ्रम कमजोरी बढ़ जाती है तो निर्माण कार्य की लागत भी कम हो जाएगी और इस संबंध में अग्रिम कार्य की लागत से सामग्री के मूल्य और/या भ्रम कमजोरी की कटौती की जा सकती है। इस संबंध में इस खंड के अंतर्गत पहले दिया गया फार्मूला व्यावहारिक परिवर्तन सहित लागू होगा परन्तु यदि परिवर्तनों के कारण में निर्माण कार्य पूर्ण करने की अवधि 6 मास या 6 मास से कम है तो पूर्व उल्लिखित सामग्रियों की कीमतों और/या भ्रम कमजोरी में इस के लिए कोई समायोजन नहीं किया जाएगा।

## 29. माध्यम्य

(ख) जहां संविदा में अन्यथा उपरोक्त है, यहां के विवाद इन्हें इसके पूर्व उचित विनिर्देशनों, विचारनों, आदेशों और अनुदेशों के अंतर्गत संबंधित और कार्य में प्रस्तावित समझौते या समझौते की शर्तों के संबंध में या किसी अन्य प्रश्न, धर्म अधिकार, बात या चीज के संबंध में यह चर्चे को भी हो, जो संविदा, विचारनों, विनिर्देशनों, प्रावधानों, अनुदेशों या इन सभी से किसी भी प्रकार उत्पन्न हुई है या उत्पन्न हो सकती है या अन्यथा कार्य के संबंध में है अथवा इसके निष्पादन या निष्पादन में असफलता से संतुष्ट है, सभी प्रश्न और विवाद चर्चे के कार्य की प्रगति के दौरान या उसके पूर्व हो जाने का परिणाम के अभाव में उत्पन्न हुए हैं। विवाद के समय वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक द्वारा या यदि वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् का कोई महानिदेशक नहीं है तो पूर्ण विचारों के समय उक्त परिषद् का प्रशासनिक प्रधान द्वारा नियुक्त व्यक्ति के एकमात्र माध्यम्य को निर्दिष्ट किए जाएंगे। उक्त माध्यम्य के, जिसको विवाद मूलतः निर्दिष्ट किया गया है किसी कारणवश कार्य करने के लिए अनिच्छुक होने या असमर्थ होने पर महानिदेशक या प्रशासनिक प्रधान संविदा के निर्बंधनों के अनुसार किसी अन्य व्यक्ति को माध्यम्य के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करेगा। ऐसा व्यक्ति निर्देश के संबंध में इस प्रकार से जिस पर उसके पूर्ववर्ती ने उसे छोड़ा था, आगे कार्यवाही करने का दायरदार होगा। इस विवाद का एक निष्पादन यह भी है कि वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक द्वारा नियुक्त व्यक्ति से भिन्न अन्य किसी व्यक्ति को माध्यम्य के रूप में कार्य नहीं करना चाहिए और यदि किसी कारण से ऐसा संभव नहीं है तो विवाद माध्यम्य की निर्दिष्ट ही नहीं किया जाएगा। ऐसे सभी मामलों में निम्न प्रथम दावे की एक से सात रुपये या इससे अधिक है, माध्यम्य अपने पचास का कारण देगा।

इस सविदा का एक निबंध यह भी है कि माध्यस्थ का इस प्रकार सविदाकार इस खंड के अधीन माध्यस्थ का निर्देशित किए जाने वाले विवाद या विवादों के साथ प्रत्येक ऐसे विवाद के संबंध में दावा की गई राकम या (अनों) को भी निर्दिष्ट करेगा।

इस सविदा का एक निबंध यह भी है कि यदि सविदाकार नियोजता से यह सूचना मिलने के कि कितना संवाय के लिए तैयार है, 90 दिन के लिखित रूप में किसी दावे (दावों) की खबर माध्यस्थ की कोई याग नहीं करता है/करते हैं तो सविदाकार (सविदाकारों) का दावा अधिव्यक्त और पूर्ण रूप से वर्जित माना जाएगा और नियोजता सविदा के अधीन उन दावों के संबंध में सब दावियों से उन्मोचित और निर्मुक्त हो जाएगा।

मध्यस्थ पचाट देने या प्रकटित करने के समय को पचाटकारों की सहमति से समय-समय पर बढ़ा सकेगा।

ऊपर जो कुछ कहा गया है, उसके अधीन रहते हुए माध्यस्थ अधिनियम 1940 या उसके सविधिक आशोधन या पुनर्रचित और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध जो तत्काल प्रवृत्त हैं, इस खंड के अधीन माध्यस्थ निर्देश को लागू होंगे।

## GENERAL CONDITIONS OF CONTRACT

### 1. INTERPRETATION

(a) In construing these conditions, the Specifications, the Schedule of Quantities, Tender, Special Conditions and Agreement, the following words shall have the meanings herein assigned to them except where the subject or context otherwise requires.

(b) This contract shall comprise of the Articles of Agreement, General Conditions of Contract, Special Conditions, Additional Special Conditions, the Schedule of Quantities, Specifications, letter of acceptance of tender and other documents mentioned in the contract sheet attached hereto and including those to which only reference is made herein.

**WORK OR WORKS:** shall mean all work or works defined in schedule of quantities, specifications and such other work or works as the contractor may be entrusted with for carrying out under this contract.

**ENGINEER:** shall mean the Engineer designated by the Employer to superintend and perform other duties as indicated in the contract.

**CONTRACTOR:** shall mean the individual or Firm or Company, whether incorporated or not, undertaking the work and shall include the legal personal representative or such individual or the persons composing such Firm or Company or the successors of such Firm or Company and the permitted assignees of such individual or Firm or Firms or Company.

**SITE:** shall mean the site of the contract works including any buildings and erections thereon and any other land adjoining thereto (inclusive) as thereof allowed by the Employer or the Engineer for the contractor's use.

**COMPENSATION:** shall mean all sums payable by way of compensation under any of the conditions shall be considered as reasonable compensation without reference to the actual loss or damage sustained and whether or not any damage sustained, and whether or not any damage shall have been sustained.

Words importing persons include firms and corporations; words importing the singular only also include the plural and vice versa where the context so required.

The headings are given to the clauses for convenience and they will not limit the meaning or scope of the clauses in any way.

### 2. DRAWINGS AND SPECIFICATIONS

The contractor shall execute whole and every part of the work in the most substantial and workmanlike manner both as regards material and otherwise in every respect in accordance with the specifications. The contractor shall also conform exactly and faithfully to the design, drawings and instructions given in the respect of the work by the Engineer. The contractor shall be furnished free of charge one copy of such specifications and all such designs, drawings and instructions as are not included in the printed publications.

### 3. CONTRACTOR TO PROVIDE EVERYTHING NECESSARY

(a) The contractor shall provide at his own cost all materials, (except such materials, if any as may in accordance with the contract be supplied by the Employer) plants, tools, appliances, implements, ladders, scaffolding, temporary works, etc. requisite or proper for the execution of the work whether original, altered or substituted and whether included in the specifications or other documents forming part of the contract or which may be necessary for the purpose of satisfying or complying to the requirements of the Engineer, as to any manner as to which under these conditions he is entitled to be satisfied together with carriage therefor to and from the work. The contractor shall also supply without charge the requisite number of persons with means and materials necessary for the purpose of setting out works and counting, weighing and assisting in the measurement or examination at any time and from time to time of the work or materials. Failing his so doing, the same may be provided by the Engineer at the expense of the contractor and the expense may be deducted from any money due to the contractor under the contract and/or from his Security Deposit.

- (b) The contractor shall provide himself with requisite quantity and quality of water for carrying out the work at his own cost. If, however, piped water is supplied by the Employer, the contractor shall pay for the water at one per cent of the total cost of the work done except on Electrical work, Air-conditioning work and Furniture work. The contractor shall make his own arrangement for water connection and laying of further pipelines from the source of supply of the Employer. It should be clearly understood that the Employer does not guarantee to maintain un-interrupted supply of water and it will be incumbent on the contractor to make alternative arrangement for water at his own cost in the event of any temporary break-down in the water mains so that the progress of work is not held up for want of water. No claim as damages or refund of water charges will be entertained on account of such break-downs. However, if the contractor is permitted to make his own arrangement to draw water from a well, hand pump, or natural river or pond of the Employer, no charges will be made for the water drawn from the same, but the contractor will make good any damage done to the installations and ensure that the quality of water used in the work is conforming to BIS codes and provide for any treatment at his own cost.
- (c) The contractor shall be allowed to construct temporary wells in Employers' land for taking water for construction purpose only after he has permission of the Employer in writing. No charges shall be recovered from the contractor on this account but the contractor shall be required to provide necessary safety arrangement to avoid any accident or damage to adjacent buildings, roads and service lines. He shall be responsible for any accident or damage caused due to construction and subsequent maintenance of the wells and shall restore the ground to its original condition after the wells are dismantled on completion of the work.
- (d) The Employer on no account shall be responsible for the expenses incurred by the contractor for hired ground or water obtained from elsewhere.
- (e) Subject to availability the Employer may supply power at only one point from where the Contractor shall make his own arrangement for distribution including provision of electric meters, switches, fuses etc. at his own cost. These shall be in the custody of the Employer. If there is any hinderance caused to other works the contractor shall reroute or remove such temporary lines without any extra cost. Such temporary lines shall be removed after the completion of work. The cost of power consumed by the contractor shall be payable to the employer at rates fixed by the Employer, which would be deducted from the running account bills. However the Employer does not guarantee the supply of power and no compensation for any failure or short supply of power shall be entertained.

#### 4. AUTHORITIES, NOTICES & PATENTS

- (a) The contractor shall conform to any regulations and bye-laws of any corporation and of any electricity supply company and authorities with whose systems the structure is proposed to be connected, and shall before making any variations from the drawing and specifications that may be necessitated for so conforming by giving written notice to the Engineer specifying the variations proposed to be made, the reasons for making it and apply for instructions thereon. If the compliance with this clause involves any extra work not included in this contract, he shall specify these items of work and the allowance of extra payment required on their account.
- (b) The contractor shall give all notices required by the said regulations or bye-laws to be given to any Authority and pay to such Authority or to any public office all fees that may be chargeable in respect of the works and lodge the receipts with the bill to the Engineer for reimbursement.

#### 5. RATES TO INCLUDE ALL TAXES

- (a) Rates quoted by the contractor shall include sales tax, duties, octroi, toll tax, royalties and all other taxes in respect of this contract and the Employer shall not entertain any claim whatsoever in this respect. Tendered rates are inclusive of all taxes and levies payable under the respective statutes. However pursuant to the Constitution (Party Sixth Amendment) Act, 1982 if any further tax or levy is imposed by Statute, after the date of receipt of tenders and the contractor thereupon necessarily and properly pays such taxes/levies the contractor shall be reimbursed the amount as per the rules on producing proof of payment so made provided such payments, if any, is not in the opinion of the Employer (whose decision shall be final and binding) attributable to delay in executing of work within the control of the contractor.

- (b) The contractor shall keep necessary books of accounts and other documents for the purpose of this condition as may be necessary and shall allow inspection of the same by a duly authorised representative of the Employer and further shall furnish such other information and documents as the Employer may require.
- (c) The contractor shall within a period of thirty days of imposition of any further tax or levy pursuant to the Constitution (Forty Sixth Amendment) Act, 1982 give a written notice thereof to the Employer that the same is given pursuant to this condition together with all necessary information relating thereto.

## 6. MATERIALS

- (a) If the specifications of schedule of items provide for the use of any material to be supplied by the Employer's stores or if it is required that the contractor shall use certain stores to be provided by the Employer as shown in the schedule of materials hereto annexed, the contractor shall be bound to procure and shall be supplied such materials and stores as are from time to time required to be used by him for the purpose of the contract only and value of the materials so supplied at the rates specified in the said schedule of materials and of the quantities incorporated in the work may be set off or deducted from any sums then due, or thereafter to become due to the contractor under the contract or otherwise or against or from the Security deposit. All materials so supplied to the contractor by the Employer shall remain the absolute property of the Employer and the contractor shall be the trustee of the materials so supplied/procured and the said materials shall not be removed/dispensed off from the site of the work on any account and shall be at all times open for inspection by the Engineer or Employer. The contractor shall bear all incidental charges for cartage, storage and safe custody of all materials and against damage due to dampness, rain, sun, fire and theft and be fully responsible for their storage and maintenance. Any such material unused and in perfectly good condition in the opinion of the Employer at the time of the completion of work or termination of the contract, or earlier shall be returned to the Employer at a place directed by the Engineer at contractor's cost and at rates stipulated in the said schedule but in case the Employer decides not to take back the materials the contractor shall have no claim for compensation on account of any such materials supplied to him as aforesaid being unused by him or for any wastage or damage to any such materials.
- (b) If for any reason there is delay or non-supply of material as shown in the schedule, the contractor shall procure the same and complete the work in time after due intimation and approval of the Employer. The difference in price (between his procurement price and price shown in the schedule) shall be paid to the contractor. However in case approval of the Employer is not given, only suitable extension of time would be considered and no other claim of compensation/damages shall be payable by the Employer.
- (c) After completion of the work or on determination/termination of the contract, the theoretical quantity of cement to be used in work shall be calculated on the basis of statement showing quantity of cement to be used in different items of work provided in current Schedule for the purpose printed by CPWD. In case any item is executed for which the standard constants for the consumption of cement are not available in the above mentioned statement or cannot be derived from this statement, the same shall be calculated on the basis of standard formula to be laid down by the Engineer. Over this theoretical quantity of cement, shall be allowed a variation upto 3% plus/minus for works estimated cost of which as put to tender is not more than Rs 10 lakhs and upto 2% plus/minus for works estimated cost of which as put to tender is more than Rs 10 lakhs. The difference in the quantity actually issued to the contractor and the theoretical quantity including authorised variation, if not returned by the contractor, shall be recovered at twice the issue rate, without prejudice to the provision of other conditions regarding return of materials governing the contract. In the event of its being discovered that the quantity of cement which is less than the quantity ascertained as herein before provided (allowing variation on minus side as stipulated above) the cost of quantity of cement not so used, shall be recovered from the contractor on the basis of stipulated issue rates and cartage to site.
- (d) The provision of foregoing sub-clause shall apply Mutatis-Mutandis in the case of steel reinforcement or structural steel sections (such diameter/section or category shall be considered separately) except that the theoretical quantity of the steel shall be taken as the quantity required as per design or as authorised by the Engineer, including lappages, plus 3% wastage due to cutting into pieces. Over this theoretical quantity 2% plus/minus shall be allowed as variation due to wastage.
- (e) The provision of foregoing sub-clause shall apply Mutatis-Mutandis in the case of cables (other than under-ground cables), wires, conduits/GI pipes, GI/MS sheets used in various items of work shall be

calculated on the basis of measurements recorded in the measurement books for the purpose of payment and for assessing the consumption of materials used in the works. Over this quantity a variation of 3% plus shall be allowed for wastage of materials during execution in case of cables (other than under-ground cables), wires, conduits/GI pipes, and 10% plus in case of GIMS sheets.

- (f) The provisions made above are without prejudice to the right of the Employer to take action against the contractor under the conditions of the contract for not doing the work according to the prescribed specifications.

#### 7. TESTING OF MATERIALS

The contractor shall provide all test-spec. instruments, materials, labour and any other arrangement normally required for testing, checking of materials and workmanship as stipulated in the specifications and by statutory authority at his own cost. The Employer has the right to appoint the testing authorities. The contractor shall pay for the cost of test samples, its packing, transportation including testing fees. Failing his so doing, the same shall be provided by the Engineer at the expense of the contractor and the expenses may be deducted from any money due to the contractor under the contract and/or from the Security Deposit or proceeds thereof or of a sufficient portion thereof.

#### 8. CONTRACTOR'S ENGINEERS / FOREMAN & WORKMEN

- (a) The contractor shall give all necessary personal superintendence during the execution of the work and as long thereafter as the Engineer may consider necessary until the expiration of the Defects Liability Period. The contractor shall employ competent Site-Engineer/Foreman as per CPWD norms and as approved by the Engineer whose qualification must conform to the requirement specified by the Engineer who shall be constantly in attendance of the work while the men are at work. Any directions, explanations, instructions or notices given by the Engineer to such Site-Engineer or Foreman or any other authorized agent shall be held to be given to the contractor.
- (b) The contractor shall on the request of the Engineer immediately dismiss from the works any person employed thereon who may in the opinion of the Engineer be unsuitable or incompetent or who may in the opinion of the Employer misconduct himself.

#### 9. ACCESS

- (a) The Engineer, and the Employer or its representative shall at all reasonable time have free access to the works and/or workshops, factories or other places the materials are being prepared or constructed for the contract and also to any place where the materials are lying or from which they are being obtained and the contractor shall give every facility to them for inspection. Except the representatives of statutory authorities and those mentioned above no other person shall be allowed on the works at any time without the permission of the Engineer.
- (b) If any work is to be done at a place other than the site of works, contractor shall obtain written permission of the Engineer.

#### 10. VARIATION & PRICE FOR VARIATION

- (a) The Engineer with the approval of the Employer shall have power to make any alterations/omissions/additions and/or substitutions from the original specifications, drawings, designs, and written instructions and such alterations, omissions, additions, substitutions shall not invalidate the contract and any altered, additional, or substituted work which the contractor may be directed to do in the manner specified above as part of the work shall be carried out by the contractor on the same conditions in all respects on which he agreed to do the main work. The rates for such altered, additional or substituted work under this clause shall be worked out in accordance with the following provisions in their respective order:
- (b) If the rates for the altered, additional, or substituted work are specified in the contract for the work, the contractor is bound to carry out the altered, additional, or substituted work at the same rates as are specified in the contract for the work.
- (c) If the rates for the altered, additional, or substituted work are not specifically provided in the contract for the work, the rates will be derived from the rates for a similar class of work as are specified in the contract for the work.



- (d) If the rates for the altered, additional, or substituted work cannot be determined in the manner specified in sub-clause (b) and (c) above, then the contractor shall, within 10 working days from the date of receipt of the order to carry out the work through notice in writing, inform the Engineer of the rate which it is his intention to charge for such class of work, supported by analysis of the rate claimed which shall be based on actual cost of work plus 10% as contractor's profit and over-heads except in case of departmental materials for which contractor's profit and over-heads shall be 2.5%. When such notice has been given, the Engineer with the consent of the Employer may agree to such a rate but if the Engineer does not agree to the contractor's rate the Engineer may cancel his order and carry out such class of work and arrange to carry out in such a manner as he may consider advisable.
- (e) Under no circumstances, the contractor shall suspend the work on the plea of non-settlement of rates of items falling under the class.

## 11. FAULTY MATERIALS, WORKMANSHIP & DEFECTS AFTER COMPLETION

- (a) The Engineer shall have power to require the removal from the site of all materials and work which in his opinion are not in accordance with specifications and in case of default, the Engineer shall be at liberty to employ other persons to remove the same without being answerable or accountable for any loss or damage that may happen or arise to such materials to be substituted thereof and in case of default the Engineer may cause the same to be supplied and all costs which may attend such removal and/or substitution are to be borne by the contractor.
- (b) If it shall appear to the Engineer or to the Chief Technical Examiner, that any work has been executed with unbound, imperfect, or unskillful workmanship or with materials of any inferior description, or that any materials or articles provided by him for the execution of the work are unbound or of a quality inferior to that contracted for or otherwise not in accordance with the contract, any defects, shrinkage or other faults which may appear within the defect liability period of six months from the date of completion arising in the opinion of the Engineer, the contractor shall on demand in writing which shall be made within six months of the completion of the work from the Engineer specifying the work, materials, articles defects or other faults complained of notwithstanding that the same may have been passed, certified and paid for, forthwith rectify, or remove and re-construct the work so specified in whole or in part, as the case may require or as the case may be, remove the materials or articles so specified and provide other proper and suitable materials or articles at his own cost. In case of any such failure, the Engineer may rectify or remove or re-execute the work or remove and replace with others, the material or articles complained of as the case may be at the risk and cost in all respects of the contractor.
- (c) In lieu of rectifying the work not done in accordance with the contract, the Employer may, allow such work to remain, and in that case make allowance for the difference in value, together with such further reduction as in his opinion may be reasonable.
- (d) Provided always that nothing in this clause shall relieve the contractor from his liability to execute the works in all respects in accordance with the terms and conditions of this contract, or from his liability to make good all defects.

## 12. WORKS TO BE OPEN FOR INSPECTION

- (a) All work under or in course of execution or executed in pursuance of the contract shall at all times be open to the inspection and supervision of the Engineer and the contractor shall at all times during the usual working hours, and at all other times at which reasonable notice of the intention of the Engineer to visit the works shall have been given to the contractor, either himself be present to receive order and instruction or have a responsible agent duly accredited in writing present for that purpose.
- (b) The contractor shall give not less than seven days notice in writing to the Engineer before covering up or otherwise placing beyond the reach of measurement any work in order that the same may be measured and correct dimensions thereof be taken before the same is so covered up or placed beyond the reach of measurement and shall not cover up and place beyond the reach of measurement without the consent in writing of the Engineer and the Engineer shall within the aforesaid period of seven days inspect the work, and if any work shall be covered up or placed beyond the reach of measurement without such notice having been given or the Engineer's consent obtained the same shall be uncovered at the contractor's

expense or in default thereof no payment or allowance shall be made for such work or the materials with which the same was executed.

### 13. ASSIGNMENT OR SUB-LETTING

- (a) The contract shall not be assigned or sublet without the written approval of the Employer. And if the contractor shall assign or sub-let his contract or attempt to do so or become insolvent or commence any insolvency proceedings or make any composition with his creditors or attempt to do so or if any bribe, gratuity or gift, loan, perquisite, reward or advantage pecuniary or otherwise, shall either directly or indirectly, be given, promised or offered by the contractor or any of his servants or agents to any person in the employment of the Employer in any way relating to his office or employment, or if any such employee or person shall become in any way directly or indirectly interested in the contract, the Employer shall have the power to adopt any of the courses specified under clause-23 as may be best suited to the interest of the Employer and in the event of any of the courses being adopted the consequences specified in the said clause shall ensue.
- (b) Where the contractor is a partnership firm, the approval in writing of the Employer shall be obtained before any changes in the constitution of the firm. Where the contractor is an individual or a Hindu undivided family business concern such approval as aforesaid shall likewise be obtained before the contractor enters into any partnership agreement hereunder the partnership firm would have the right to carry out the work hereby undertaken by the contractor. If previous approval as aforesaid is not obtained, the contract shall be deemed to have been assigned or sublet in contravention of clause 13(a) and the same action may be taken and the same consequences shall ensue as provided in the said clause 13(a).

### 14. INDEMNIFYING AGAINST DAMAGES TO PERSONS, PROPERTY & STATUTES

The contractor shall take all precautions to avoid all accidents by exhibiting necessary caution boards day and night, speed limit boards, red flags, red lights and providing barriers. He shall be responsible for all damages and accidents caused due to negligence on his part. No hindrance shall be caused to traffic during the execution of work.

- (a) The contractor shall be responsible for all injury to persons, animals or things, and for all damage, whether such injury or damage arises from carelessness or accident in any way connected therewith. This clause shall be held to include interalia any damage due to causes as aforesaid to work, building (whether immediately adjacent or otherwise) and to roads, streets, foot paths, bridges or ways as well as all damage caused to the buildings and works forming the subject of this contract by inclemency of weather. The contractor indemnifies the Employer and holds him harmless in respect of all expenses arising from such injury or damages as aforesaid and also in respect of any award of compensation or damage consequent upon such claim including legal costs.
- (b) The contractor shall reinstate all damage of every sort mentioned in this clause, so as to deliver the whole of the contracted works complete and perfect in every respect and so as to make good and otherwise satisfy all claims for damage as aforesaid to the property of third parties.
- (c) The contractor also indemnifies the Employer against all claims which may be made upon the Employer for acts during the currency of this contract by any employee or representative of an employee of the contractor or any sub-contractors, employed by him, for any injury to or loss of life, of such employees, or for compensation payable under any law for the time being in force to any workmen or to the representative of any deceased or incapacitated workmen.
- (d) The contractor also indemnifies the Employer against all claims which may be made upon the Employer for acts during the currency of this contract by the Central/State Government or local Municipal authorities for the non-compliance of any laws, regulations, rules pertaining to wages act, safety act in force and any amendments thereof in respect of all labour and apprentices directly or indirectly employed in the work under this contract.
- (e) The Employer shall be at liberty and is hereby empowered to deduct the amount of any damages, compensation costs, charges and/or expenses arising or accruing from or in respect of any such claim and/or damages as aforesaid from any sum or sums due or to become due to the contractor or security deposit.

(f) The contractor shall indemnify the Employer against any action, claim or proceedings relating to infringement or use of any patent or design or any alleged patent or design rights and shall pay any royalties which may be payable in respect of any article or part thereof included in the contract. In the event of any claims made under or action brought against the Employer in respect of any such matters as aforesaid the contractor shall be immediately notified thereof and the contractor shall be at liberty, at his own expense, to settle any dispute or to conduct any litigation that may arise therefrom. Provided that the contractor shall not be liable to indemnify the Employer if the infringement of the patent or design or any alleged patent or design right is the direct result of an order passed by the Employer or his authorised representative.

#### 15. LIEN IN RESPECT OF CLAIM IN OTHER CONTRACTS

- (a) Any sum of money due and payable to the contractor including the security deposit under the contract may be withheld or retained by way of lien by the Employer or Government or any other contracting person or persons against any claim of the Employer or Government or such other persons in respect of payment of a sum of money arising out of or under any other contract made by the contractor with the Employer or Government or with such other persons.
- (b) It is agreed term of the contract that the sum of money so withheld or retained under this clause by the Employer will be kept withheld or retained as such by the Employer or till his claim arising out of in the same contract or any other contract is either mutually settled or determined by the Arbitrator if the contract is governed by arbitration clause or by the competent court as the case may be, and that the contractor shall have no claim for interest or damages whatsoever on this account or any other ground in respect of any sum of money withheld or retained under this clause and duly notified as such to the contractor.

#### 16. WITHHOLDING & LIEN IN RESPECT OF SUMS CLAIMED

- (a) Whenever any claim or claims for payment of a sum of money arises out of or under the contract against the contractor, the Employer shall be entitled to withhold and also have a lien to retain such sum or sums in whole or in part from the security deposit, if any deposited by the contractor and for the purpose aforesaid, the Employer shall be entitled to withhold the security deposit, if any, furnished as the case may be and also have a lien over the same pending finalisation or adjudication of any such claim. In the event of the security deposit being insufficient to cover the claimed amount or amounts or if no security deposit has been taken from the contractor, the Employer shall be entitled to withhold and also have a lien to the extent of such claimed amount or amounts received to date, from any sum or sums found payable or which at any time thereafter may become payable to the contractor under the same or any other contract with the Employer or any contracting person pending finalisation or adjudication of any such claim.
- It is an agreed term of the contract that the sum of money so withheld or retained under the lien referred above, by the Employer will be kept withheld or retained as such by the Employer till the claim arising out of or under the contract is determined by the Arbitrator (if the contract is governed by the arbitration clause) or by the competent court as the case may be and that the contractor will have no claim for interest or damages whatsoever on any account in respect of such withholding or retention under the lien referred in above and duly notified as such to the contractor. For the purpose of this clause, where the contractor is a partnership firm or a limited company the Employer shall be entitled to withhold and also have a lien to retain towards such claimed amount or amounts in whole or in part from any sum payable to any Partner/Limited company as the case may be, whether in his individual capacity or otherwise.
- (b) The Employer shall have the right to cause an audit and technical examination of the works and the final bills of the contractor including all supporting vouchers, abstract etc., to be made after payment of the final bill and if as a result of such audit and technical examination any sum is found to have been over paid in respect of any work done by the contractor under the contract or any work claimed by him to have been done by him under the contract and found not to have been executed the contractor shall be liable to refund the amount of over-payment and it shall be lawful for the Employer to recover the same from him in the manner prescribed in sub-clause (a) of this clause or in any other manner legally permissible; and if it is found that the contractor was paid less than what was due to him under the contract in respect of any work executed by him under it, the amount of such under-payment shall be duly paid by the Employer to the contractor.

Provided that the Employer shall not be entitled to recover any sum over-paid, nor the contractor shall be entitled to payment of any sum paid short where such payment has been agreed upon between the Employer on the one hand and the contractor on the other hand, under any term of contract permitting payment for work after assessment by the Employer.

#### 17. IN-CASE OF DEATH OF CONTRACTOR

Without prejudice to any of the rights or remedies under this contract, if the contractor dies, the Employer shall have the option of terminating the contract without compensation to the contractor.

#### 18. SUB-CONTRACTORS

The Employer reserves the right to use the premises and any portion of the site for the execution of any work not included in the contract. The contractor is to afford all reasonable facilities to all sub-contractors, specialists, merchants, tradesmen and others who may at any time be appointed by the Employer for executing any work or supplying any goods relating to the constructions, servicing, equipping or furnishing of the work under this contract.

#### 19. COMPLIANCE TO LABOUR LAWS & APPRENTICE ACT

The contractor shall comply with all the provisions of the Minimum Wages Act, 1948, Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970, and rules and orders framed there under and other labour laws affecting contract labour and Apprentice Act, 1961 and the rules and orders framed thereunder that may be in force or brought into force from time to time.

#### 20. COMPENSATION FOR DELAY

- (a) The time for carrying out the work as entered in the tender shall be strictly observed by the contractor and shall be deemed to be the essence of the contract on the part of the contractor. The work shall throughout the stipulated period of the contract be proceeded with all due diligence and the contractor shall pay as compensation an amount equal to one per cent or such smaller amount as the Employer (whose decision in writing shall be final) may decide on the amount of the whole work as shown in the agreement, for every week that the work remains uncommenced or unfinished after the proper dates.
- (b) And further to ensure good progress during the execution of the work, the contractor shall be bound in all cases in which the time allowed for any work exceeds one month (save for special jobs) to complete one-eighth of the whole of the work before one-fourth of the whole time allowed under the contract has elapsed; three-eighths of the work before one-half of such time has elapsed, and three-fourths of the work before three-fourths of such time has elapsed. However for special jobs if a time schedule has been submitted by the contractor and the same has been accepted by the Employer, the contractor shall comply with the said time schedule. In the event of the contractor failing to comply with this condition, he shall be liable to pay as compensation an amount equal to one per cent or such smaller amount as the Employer (whose decision in writing shall be final) may decide on the said cost of the work for every week that the due quantity of work remains incomplete. Provided that the entire compensation to be paid under the provisions of this clause shall not exceed ten per cent on the cost of the work as shown in the agreement.

#### 21. DAMAGE TO WORKS IN CONSEQUENCE OF HOSTILITIES OR WAR-LIKE OPERATIONS

- (a) The work (whether fully constructed or not) and all materials, machines, tools and plants, scaffolding, temporary buildings and other things connected therewith shall be at the risk of the contractor until the work has been delivered to the Employer and a certificate from him to that effect obtained. In the event of the work or any materials properly brought to the site for incorporation in the work being damaged or destroyed in consequence of hostilities or war-like operations, the contractor shall, when ordered in writing by the Employer, remove any debris from the site, collect and properly stack or remove in store all serviceable materials salvaged from the damaged work and shall be paid at the contract rates in accordance with the provision of this agreement for the work of clearing the site of debris, stacking, removal of serviceable materials and for the reconstruction of all works ordered by the Employer such payment being in addition to compensation upto the value of the work originally executed before being damaged or destroyed and not paid for. In case of works damaged or destroyed but not already measured and paid for

the compensation shall be assessed by the Employer. The contractor shall be paid for the damage/destruction suffered and for restoring the material at the rates based on the analysis of rates tendered for in accordance with the provision of this agreement. The certificate of the Employer regarding the quality and quantity of materials and the purpose for which they were collected shall be final and binding on the contractor.

- (b) Provided always that no compensation shall be payable for any loss in consequence of hostilities or war-like operations (i) unless the contractor had taken all such precautions against such loss as are deemed necessary by the A.E.C. Officer or the Employer, (ii) for any materials etc., not on the site of the work or for any tools and plant, machinery, scaffolding, temporary buildings and other things not intended for the work.
- (c) In the event of the contractor having to carry out reconstruction as aforesaid, he shall be allowed such extension of time for its completion as is considered reasonable by the Employer.

## 22. EXTENSION OF TIME

- (a) If the contractor shall desire an extension of time for the completion of the work on the grounds of his having been unavoidably hindered in its execution or any other ground, he shall apply in writing to the Employer within thirty days of the date of hindrance on account of which he desires extension as aforesaid, and the Employer shall, if in his opinion (which shall be final) reasonable grounds shown therefor, authorise such extension of time if any, which may, in his opinion, be necessary or proper.
- (b) In the event, the value of work exceeds the value of the Bill of Quantities owing in variations the contractor shall be entitled to ask for extension of time in proportion to the increased value of work.

## 23. SUSPENSION OF WORK BY CONTRACTOR

- (a) The Employer may without prejudice to his right against the contractor in respect of any delay or inferior workmanship or otherwise or to any claims for damages in respect of any breaches of the contract and without prejudice to any rights or remedies under any of the provisions of this contract or otherwise and whether the date for completion has or has not elapsed by notice absolutely determine the contract in any of the following cases:
- (i) If the contractor having been given by the Engineer a notice to rectify, reconstruct or replace any defective work or that the work is being performed in any inefficient or otherwise improper or unworkman-like manner shall omit to comply with the requirements of such notice for a period of seven days thereafter or if the contractor shall delay or suspend the execution of the work so that in the judgement of the Employer (which shall be final and binding) he will be unable to ensure completion of the work by the date for completion or he has already failed to complete the work by that date.
- (ii) If the contractor being a company shall pass a resolution or the court shall make an order that the company shall be wound up or if a receiver or a manager on behalf of a creditor shall be appointed or if circumstances shall arise which entitle the court of creditor to appoint a receiver or a manager or which entitle the court to make a winding up order.
- (iii) If the contractor commits breach of any of the terms and conditions of this contract.
- (iv) If the contractor commits any acts mentioned in Clause-13 hereof.
- (b) When the contractor has made himself liable for action under any of the cases aforesaid, the Employer shall have the following powers:
- (i) To determine or rescind the contract as aforesaid (of which termination or rescission notice in writing to the contractor under the hand of the Employer shall be conclusive evidence). Upon such determination or rescission the security deposit of the contractor shall be liable to be forfeited and shall be absolutely at the disposal of the Employer.
- (ii) The Engineer may employ labour paid by the Employer and to supply materials to carry out the work or any part of the work debiting the contractor with the cost of the labour and the price of the materials (of the amount of which cost and price certified by the Engineer shall be final and conclusive against the contractor) and crediting him with the value of the work done in all respects

at the same rates as if it had been carried out by the contractor under the terms of his contract. The certificate of the Engineer as to the value of the work done shall be final and conclusive against the contractor, provided always that action under the sub-clause shall only be taken after giving notice in writing to the contractor. Provided also that if the expenses incurred by the Employer are less than the amount payable to the contractor at his agreement rates, the difference should not be paid to the contractor.

- (iii) After giving notice to the contractor to make up the work of the contractor and to take such part thereof as shall be unexecuted out of his hands and to give it to another contractor to complete in which case any expenses which may be incurred in excess of the sum which would have been paid to the original contractor if the whole work were executed by him (at the amount of which exceed the certificate in writing of the Engineer shall be final and conclusive) shall be borne and paid by the original contractor and may be deducted from any money due to him by the Employer under this contract or any other account whatsoever or from his security deposit.
- (iv) In the event any one or more of the above courses being adopted by the Employer the contractor shall have no claim to compensation for any loss sustained by him by reason of his having purchased or procured any materials or entered into any engagements or made any advances on account or with a view to the execution of the work or the performance of the contract. And in case action is taken under any of the provisions aforesaid, the contractor shall not be entitled to recover or be paid any sum for any work stored or actually performed under this contract unless and until the Engineer has certified in writing the performance of such work and the value payable in respect thereof and he shall only be entitled to be paid the value so certified.

#### 24. SECURED ADVANCE

The contractor on signing an indenture in the form specified by the Employer during the progress of the execution of the work may be paid if agreed by the Employer upto 75 per cent of the estimated value which shall take into account the market value and contractor tendered rates for the finished item of any material which in the opinion of the Engineer is likely to be incorporated in the work within next three months, are non-perishable and are in accordance with the contract and which have been brought on the site in connection therewith and are adequately stored and protected against damage by weather or other causes but which have not at the time of advance been incorporated in the work. When materials on account of which an advance has been made under this clause are incorporated in the work the amount of such advance shall be deducted from the next payment made under any of the clause or clauses of this contract.

#### 25. CERTIFICATES & PAYMENTS

- (a) No payments shall be made for a work estimated to cost Rupees ten thousand or less till the whole of the work shall have been completed and certificate of completion given. But in the case of a work estimated to cost more than Rupees ten thousand, the contractor shall, on submitting the bill be entitled to receive a monthly payment proportionate to the part of the work executed, and to the satisfaction of the Engineer, whose certificate of the sum so payable shall be final and conclusive against the contractor, provided the amount of work done is as per the value of intermediate certificate or for a lesser amount at the discretion of the Engineer as mentioned in the NIT. All such intermediate payments shall be regarded as payments by way of advance against the final payment only and not be payments for work actually done and completed and shall not preclude the requiring of bad, unused, imperfect or unskilled work to be removed and taken away and reconstructed, or reerected or be considered as an admission of the due performance of the contract, of any part thereof in any respect or the accruing of any claim nor shall it conclude, determine, or affect in any way the powers of the Employer under these conditions or any of them as to the final settlement and adjustment of the accounts or in any other way vary or affect the contract. The final bill shall be submitted by the contractor within two months of the date fixed for the completion of work or of the date of the certificate of completion furnished by the Employer and payment shall be made within three months if the value of the completed works is upto Rs. two lakhs and in six months if the same exceeds Rs. two lakhs of the submission of such bill. If there shall be any dispute about any item or items of the work then the undisputed item or items only shall be paid within the said period of three months or six months as the case may be.
- (b)

Whenever there is likely to be delay in recording detailed measurements for making a running payment, advance payment without detailed measurements for work done worked out at 75 per cent of the tendered rates for assessed quantities may be made in running account bills by the Employer on the basis of a certificate from the Engineer. The advance payments so allowed shall be adjusted in the subsequent running bills by taking detailed measurements thereon. Final payments shall be made only on the basis of detailed measurements.

- (c) A bill shall be submitted by the contractor each month on or before the date fixed by the Engineer on printed forms obtainable from the Engineer's office. The Engineer shall take or cause to be taken the requisite measurements for the purpose of having the same verified and the claim, as far as admissible, adjusted as far as possible, before the expiry of ten days from the presentation of the bill. If the contractor does not submit the bill within the time fixed as aforesaid the Engineer may cause action within seven days of the date fixed as aforesaid, an authorised representative to measure up the said work in the presence of the contractor whose signature to the measurement will be sufficient warrant and the Engineer may prepare the bill from such measurements.
- (d) Before taking any measurement of any work the Engineer or his authorised representative deputed by him shall give reasonable notice to the contractor. If the contractor fails to attend after such notice or fails to sign or to record the difference within a week from the date of measurement in the manner required by the Engineer then in any such event the measurements taken by the Engineer or by the authorised representative deputed by him as the case may be, shall be final and binding on the contractor and the contractor shall have no right to dispute the same.
- (e) The charges in the bills shall always be entered at the rates specified in the agreement or in the case of any extra work ordered in pursuance of these conditions and not mentioned or provided for in the agreement at the rate determined as per clause 10. However in case of partially executed items of work, the Employer at his discretion allows proportionate rates for such items of work as determined by the Engineer whose certificate of the sum so payable shall be final and conclusive against the contractor.

## 26. SECURITY DEPOSIT

- (a) The contractor shall permit the Employer at the time of making any payment to him for the work done and measured to deduct sum at the rate of 10% of the gross value of work done in each running bill along with the Earnest Money if any, as already deposited by the contractor will amount to 10% of the estimated cost or Rs 5.0 lakhs whichever is less, unless full amount of security deposit in cash or in the form of fixed deposit receipts pledged in favour of the Employer has been deposited.
- (b) In case a fixed deposit receipt of any scheduled bank is furnished by the contractor to the Employer as part of the security deposit and the bank goes into liquidation or for any reason is unable to make payment against the said fixed deposit receipt, the loss caused thereby shall fall on the contractor and the contractor shall forthwith on demand furnish additional security to the Employer to make good the deficit of such sum from the running bill as mentioned above. Such deductions will be held by the Employer by way of security deposit, provided always that the Employer for this purpose shall be entitled to recover the said percentage of the amount from each running bill till the balance of the amount of security deposit is realised. All compensation or the other sums of money payable by the contractor under the terms of this contract may be deducted from the security deposit or from the interest arising therefrom or from any sums which may be due to or may become due to the contractor by the Employer on any account whatsoever and in the event of his security deposit being reduced by reason of any such deductions aforesaid, the contractor shall within ten days make good in cash or further fixed deposit receipt pledged in favour of the Employer. The security deposit shall be collected from the running bills of the contractor at the rates mentioned above and the earnest money if deposited at the time of tenders will be treated as part of the security deposit.
- (c) The contractor if he so desires may furnish fixed deposit receipt in advance towards the security deposit. Such fixed deposit receipt shall be of a minimum value of Rs 25000/- each (The last such fixed deposit receipt could be of a lower value on the basis of the amount). In case any recovery is effected from running account bills, such recovered amount shall not be replaced with fixed deposit receipt. It is in the contractor's interest to keep a watch about the adequacy of the fixed deposit receipt submitted.
- (d)

No partial refund of security deposit shall be made during the defect liability period. In case the final bill is not settled within stipulated period for reasons beyond control and the Employer is satisfied that the security deposit is not required for adjustment of Employers dues or whatsoever dues either in this or any other contract then this security deposit either in full or in part could be refunded at the sole discretion of the Employer.

- (e) In case of termination of contract, this security deposit shall be forfeited and amount necessary to make up this amount shall be recovered from money due to the contractor under this contract, or any other contract with the Employer.

#### 27. COMPLETION CERTIFICATE

With in ten days of the completion of the work, the contractor shall give notice of such completion to the Employer and within ten days of the receipt of such notice the Engineer shall inspect the work. If there is no defect in the work the Employer shall furnish the contractor with a certificate of completion otherwise a certificate of completion indicating defects shall be issued but the work shall not be considered to be completed until the contractor shall have removed from the premises on which the work shall be executed all the scaffolding, surplus material, rubbish, and all huts and sanitary arrangements required for his work, people on the site in connection with the execution of the work as shall have been erected or constructed by the contractor and cleaned of the dirt, splashes, droppings of finishing items from all wood work, doors, windows, walls, floors or other parts of any building, in, upon or about which the work is to be executed or of which he may have had possession for the purpose of the execution thereof. If the contractor shall fail to comply with requirements of this clause on or before the date fixed for the completion of the work, the Employer may at the risk and cost of the contractor take action as he may think fit and the contractor shall have no claim except for any sum actually realized by the sale thereof.

#### 28. ESCALATION

- (a) If the prices of materials not being supplied by the Employer and/or wages of labour required for execution of the work increase, the contractor shall be compensated for such increase as per provisions detailed below and the amount of the contractor shall accordingly be varied, subject to the condition that compensation for escalation in prices shall be available only for the work done during the stipulated period of the contract including such period for which the contract is validly extended under the provisions of Clause-22 of General Conditions of Contract without levy of compensation under Clause-20 of General Conditions of Contract and also subject to the condition that no such compensation shall be payable for a work for which the stipulated period of completion is six months or less. Such compensation for escalation in the prices of materials and labour when due, shall be worked out based on the following provisions.
- (i) The base date for working out such escalation shall be the last date on which the tenders were stipulated to be received.
- (ii) The cost of work on which escalation will be payable shall be reckoned as the cost of the work as per the bills, running or final, and from this amount the value of material supplied by the Employer and proposed to be recovered in the particular bill shall be deducted before the amount of compensation for escalation is worked out. In case of materials brought to site for which secured advance is included in the bill full value of such materials as assessed by the Engineer in charge (and not the reduced amount for which secured advance has been paid), shall be included in the cost of work done for operation of this clause. Similarly when such materials are incorporated in the work, the secured advance is deducted from the bill the full assessed value of the materials originally considered for operation of this clause shall be deducted from the cost of work shown in the bill running or final. Further the cost of work shall not include any work for which payment is made for any item at prevailing market rates.
- (iii) The compensation for escalation for materials & labour shall be worked out as per the formula given below:

$$VM = W \frac{A}{100} \times \frac{(M1 - M0)}{M0}$$

VM—Variation in material cost i.e. increase or decrease in the amount in rupees to be paid or recovered.



W—Cost of work done worked out as indicated in sub para (ii) above.

A—Component of materials expressed as per cent of the total value of work and is predetermined as 75.

MI—Index numbers of Wholesale prices in India for all commodities published by the Reserve Bank of India for the period under reckoning.

Mlo—Index numbers of Wholesale prices in India for all commodities published by the Reserve Bank of India on the date of receipt of tenders.

$$VL = W \frac{B}{100} \times \frac{(LI - LI_0)}{LI_0}$$

VL—Variation in labour cost i.e. increase or decrease in the amount in rupees to be paid or recovered.

W—Value of work done, worked out as indicated in sub para (ii) above.

B—Component of labour expressed as per cent of the total value of work and is predetermined as 25.

LI—All India consumer price index numbers for industrial workers published by the Reserve Bank of India for the period under reckoning as for the period under consideration.

Llo—All India consumer price index numbers for industrial workers published by the Reserve Bank of India and valid on the stipulated date of receipt of tenders.

(b) The following principle shall be followed while working out the cost mentioned in sub para (ii) above:

(i) The compensation for escalation shall be worked out at half yearly intervals and shall be with reference to the cost of work done during the six calendar months of the said work. The first such payment shall be made at the end of the six months after the month (including in which the tender was accepted and thereafter at six monthly intervals. At the time of completion of work, the last payment for payment might become less than six months, depending on the actual date of completion.

(ii) The index (MI or LI) relevant to any six months for which such compensation is paid shall be the arithmetical average of the indices relevant to the six calendar months. If the period upto date of completion after the six months covered by the last such installment of payment, is less than six months, the index MI or LI shall be the average of the indices for the months falling within that period.

(iii) The base index (Mlo or Llo) shall be the one relating to the month in which the tender was stipulated to be received.

(c) In the event the price of materials and/or wages of labour required for execution of the work decreases these shall be downward adjustment of the cost of work so that the price of materials and/or wages of labour shall be deductible from the cost of work under this contract and in this regard formula herein before stated under this clause shall mutatis mutandis apply, provided that no such adjustment for the decrease in the prices of materials and/or wages of labour aforementioned would be made in case of contracts in which the stipulated period of completion of the work is six months or less.

## 29. ARBITRATION

(a) Except where otherwise provided in the contract all questions and disputes relating to the meaning of the specifications, designs, drawings and instructions herein before mentioned and as to the quality or workmanship or materials used on the work or as to any other question, claim, right matter or thing whatsoever in any way arising out of or relating to the contract, design, specifications, estimates, instructions, orders or these conditions or otherwise concerning the works, or the execution of fallure in excesses the same whether arising during the progress of the work or after the completion or abandonment thereof shall be referred to the sole arbitration of the person appointed by the Director General, Council of Scientific and Industrial Research, at the time of such dispute or if there be no Director General, Council of Scientific and Industrial Research, the Administrative Head of the Council of Scientific and Industrial Research at the time of such appointment. The arbitrator to whom the matter is originally referred being unwilling or unable to act for any reason, such Director General or Administrative Head as aforesaid at the time of such inability or unwillingness to act shall appoint another person to act as arbitrator in

- the stage at which it was left by his predecessor. It is also a term of this contract that no person other than a person appointed by such Director General, Council of Scientific and Industrial Research or the Administrative Head of Council of Scientific and Industrial Research should act as arbitrator and if for any reason, that is not possible, the matter is not to be referred to arbitration at all. In all cases where the amount of dispute is rupees two lakhs and above, the arbitrator shall give speaking award.
- (b) It is also a term of the contract that the party invoking arbitration shall specify the dispute or disputes to be referred to arbitration under this clause together with the amount or amounts claimed in respect of each such dispute.
  - (c) It is also a term of the contract that if the contractor does not make any demand for arbitration in respect of any bill or writing within 90 days of receiving the intimation from the Employer that the final bill is ready for payment, the claim of the contractor will be deemed to have been waived and absolutely barred and the Employer shall be discharged and released of all liabilities under the contract in respect of these claims.
  - (d) The Arbitrator may from time to time with consent of parties enlarge the time for making and publishing the award.
  - (e) Subject as aforesaid the provisions of the Arbitration Act, 1940, or any statutory modification or re-enactment thereof and the rules made thereunder and for the time being in force shall apply to the arbitration reference under this clause.

## विशेष शर्तें

1. इन विशेष शर्तों से संविदा के सामान्य विनिर्देशन और सामान्य शर्तों के अधीन हैं।
2. निर्माण-कार्य सी पी डब्ल्यू के विनिर्देशन के अनुसार किया जाएगा। किसी प्रकार की विवर्तन होने पर व्याख्या के लिए अग्रता का क्रम निम्नलिखित होगा:
  - (1) शर्तों की अनुसूची
  - (2) संविदा की सामान्य शर्तें
  - (3) विशेष शर्तें, अतिरिक्त शर्तें और अतिरिक्त विनिर्देश
  - (4) विशेष कार्य जिसकी विशिष्टियां संलग्न हैं।
  - (5) इलेक्ट्रिकल कार्य के लिए अतिरिक्त विनिर्देशन - नाली गणना सॉफ्ट इत्यादि।
  - (6) सी पी डब्ल्यू आधुनिकतम सिविल एवं इलेक्ट्रिकल निर्माण-कार्य विनिर्देशन।
  - (7) आई एस कोड
  - (8) अंतर्राष्ट्रीय कोड
  - (9) उत्तम इंजीनियरी प्रैक्टिस
3. स्टील
  - (i) संविदा में जैसा कि अन्यत्र बताया गया है वैसे ही स्टील दिया जाए जो आर सी सी कार्य के लिए प्रचलन छोड़ें हेतु हो। स्टील कार्य की अन्य शर्तों के लिए उद्देश्य वैसे ही स्टील प्राप्त करेगा।
  - (ii) आर सी सी कार्य के लिए प्रचलन छोड़ें उपलब्ध काइसों तथा सीसी लम्बाई की दी जाएगी। छोड़ों की क्वांटिटी के लिए किसी भी प्रकार के खर्चे पर विचार नहीं किया जाएगा।
  - (iii) 10 मि. मी. व्यास से अधिक व्यास के स्टील का सामान्य सेक्शनल वेट के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। भार परिकलन इस मानक सेक्शनल वेट से किया जाएगा जो के. सी. सि. वि. के नवीनतम विनियमों में संघर्ष को दूर करने के लिए दिया गया है। किंतु 10 मि. मी. व्यास वाली स्टील की छोड़ों के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी। प्रत्येक व्यास की स्टील की छोड़ों का औसत सेक्शनल वेट निर्माण स्थल पर प्राप्त किए गए स्टील के प्रत्येक सॉट के नतीजे निकाला जाएगा। वास्तविक और मानक गुणांक में हुए परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए ही गई स्टील के वास्तविक वजन में आसोधन किया जाएगा और केवल इस आसोधित वजन को संविदाकार के खर्च में लिया जाएगा।
  - (iv) स्टील की अनुमान मूल्य सफल के संबंध में प्रचलन छोड़ों की संख्या में बाएं गए अनुसार घटिक वस्तुओं के उपरोक्त से व्यास कर लही किया जाएगा।
4. सीमेंट
  - (1) संविदा में जैसा कि अन्यत्र उल्लेख किया गया सीमेंट निर्माण स्थल के लिए ही दिया जाएगा। फैक्ट्री के लिए तैयार सामग्री जैसे पूर्व निर्मित टाइल, खोखले ब्रिकेट, ब्लाक, आर सी सी पाइप आदि नहीं दिए जाएंगे।
5. जब तक कि शर्तों की अनुसूची में अन्यथा उपलब्ध न किया गया हो, संविदाकार द्वारा दी गई रॉ निर्माण कार्य में सभी खंडाईयों, सिंकों और गहराई के लिए जायू लानी तथा इस बारे में कुछ भी अतिरिक्त पुरा देय नहीं होगी।
6. खोदी गई अतिरिक्त मिट्टी जो इंजीनियर के कार्य की आवश्यकता के अलावा है, उसके संबंध में नियोजता द्वारा संविदाकार को यह अनुमति दी जाती है कि वह अपने विवेकानुसार इसका निपटारा कर दे अथवा प्राइवेट पार्टी को खोदी गई अतिरिक्त मिट्टी बेचे परंतु यदि निपटारा के किसी अन्य कार्य में उस मिट्टी की आवश्यकता नहीं है तो अतिरिक्त मिट्टी के निपटारा या उसे ले जाने के लिए अतिरिक्त राशि का भुगतान नहीं किया जाएगा।

## अतिरिक्त शर्तें

1. सरचनात्मक एवं वास्तु संबंधी आरेखों में कोई भी कार्य करने से पहले हमेशा उचित रूप से सह-सम्बन्ध स्थापित किया जाएगा। तथापि, निम्नलिखित के अलावा अन्य प्रावधानों की अनुसूची में दी गई शर्तों में एवं उचित मद के आरेखन में किसी भी प्रकार की विरलक्षि होने पर पहले वाला प्रमाणी होगा जब तक कि इंजीनियर द्वारा लिखित रूप से न दिया जाएगा।
2. निर्माण-कार्य निष्पादन के समय वर्षा, हिमपात, बर्फ या अन्य किसी प्राकृतिक कारण से हुए नुकसान के लिए सविदाकार को कोई मुआवजा नहीं किया जाएगा। निर्माण कार्य की हानि को क्षतिपूर्ति सविदाकार अपने खर्च से करेगा और इसके लिए किसी भी प्रकार के दावों पर विचार नहीं किया जाएगा।
3. प्रयोग की जाने वाली सभी सामग्री विनिर्देशों के अनुसार और आइ एन आई मार्क जहां जो लागू हों, के अनुसार होगा। दी गई आइ एन आई मार्क का संकेत नवीनतम की आइ एन आई कोड से है जिसे निचिया खोलने की शर्तों में पहले 30 दिन तक भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित किया गया है।
4. सविदाकार प्रमुख विनिर्देशों और/या इंजीनियर द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार संपूर्ण आधिष्ठानतः (अधिष्ठानतः) का कार्य—निष्पादन परीक्षण करेगा तथा परीक्षण प्रमाण-पत्र भी प्रस्तुत करेगा जैसा कि म्यूनिसिपल/इंजीनियरिंग प्राधिकरण या अन्य किसी प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित है। दिए गए मुद्दक के अलावा ऐसे प्राधिकारियों को उस कार्य के लिए कुछ भी अतिरिक्त राशि देय नहीं होगी जिसकी रकम प्रस्तुत करने पर प्रतिपूर्ति की जाएगी।

प्रतिभूत - आधार के लिए करार

यह करार एक पक्षकार के रूप में ..... जिसे इसमें आगे संविदाकार कहा गया है, और इसके अंतर्गत उसके कारिरा, निर्माणक, प्रशासक और अनुमत समनुदेशिनी भी हैं, जब तक कि संघर्ष से ऐसा स्वीकार किया गया हो या उपासक गया हो और दूसरे पक्षकार के रूप में वैधानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली जो सहायक संविदाकार के रूप में ..... के अधीन एक संविदाकार संसाधन है, जिसे इसमें आगे नियोजता कहा गया है तथा इसके अंतर्गत सहायक संविदाकार, समनुदेशिनी और प्राधिकृत भी हैं, के बीच आज तारीख ..... को किया गया है।

तारीख ..... के करार (जिसे इसमें आगे उक्त करार कहा गया है) द्वारा संविदाकार सहमत हो गया है तथा संविदाकार ने नियोजता को यह आवेदन किया है कि वह उसे निर्माण स्थल पर पूर्ण रूप से उसके संबंधित तथा उसके द्वारा लाई गई सामग्रियों की प्रतिभूति के आधार पर उक्त करार के अनुसार इस प्रकार के निर्माण कार्य के लिए उधार की अनुमति दे जैसाकि उक्त पूर्ण कार्य) इसमें सामग्री तथा उन की लागत और अन्य प्रकार की शामिल है) के लिए निवृत्त वर्ग पर विभाजित करने का प्रयत्न किया है और नियोजता संविदाकार को सामग्रियों की प्रतिभूति के आधार पर (उपरोक्त ..... ) उधार देने के लिए सहमत हो गया है, सामग्री की मात्रा व अन्य विवरण तारीख ..... को संविदाकार द्वारा प्रस्तावित उक्त निर्माण-कार्य के चालू लेखा विल से संलग्न प्रतिभूत उधार के लेखा में दिए गए हैं और नियोजता को निर्माण-स्थल पर संविदाकार द्वारा लाई गई अन्य सामग्रियों की प्रतिभूति के आधार पर आगे कोई अन्य उधार को देने का है। यह करार इस बात का साक्ष्य है कि उक्त करार के अनुसार तथा उन शिष्टियों के निष्पन्न तक जबवा उसके पहले नियोजता द्वारा संविदाकार को की गई उपरोक्त ..... की राशि (जिसकी राशि संविदाकार पत्रद्वारा प्राप्त करता है) के प्रतिफलसंग और इस प्रकार आगे उधार दी गई राशि (यदि कोई है) वैसाकि ऊपर उल्लिखित है, संविदाकार पत्रद्वारा प्रस्तुत करता है तथा नियोजता से सहमत है और निम्नलिखित प्रकार से प्रोत्साहित करता है:

1. उधर दिए अनुसार नियोजता द्वारा संविदाकार को उधार दी गई ..... राशि तथा उधार दी गई सभी या अन्य कोई राशि या राशियों, को संविदाकार उक्त निर्माण-कार्य का निष्पादन शीघ्रता से करने के लिए काम में जाएगा न कि इसका प्रयोग किसी अन्य उद्देश्य, जो भी हो, के लिए करेगा।
2. प्रतिभूत उधार के उक्त लेखा में दी गई सामग्री जिसके संबंध में प्रस्तान किया गया है और प्रतिभूति के रूप में नियोजता द्वारा स्वीकार की गई है, पूर्ण रूप से संविदाकार की अपनी संपत्ति है तथा सभी प्रकार से भारमुक्त है और संविदाकार उस सामग्री की प्रतिभूति के आधार पर आगे उधार प्राप्त करने के लिए कोई आवेदन करेगा जो पूर्ण रूप से उसकी अपनी संपत्ति नहीं है व सभी संविदाकार उस सामग्री के संबंध में नियोजता को सारे बाकी की राशि को प्रतिभूति करेगा, जिसके लिए उपर्युक्तपुस्तक उधे उधार दिया गया है।
3. प्रतिभूत उधार के उक्त लेखा में दी गई सामग्री तथा वह सभी सामग्री जिसकी प्रतिभूति आधार पर आगे उधार दिया जाएगा (जैसाकि ऊपर उल्लेख किया गया है) जिसे इसके बाद उक्त सामग्री कहा जाएगा का प्रयोग केवल संविदाकार द्वारा इन्जीनियर के निर्देशों तथा उक्त करार की शर्तों के अनुसार उक्त निर्माण-कार्य के निष्पादन के लिए किया जाएगा।
4. संविदाकार उक्त सामग्रियों के सभी जोड़ियों के संबंध में उचित निगरानी और सुरक्षा काभिरता करेगा और सुरक्षा के लिए अपने कर्म पर सभी आवश्यक तथा पर्याप्त व्ययकराए करेगा तथा जब तक कि उक्त सामग्री का उपर्युक्त निर्माण कार्य में उपयोग नहीं हो जाता तब तक उक्त सामग्री संविदाकार की अभिरक्षा में तथा उसके अपने प्रशासकित में उक्त निर्माण-स्थल पर रहेगी तथा किसी भी समय नियोजता या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी के निरीक्षण के लिए सुलभ रहेगी। उक्त सामग्री या उसके किसी भाग की चोरी हो जाने, हस्तगत हो जाने या सतिप्रदा हो जाने या खरीद प्रत्या में खराब हो जाने पर उसके रूप के लिए संविदाकार

उसी गुणता को दूसरी सामग्री से उसे अविलम्ब बदल देना या उसके बराबर करवा और उसको वही स्थिति में लाना जैसाकि इंजीनियर ने मांग की है।

5. नियोजता या उसकी ओर से उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी की लिखित अनुमति के बिना उक्त सामग्री किसी भी कारण से उक्त निर्माण-स्थल से हटाई नहीं जाएगी।
6. उक्त कारर की शर्तों और उपलब्धियों के अनुसार उक्त निर्माण-कार्य के लिए संविदाकार को देय कीमत नियोजता से प्राप्त करने से पूर्व उधार की राशि पूर्ण रूप से प्रतिसंदेय होगी तथापि यदि किए गए निर्माण-कार्य के बारे में संविदाकार को कोई अंतःकालीन संदेय किया जाता है तब प्रत्येक ऐसे संदाय पर नियोजता को ऐसे संदाय के लिए संविदाकार के बिल से बमुंबी करने का अधिकार होगा। यह बमुंबी संविदाकार के बिल से उक्त सामग्री के मूल्य को कटौती करके की जाएगी, जिसे वास्तव में निर्माण कार्य में प्रयोग में लाया गया है और जिसके संबंध में पहले बमुंबी नहीं की गई है। इस प्रयोजनार्थ मूल्य निर्धारण प्रत्येक सामग्री के संबंध में पहले बमुंबी नहीं की गई है। इस प्रयोजनार्थ मूल्य निर्धारण प्रत्येक सामग्री के संबंध में उन दरों पर किया जाएगा, जिन पर इन विलोचों के अंतर्गत उधार की राशि की गणना की गई।
7. यदि संविदाकार किसी समय उक्त कारर या विलोच के उपबंध की किसी शर्त के पालन या निष्पादन में कोई चूक करता है तो वह उधार की कुल धनराशि जो नियोजता के पास है, ऐसी चूक होने के तुरन्त बाद नियोजता से उली लौटने से 12 प्रतिशत वार्षिक व्याज के साथ उधार की तारीख से वापस लौटाने की तारीख तक वापस लौटाएगा और इतने समस्त लागत प्रचार, बटि और नियोजता द्वारा किए गए व्यय या उसकी बमुंबी के लिए या उस प्रतिभूति के प्रवर्तन अथवा संविदाकार की चूक के कारण किए गए व्यय भी शामिल है। संविदाकार एतद्वारा प्रसविदा करता है तथा तदनुसार उधार की राशि लौटाने के लिए नियोजता से कातर करता है।
8. राशियों की राशि और जैसाकि ऊपर बताया गया है उधार भी गई राशि या राशियों और इस विलोच के अंतर्गत देय समस्त लागत प्रचार, बटि और चर्च की राशि नियोजता को लौटाने के साथ वह समस्त सामग्री का मूल्य से लौटा है। मनुष्य एतद्वारा यह बहुरि प्रतिभूति प्रदान की जाती है और घोषणा की जाती है कि उक्त कारर में किसी भी बात के बावजूद और उद्योग किए गए अधिकारों पर प्रतिबन्ध प्रभाव डाले बिना जब कभी सुव्यवस्था और प्रतिबंधों के लिए प्रसविदा किया जाए तो उसे मान्य किया जाएगा और देय राशि का पुनर्दान नहीं किया जाएगा। नियोजता इसके परवाह किसी भी अन्य लिखित प्रक्रियाओं में से किसी एक या इनके जैसा कि उक्त बमुंबी अपना सकता है:-
  - (क) उक्त कारर में इस निर्मित किए गए उपलब्धियों के अनुसार संविदाकार की ओर से उक्त निर्माण कार्य को पूर्ण करने में उक्त सामग्री या उसके किसी भाग का अधिग्रहण करता और ऐसे उपयोग में लाता तथा इस प्रकार के निर्माण-कार्य को पूर्ण करने में प्रभावी वास्तविक लागत संविदाकार के लक्ष्य में लिखना और इस विलोच के अंतर्गत उधार की राशि के संबंध में देय राशि बचाता और किए गए निर्माण कार्य की लागत के संबंध में संविदाकार को यह वेध प्रदान करता कि उक्त उक्त कारर के अनुसार प्रत्येक मूल्य पर निर्माण-कार्य किया है। यदि संविदाकार का तारक कोई बमुंबी प्रतिभूति है तो वह उसे नियोजता को उधकी भांति वापस कर देगा।
  - (ख) अनिश्चित राशियों या उसके किसी भाग को सर्जनिक नीतियों द्वारा हटाना या उसे बमुंबी और उधकी किसी से प्राप्त राशि को नियोजता को लौटाए जाने के लिए इस विलोच के अंतर्गत रोक रकना (प्रतिधारित करता) और अधिभोग (अर्थात्) को पुनर्दान संविदाकार को करता।
  - (ग) प्रतिभूति या राशि में से समस्त राशि या उसके किसी भाग या उक्त कारर के अंतर्गत संविदाकार को देय राशि को कटौती करना।
9. संविदाकार की ओर से हुई इन चूकों के अलावा जैसाकि ऊपर कहा गया उक्त उधार की राशि पर व्याज की राशि देय नहीं होगी।

इसके साक्ष्यस्वरूप \_\_\_\_\_ और \_\_\_\_\_ से नियोजता के आदेश व निर्देशानुसार ऊपर लिखी तारीख और चर्च में अपने अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

जिसे हमने

हस्ताक्षर.....

नाम.....

पता.....

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए, सीहर लगाई और परिवार किया  
नियोजता के आदेश व निर्देशानुसार

व्यक्ति.....

नाम.....

पता.....

की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए

संशोधन- निर्माण कार्य सविदा की शर्तें

क्रमांक	पृष्ठ	पैरा	संशोधन
1	2	1(क)	संशोधन 6 के स्थान पर 12 करें
2	5	1(ख)	कार्य के बाद नया 34 पैरा निम्नानुसार जोड़ें : नियोजक का अर्थ होगा महानिदेशक, सीएसआईआर अथवा इस कार्य हेतु महानिदेशक द्वारा पश्चिमी कोई अधिकारी
3	6	पैरा 3 के बाद	पैरा 3 के बाद नया पैरा एक जोड़ें :- "निविदा की पर्याप्तता" वह माना जाएगा कि निविदा करने से पूर्व निर्माण कार्य और भूदा की अनुसूची में उद्धृत दर एवं मूल्य के लिए निविदा की शुद्धता और पर्याप्तता के संबंध में सविदाकार संतुष्ट है जबकि इन दरों एवं मूल्य में, अन्यथा उल्लेख नहीं किए जाने के अलावा, सविदा के अन्तर्गत सविदाकार के तत्की दायित्व और निर्माण कार्य को ठीक प्रकार से पूरा करने और उसके रख-रखाव के लिए आवश्यक सभी सामग्री एवं वस्तुएं सम्मिलित होंगी।
4	8	6	उप पैरा (ज) जोड़ें :- खुले बाजार में अनुमोदित क्वालिटी के सीमेंट और स्टील की सहज उपलब्धता होने पर इन भूदा को सविदाकार की आपूर्ति बनाना नियोजक का स्वतंत्र निर्णय होगा।
5	8	8(a)	जोड़ें "संलग्नक ग में संशोधित"
6	9	10	उप पैरा 10 (क) जोड़ें :- "अंतर सीमा" निर्माण कार्य 30% रख-रखाव/आवस्थिक कार्य 50% स्थापना कार्य 100% सेवा कार्य 30%
7	9	11(b) प्रथम पंक्ति पंचम पंक्ति सप्तम पंक्ति	संशोधन कर के इस प्रकार करें यदि लेखा परीक्षा/संशोधन के आधार पर इंजीनियर अथवा नियोजक को ऐसा लगता है कि जोड़ें की कार्य निष्पादित किया गया है 6 के स्थान पर 12 (संशोधित) करें 8 के स्थान पर 12 (संशोधित) करें
8	12	19	जोड़ें :- "जब तक प्रारंभ करने से पहले सविदाकार कंटेनर सेंबर एक्ट 1970 और कंटेनर सेंबर रेग्युलेशन 1971 के अधीन एक पैरा सहयोग प्राप्त करना जो कि कार्य के समाप्त तक वैध होना चाहिए।"
9	18	20(घ)	जोड़ें :- तथापि सविदाकार को आपूर्ति का अधिकारी से देय अथवा इसके अन्तर्गत ज होने संबंधी विधिक विचारों के बाद ही की जाएगी
10	17	25	उप पैरा (क) जोड़ें "निर्माता स्वतंत्र निर्णय से विवेक पूर्वक जैसे लिफ्ट एवं इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल इंस्ट्रुमेंटेशन इत्यादि के मामले में, जहां मूल्य निम्नता विविध निर्माण कार्य के तुलना नहीं है, मूल्यवृद्धि हेतु आईईएमए (इंडियन इंस्ट्रुमेंटेशन मैनुयुअल/आईईएमए) क्लॉज की अनुमति दे सकता है।"







			<p>(ii) निविदा की लागत 37,000 रुपये से अधिक और 75,000 रु से कम होने पर इतिहास अनुसार एक दिवसीय प्रस्ताव जितने कम से कम 3 घंटे का अनुभव हो</p> <p>(iii) यदि निविदा लागत 75,000 रु अधिक और 37,000 रु से कम होने पर एक दिवसीय प्रस्ताव सुपरवाइजर जितने कम से कम तीन घंटे का अनुभव हो।</p> <p>(iv) यदि इतिहास अनुसार प्रस्ताव को नियुक्त नहीं कर पता है तो एक दिन के लिए अधिक राशि का अनुमान करना होगा जो प्रायः एक लिफ्टिंग राशि से अधिक नहीं होगी। यह अनुमान सुपरवाइजर के आधार पर सुपरवाइजर द्वारा समय-समय पर किए गए संशोधन के अंगीकृत होगा।</p> <p>(v) प्रमुख इन्जीनियर को नियुक्त किए जाने के मामले में रु 30,000</p> <p>(vi) सहायक इन्जीनियर को नियुक्त किए जाने की आवश्यकता होने के मामले में रु 15,000</p> <p>(vii) तमिऴनी की सुपरवाइजर नियुक्त किए जाने की आवश्यकता के मामले में रु 7500</p>
16	16	अनुसूची 2B पैरा (ii)	<p>कार्य की शुरुआत किए गए प्रस्ताव को ही अनुमान किया जाएगा इसकी प्रणाली को अनुभव प्राप्त होने के अनुसार कार्य की शुरुआत के 80% के अनुसार और इस राशि से निरंतरता द्वारा अनुसूची की अनुसंधान की शुरुआत</p> <p>यदि कोई गैर-सहज को निरंतरता नहीं के अनुसार की जाएगी।</p>



संशोधन - निर्माण कार्य संविदा की शर्तें

क्रमांक	पृष्ठ	पैरा	संशोधन
1	7	5 (क)	<p>संविदाकार द्वारा कोट की गई दरों में बिक्रीकर/वैट (सेवा कर छोड़कर) क्रय कर , कुल बिक्री कर, इयूटी, चुगी, मार्ग कर, रॉयल्टी और इन्स के से संबंधित अन्य सभी कर शामिल होंगे और नियोक्ता इस संबंध में किया गया किसी प्रकार का दावा स्वीकार नहीं करेगा। तथापि , सेवा कर के मामले में, संबंधित विभाग द्वारा मांगने पर ठेकेदार द्वारा इसका भुगतान किया जाएगा और जो वास्तव में और सत्यता से ठेकेदार द्वारा इसके भुगतान की संतुष्टि के बाद विभाग द्वारा इसकी प्रतिपूर्ति की जाएगी। उचित और उपयुक्तद सेवा कर की प्रतिपूर्ति प्राथमिकता से 7 दिनों के अंदर की जाएगी , लेकिन भुगतान के दस्तावेजी साक्ष्य को प्रस्तुत करने के 30 दिनों के बाद नहीं , बशर्ते वे यथाक्रम हों। निविदत दरों में संबद्ध कानून के अन्तर्गत देय सभी टैक्सद और लेवी शामिल हैं। तथापिसंविधान अधिनियम (46वाँ संविधान) 1982 के अनुसार यदि कानूनी तौर पर कोई अन्यी कर या लेवी टैंडर प्राप्त करने की तारीख के बाद लगाई जाती है और संविदाकार अनिवार्य और उचित रूप से कर/ लेवी की अदायगी करता है तो संविदाकार को अदायगी का प्रमाण प्रस्तुत करने पर राशि की नियमानुसार प्रतिपूर्ति कर दी जाएगी बशर्ते कि नियोक्ता की राय में इस प्रकार के भुगतान से यदि कोई हो, (जिसका निर्णय अंतिम एवं मान्यत होगा) संविदाकार के नियंत्रण में कार्य के निष्पादन में कोई विलम्ब न हो।</p>

**करार की शर्तें**

यह करार की शर्तें एक पत्रकार के रूप में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1850 के अधीन एक पंजीकृत सोसायटी है, (जिसे इसमें आगे "नियोक्ता" कहा गया है और इसके अंतर्गत इसके उत्तरदाता और समन्वयिका और सोसायटी के प्राधिकृत अधिकारी भी हैं) और नाम (जिसे इसमें आगे "संबिदाकार" कहा गया है और अभिप्रेत है तथा इसके अंतर्गत उसके/उनके आरिथ निष्पादक प्रशासक तथा अनुयाय समन्वयिका हैं) के बीच आज तारीख..... की निर्धारित की गयी।

**नियोक्ता** कार्य करने और उसके लिए इच्छा मात्रा अनुसूची तथा किए जाने वाले निर्माण कार्य संबंधी विनिर्देशों को तैयार करवाना चाहता है। और उक्त विनिर्देशों एवं मात्रा अनुसूची तथा अन्य दस्तावेजों पर पत्रकारों द्वारा और उनकी ओर से हस्ताक्षर किए गए हैं।

इसके पत्रकारों द्वारा और उनके बीच निम्नलिखित करार किया जाता है और घोषणा की जाती है कि:

1. संबिदाकारों को किए जाने वाले गुणमान के संबंध में संबिदाकारों को यहां इसमें आगे उल्लेखित शर्तों के अधीन एवं अनुसार सतत मात्रा अनुसूची में विनिर्दिष्ट दरों पर उपलब्ध कराए गए साधन से विनिर्देशों किनाइन, इच्छा एवं लिखित अनुदेशों के अनुसार निर्माण कार्य करना होगा। निर्माण कार्य पूरा करने की अवधि..... होगी और यह अवधि कार्य सौंपने संबंधी पत्र जारी किए जाने के दसवें दिन से आरंभ मानी जाएगी।
2. नियोक्ता उक्त शर्तों में विनिर्दिष्ट तरीके से संबिदाकारों को समय-समय पर देय होने वाली राशि का गुणमान करेगा।
3. इस करार में करार संबंधी शर्तों के अलावा निम्नलिखित प्रलेख भी हैं:
  - i) संधिवा की सामान्य शर्तें पृ.....
  - ii) विशेष शर्तें पृ. सं. ....
  - iii) अतिरिक्त शर्तें पृ. सं. ....
  - iv) प्रतिफल उधार के लिए करार पृ. सं. ....
  - v) एवं के निर्माक ..... के पत्र के आवरण पत्र के साथ गुण निविदा प्रलेख
  - vi)
  - vii)
  - viii) इसके अलावा स्वयं संबंधित पक्षों ने ऊपर उल्लेखित दिन और वर्ष को निम्नलिखित संधियों के अन्वय हस्ताक्षर किए:

**नियोक्ता:**

(1) \_\_\_\_\_

(2) \_\_\_\_\_

की उपस्थिति में \_\_\_\_\_ के लिए और उसकी ओर से हस्ताक्षर किए।

**संबिदाकार** \_\_\_\_\_

उक्त संबिदाकार ने (1) (2) की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

**\*\*\* SPECIAL CONDITIONS \*\*\***

1. These special conditions are meant to amplify the general specifications and general conditions of contract.
2. Work shall be done as per CPWD specification.

In case of any discrepancy the order of precedences in interpretation shall be as under.

- (i) Schedule of quantities.
- (ii) General Conditions of contract.
- (iii) Special Conditions, Additional Conditions & Additional Specifications.
- (iv) Specialist's work, the specification of which are attached.
- (v) Additional Specifications for Electrical works - conduit laying, boxes etc.
- (vi) CPWD latest civil and Electrical works specifications.
- (vii) I.S. Codes.
- (viii) International codes.
- (ix) Best Engineering practice.

**3. STEEL**

- (i) Steel to be issued as stated elsewhere in the contract shall be for reinforcement bars for RCC work. For all other items of steel work the contractor shall procure the same.
- (ii) Reinforcement bars for RCC work will be issued in available coils and straight lengths. No claim for straightening the bars whatsoever shall be entertained.
- (iii) Issue of steel of diameters above 10 mm dia will be regulated on sectional weight basis, weight being calculated with the help of the standard sectional weights as given in the CPWD latest specifications for conversion of length to weight. However, for bars upto and including 10 mm dia the following procedure shall be adopted. The average sectional weight for each diameter shall be arrived at from samples from each lot of steel received at site. The actual weight of steel issued shall be modified to take into account the variations between the actual and the standard co-efficient and the contractor's account will be debited by the cost of this modified quantity only.
- (iv) For theoretical consumption of steel reinforcement bars will be balanced diameterwise for the purpose of penal recovery as envisaged in the contract.

**4. CEMENT**

Cement to be issued as stated elsewhere in the contract shall be only for site work. For factory made products such as Pre-cast tiles, hollow concrete blocks, RCC pipes etc. cement shall not be issued.

5. Unless otherwise provided in the schedule of quantities the rates tendered by the contractor shall apply for all heights, lifts, loads and depths of the work and nothing extra shall be payable on this account.
6. The surplus excavated earth which is beyond the requirement of the Employer's work may be allowed by the Employer to be disposed off by the contractor on his own or sell the surplus excavated earth to private parties at his discretion but nothing extra will be paid for the carriage or disposal of surplus earth if the same is not required on any other work of the Employer.

**\*\*\* ADDITIONAL CONDITIONS \*\*\***

1. The structural and architectural drawings, shall at all times be properly correlated before executing any work. However, in case of any discrepancy in the item given in the schedule of quantities appended with the tender and drawings relating to the relevant item the former shall prevail unless and otherwise given in writing by the Engineer.
2. No payment shall be made to the contractor for any damage caused by rain, snowfall, floods or any other natural cause whatsoever during the execution of work. The damage to be made good by the contractor at his own cost, and no claim on this account shall be entertained.
3. All materials used shall be as per specifications and ISI marked wherever applicable. ISI marking referred relate to latest BIS code as published by Bureau of Indian Standards upto 30 days before the date of opening the tender.
4. The contractor shall give a performance test of the entire installation(s) as per standard specifications and as directed by the Engineer and will also submit. Test certificates as required by Municipal/Electrical authority or any other authority. Nothing extra shall be payable for the same other than the fees paid to such authorities which shall be reimbursed on production of receipts.







13.	18	Add para 31	Add para 31 as <b>PERFORMANCE GUARANTEES</b> "Performance Guarantee may be taken from the contractor before the award of work, by the officer authorized to award the contract, if and where considered necessary, to ensure that a part or whole of the contract is completed by the contractor. In case of non-performance, this guarantee could be encashed.
14	19	2	Modify as "In case of any discrepancy, the order of precedence in interpretation shall be as under:- (i) Schedule of quantities (ii) Drawings (iii) Additional conditions (iv) General conditions of contract (v) Special condition (vi) Additional Technical Specifications (vii) CPWD Latest Civil and Electrical specifications (viii) IS codes (ix) International codes (x) Best Engineering practice
15	24		Add Annexure III as below: <b>Contractor's Site Superintendence</b> Staff to be employed by contractor on works. The contractor shall employ the following technical staff during execution of works :- (a) For building and road works (i) One Graduate Engineer, when the tendered cost of work exceeds Rs 10 lakhs. (ii) One qualified Diploma holder (overseer) with experience not less than 3 years when the tendered cost of work exceeds Rs 5 lakhs but is less than Rs 10 lakhs. (iii) One qualified Diploma holder when tendered cost of work is more than Rs.2 lakhs but less than Rs. 5 lakhs. (b) For sanitary and water supply works one qualified diploma holder with experience of not less than 5 years, out of which one year should be in sanitary and water supply works when the tendered cost of work is more than Rs 50,000/-. (c) For electrical works (i) One qualified Graduate Engineer possessing Degree in Electrical Engineering from recognized university with an experience of not less than 3 years or a Diploma holder in Electrical Engineering with an experience of not less than 7 years when the tendered cost of the work is not less than Rs 1.5 lakhs. (ii) One Graduate Electrical Engineer with two years experience or a Diploma holder in Electrical Engineering with experience of not

			<p>less than 3 years, when the tendered cost of the work is more than Rs 75,000 but less than Rs 1.5 lakhs.</p> <p>(iii) One Diploma holder in Electrical Engineering with experience of not less than 3 years when tendered cost of work is more than Rs 37,000 but less than Rs 75,000.</p> <p>(iv) One licensed Supervisor with experience of not less than 3 years when the tendered cost of work is more than Rs 7,500 and less than Rs 37,000.</p> <p>(d) In case the contractor fails to employ the technical staff as aforesaid, he shall be liable to pay reasonable amount not exceeding the amount shown below for each month of default. These recoveries are subject to modifications from the time by CSIR based on CPWD.</p> <p>(i) In case when a Graduate Engineer is to be employed Rs 3,000/-.</p> <p>(ii) In case when a qualified Diploma holder is required to be employed Rs 1,500.</p> <p>(iii) In case when a technical supervisor is required to be employed, Rs 750.</p>
10	10	Clause 20 Para (ii)	<p>"The cost of work on which escalation will be payable shall be reckoned as 8% of the cost of the work as per the bills, running or final, and from this amount the value of material supplied by the Employer..... any items at prevailing market rates".</p>

	AMMENDMENT OF CONTRACT FOR WORKS IN CSIR	AMENDED PROVISION
1	Page 2 PARA 17(C) Security deposit shall be deducted from the running bills at 10% of the gross value of work done and measured inclusive of Earnest Money subject to a maximum of Rs 5.00 Lakhs ( Rupees five lakhs only).	A sum @ 10% of the gross amount of the bill shall be deducted from each running bill of the contractor till the sum along with the sum already deposited as earnest money will amount to security deposit of 5% of the tendered value of the work. In addition, the contractor shall be required to deposit an amount equal to 5% of the tendered value of the contract as Performance Security within the period for commencement of work in the letter of award issued to him.
2	Page 15 Ppara- 26 (a) Security deposit: The contractor shall permit the Employer at the time of making any payment to him for the work done and measured to deduct sum at the rate of 10% of the gross value of work done in each running bill alongwith the earnest money if any, as already deposited by the contractor will amount to 10% of the estimated cost or Rs 5.0 lakhs whichever is less, unless full amount of security deposit in cash or in the form of fixed deposit receipts pledged in favour of the Employer has been deposited.	As per 1 above.
3	Page 16 para 28(a) Escalation: If the prices of materials not being supplied by the Employer and/ or wages of labour required for execution of the work increase, the contractor shall be compensated for such increase as per provisions detailed below and the amount of the contractor shall accordingly be varied, subject to the condition that compensation for escalation in prices shall be available only for the work done during the stipulated period of the contract including such period for which the contract is validly extended under the provisions of Clause 22 of the General Condition of Contract without levy of compensation under clause 20 of General Condition of Contract and, also subject to the condition that no such compensation shall be payable for a work for which the stipulated period of completion is six months or less. Such compensation for escalation in the prices of materials and labour, when due, shall be worked out based on the provision.	Escalation: If the prices of materials not being supplied by the Employer and/ or wages of labour required for execution of the work increase, the contractor shall be compensated for such increase as per provisions detailed below and the amount of the contractor shall accordingly be varied, subject to the condition that compensation for escalation in prices shall be available only for the work done during the stipulated period of the contract including such period for which the contract is validly extended under the provisions of Clause 22 of the General Condition of Contract without levy of compensation under clause 20 of General Condition of Contract and also subject to the condition that no such compensation shall be payable for a work for which the stipulated period of completion is eighteen months or less. Such compensation for escalation in the prices of materials and labour when due shall be worked out based on the provision.

Further the earnest money deposit will be 2% of the estimated cost of work for works costing upto Rs 25 crores and Rs 50 lacs and 1% of the excess of the estimated cost over Rs 25 crore instead of 2.5% of the estimated cost with a maximum limit of Rs 1.00 lacs only being sought presently.

## INDENTURE FOR SECURED ADVANCE

This indenture made the \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 199\_ between \_\_\_\_\_ (hereinafter called the contractor which expression shall where the context so admits or implies be deemed to include his heirs, executors, administrators and permitted assignees) of the one part and Council of Scientific & Industrial Research, New Delhi, a Society registered under the Societies Registration Act 1860 (hereinafter called the Employer which expression shall include its successors and assignees and authorised officers of the Society) of the other part.

WHEREAS by an agreement dated \_\_\_\_\_ (hereinafter called the said agreement) the contractor has agreed AND WHEREAS the contractor has applied to the Employer that he may be allowed advances on the security of materials absolutely belonging to him and brought by him to the site of the works the subject of the said agreement for use in the construction of such of the works as he has undertaken to execute at rates fixed for the finished work (inclusive of the cost of materials and labour and other charges) AND WHEREAS the Employer has agreed to advance to the contractor the sum of Rs. \_\_\_\_\_ (Rupees \_\_\_\_\_) on the security of materials the quantities and other particulars of which are detailed in accounts of secured advances attached to the running account Bill for the said works signed by the contractor on \_\_\_\_\_ and the Employer has reserved to himself the option of making any further advance or advances on the security of other materials brought by the contractor to the site of the said works. Now THIS INDENTURE WITNESSETH that in pursuance of the said agreement and in consideration of the sum of Rs. \_\_\_\_\_ on or before the execution of these presents paid to the contractor by the Employer (the receipt whereof the contractor doth hereby acknowledge) and of such further advances (if any) as may be made to him as aforesaid the contractor doth hereby covenant and agree with the Employer and declare as follows:-

1. That the said sum of Rs. \_\_\_\_\_ advanced by the Employer to the contractor as aforesaid and all or any further sum or sums advanced as aforesaid shall be employed by the contractor in or towards expediting the execution of the said works and for no other purpose whatsoever.
2. That the materials detailed in the said account of secured advance which have been offered to and accepted by the Employer as security are absolutely the contractor's own property and free from encumbrances of any kind and the contractor will not make any application for or receive a further advance on the security of materials which are not absolutely his own property and free from encumbrances of any kind and the contractor indemnifies the Employer against all claims to any materials in respect of which an advance has been made to him as aforesaid.
3. That the materials detailed in the said account of secured advances and all other materials on the security of which any further advance or advances may hereafter be made as aforesaid (hereinafter called the said materials) shall be used by the contractor solely in the execution of the said works in accordance with the directions of the Engineer and in the term of the said agreement.
4. That the contractor shall make at his own cost all necessary and adequate arrangements for the proper watch, safe custody and protections against all risks of the said materials and that until used in construction as aforesaid the said materials shall remain at the site of the said works in the contractor's custody and on his own responsibility and shall at all times be open to inspection by the Employer or any officer authorised by him. In the event of the said materials or any part thereof being stolen, destroyed or damaged or becoming deteriorated in a greater degree than is due to reasonable use and wear thereof the contractor will forthwith replace the same with other materials of like quality or repair and make good the same as required by the Engineer.
5. That the said materials shall not on any account be removed from the site of the said works except with the written permission of the Employer or any officer authorised by him on that behalf.
6. That the advances shall be repayable in full when or before the contractor receives payments from the Employer of the price payable to him for the said works under the terms and provisions of the said agreement. However if any intermediate payments are made to the contractor on account of work done then on the occasion of each such payment the Employer will be at liberty to make a recovery from the contractor's bill for such payment by deducting therefrom the value of the said materials then actually used in the construction and in respect of which recovery has not been made previously, the value for this

purpose being determined in respect of each description of materials at the rates at which the amounts of the advances made under these presents were calculated.

7. That if the contractor shall at any time make any default in the performance or observance in any respect of any of the terms of provisions of the said agreement or of these presents the total amount of the advances or advances that may still be owing to the Employer shall immediately on the happening of such default be repayable by the contractor to the Employer together with interest thereon at twelve per cent per annum from the date or respective dates of such advance or advances to the date of repayment and with all costs charges, damages and expenses incurred by the Employer in or for the recovery thereof or the enforcement of this security or otherwise by reason of the default of the contractor and the contractor hereby covenants and agrees with the Employer to repay and pay the same respectively to him accordingly.
8. That the contractor hereby charges all the said materials with the repayment to the Employer of the said sum of Rs. \_\_\_\_\_ and any further sum or sums advanced as aforesaid and all costs charges, damages and expenses payable under these presents PROVIDED ALWAYS and it is hereby agreed and declared that notwithstanding anything in the said agreement and without prejudice to the powers contained therein if and whenever the covenant for payment and repayment herein before contained shall become enforceable and the money owing shall not be paid in accordance therewith the Employer may at any time thereafter adopt all or any of the following courses as he may deem best:-
- (a) Seize and utilise the said materials or any part thereof in the completion of the said works on behalf of the contractor in accordance with the provisions in that behalf contained in the said agreement debiting the contractor with the actual cost of effecting such completion and amount due in respect of advances under these presents and crediting the contractor with the value of work done as if he had carried it out in accordance with the said agreement and at the rates thereby provided. If the balance is against the contractor he is to pay same to the Employer on demand.
  - (b) Removed and sell by public auction the seized materials or any part thereof and out of the moneys arising from the sale retain all the sums aforesaid repayable or payable to the Employer under these presents and pay over the surplus (if any) to the contractor.
  - (c) Deduct all or any part of the moneys owing out of the security deposit or any sum due to the contractor under the said agreement.
9. That except in the event of such default on the part of the contractor as aforesaid interest on the said advance shall not be payable.

In witness whereof the said \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_ by the order and under the direction of the Employer have hereunto set their respective hands the day and year first above written.

Signed sealed and delivered

by the said contractor : \_\_\_\_\_

In the presence of

Signature : \_\_\_\_\_

Name : \_\_\_\_\_

Address : \_\_\_\_\_

Signed by \_\_\_\_\_

by the order and direction

of the Employer : \_\_\_\_\_

In the presence of

Signature : \_\_\_\_\_

Name : \_\_\_\_\_

Address : \_\_\_\_\_

## PERFORMANCE GUARANTEE

To

Council of Scientific & Industrial Research

In consideration of Council of Scientific & Industrial Research (hereinafter) called "The Council" having awarded to M/s \_\_\_\_\_ a contract for \_\_\_\_\_ Company registered under the Companies Act 1936 (hereinafter) called the Contractor, a contract for \_\_\_\_\_ (hereinafter) called the said contract under the terms and conditions of an Agreement dated \_\_\_\_\_ made between the Council and the Contractor hereinafter called the said agreement and Council agreed to accept a Deed of Guarantee as herein provided for Rs. \_\_\_\_\_ (Rupees \_\_\_\_\_ only) from a Scheduled Bank towards due performance of the contract by the Contractor as per the terms and conditions of the contract on the condition that the Bank on demand from the Council and without demur pay to the Council the aforesaid amount.

2. We, \_\_\_\_\_ Bank Ltd., (hereinafter) referred to as the 'bank' do hereby undertake to pay to the Council and amount not exceeding Rs. \_\_\_\_\_ against any loss or damage caused to or suffered or would be caused to or suffered by the Council by reasons of any breach or breaches of any of the terms of conditions of the said agreement by the said contractor.
3. We, \_\_\_\_\_ Bank Ltd., do hereby undertake to pay the amounts due and payable under this Guarantee without any demur, merely on a demand from the Council by stating the amount claimed is due by way of loss or damage caused to or would be caused to or suffered by the Council for reasons of any breach by the said contractor(s) of any of the terms & conditions contained in the said Agreement or by reason of the contractor(s) failure to perform the said Agreement. Any such demand made on the Bank shall be conclusive as regards the amount due and payable by the Bank under this guarantee. However, our liability under this guarantee shall be restricted to an amount not exceeding Rs. \_\_\_\_\_.
4. This guarantee shall come into force immediately and continue in force and remain valid till six months after the completion of all works under the said contract which according to the terms of the said contract, should be six months from the probable date of completion viz., the \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ If, however, the period of the completion of the works under the said contract is for any reason extended and upon such extension if the Contractor fails, before the term of this guarantee expires, to furnish a fresh or renewed guarantee for the extended period, the Bank shall pay to Council the said sum of Rs. \_\_\_\_\_ or such larger sum as Council may demand.
5. This guarantee shall not be affected by any change in the constitution of the Bank or of the Contractor.
6. Notwithstanding anything hereinbefore contained, the liability of the Bank under this guarantee is restricted to Rs. \_\_\_\_\_ (Rupees \_\_\_\_\_ only) and the guarantee shall remain in force till \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ 19\_\_\_\_ unless claim or demand under this guarantee is presented to the Bank within six months from that date all the rights of Council under this guarantee shall be forfeited and the Bank shall be released and discharged from all obligations hereunder.



## CONTRACTOR'S SITE SUPERINTENDENCE

Annexure-I

Staff to be employed by the contractor on works: The contractor shall employ the following technical staff during execution of works:

- (a) For Building and Road works
  - i. One Graduate Engineer, when the tendered cost of work exceeds Rs.10 lakhs.
  - ii. One qualified Diploma holder (Overseer) with experience not less than 3 years when the tendered cost of work exceeds Rs. 5 Lakhs but is less than Rs.10 Lakhs
  - iii. One qualified Diploma holder when tendered cost of work is more than Rs.2 lakhs but less than Rs.5 lakhs
- (b) For Sanitary and Water Supply works one qualified Diploma holder with experience of not less than 5 years, out of which one year should be in sanitary and water supply works when the tendered cost of work is more than Rs. 50,000/-.
- (c) For Electrical works
  - i. One qualified Graduate Engineer possessing Degree in Electrical Engineering from recognized University with an experience of not less than 3 years or a Diploma holder in Electrical Engineering with in experience of not less than 7 years when the tendered cost of the work is not less than Rs.1.5 Lakhs.
  - ii. One Graduate Electrical Engineer with two Years experience or a Diploma holder in Electrical Engineering with experience of not less than 3 years, when the tendered cost of the work is more than Rs.75,000/- but less than Rs.1.5 Lakhs.
  - iii. One Diploma holder in Electrical Engineering with experience of not less than 3 years when tendered cost of work is more than Rs.37,000/- but less than Rs.75,000/-.
  - iv. One licensed Supervisor with experience of not less than 3 years when the tendered cost of work is more than Rs.7,500/- and less than Rs.37,000/-.
- (d) In case the contractor fails to employ the technical staff as aforesaid, he shall be liable to pay reasonable amount not exceeding the amount shown below for each month of default. These recoveries are subject to modifications from time to time by CSIR based on CPWD:
  - i. In case when a Graduate Engineer is to be employed Rs.3000/-.
  - ii. In case when a qualified Diploma holder is required to be employed Rs.1500/-.
  - iii. In case when a technical supervisor is required to be employed Rs.750/-.

**ADDITIONAL CONDITIONS OF CEMENT AND STEEL**

**CONDITIONS FOR CEMENT**

1. The contractor shall procure 33 grade (conforming to IS: 269) or 43 grade (conforming to IS: 8112) ordinary Portland cement, as required in the work, from reputed manufacturers of cement, having a production - capacity of one million tones per annum or more, such as ACC, L&T, JP Rewa, Vikram, Shri Cement, Birla Jute and Cement Corporation of India etc., as approved by Ministry of Industry, Government of India, and holding, license to use ISI certification mark for their product whose name shall be got approved from the Engineer in charge. Supply of cement shall be taken in 50 Kg. Bags bearing manufacturer's name and ISI marking, samples of cement arranged by the contractor shall be taken by the Engineer in charge and got tested in accordance with provisions of relevant BIS codes. In case test results indicate that the cement arranged by the contractor does not conform to the relevant BIS Codes, the same shall stand rejected and shall be removed from the site by the contractor at his own cost within a week's time or written order from the Engineer in charge to do so.
2. The cement shall be brought at site in bulk supply of approximately 50 tones or as decided by the Engineer in charge.
3. The cement godown of the capacity to store a minimum of 2000 bags cement shall be constructed by the contractor at site of work for which no extra payment shall be made. Double lock provisions shall be made to the door of the cement godown. The keys of one lock shall remain with the Engineer in charge or his authorized representative and the key of the other lock shall remain with the contractor. The contractor shall be responsible for the watch and ward and safety of the cement godown. The contractor shall facilitate the inspection of the cement by the Engineer at any time.
4. The contractor shall supply free of charge the cement required for testing. The cost of tests shall be borne by the contractor.
5. The actual issue and consumption of cement on work shall be regulated and proper accounts maintained as provided in Clause 6 of the contract. The theoretical consumption of cement shall be worked out as per procedure prescribed in Clause 6 of the contract and shall be governed by conditions laid therein.
6. Cement brought to site and remaining unused after completion of work shall not be removed from site without written permission of the Engineer in charge.

**CONDITIONS FOR STEEL**

1. The contractor shall procure steel reinforcement bars conforming to relevant BIS codes from main procedures as approved by the Ministry of steel. The contractor shall have to obtain and furnish test certificates to the Engineer in charge in respect of all supplies of steel brought by him to the site of work. Samples shall also be taken and got tested by the Engineer in charge as per the provisions in this regard in relevant BIS codes. In case the test results indicate that the steel arranged by the contractor does not conform to BIS codes, the same shall stand rejected and shall be removed from the site work by the contractor at his cost within a week's time from written orders from the Engineer in charge to do so.

Validate

Print

Help

## Item Rate BoQ

Tender Inviting Authority: &lt;Director, C.S.I.R. - National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, Lucknow.&gt;

Name of Work: &lt;Renovation of a hall and adjacent room to be converted in to the Lab at BRS Banthra Lucknow.&gt;

Contract No: &lt;1/WKS/06/23-GL&gt;

Name of the  
Bidder/ Bidding  
Firm / Company  
:

## PRICE SCHEDULE

(This BOQ template must not be modified/replaced by the bidder and the same should be uploaded after filling the relevant columns, else the bidder is liable to be rejected for this tender. Bidders are allowed to enter the Bidder Name and Values only)

NUMBER #	TEXT #	NUMBER #	TEXT #	NUMBER #	NUMBER #	TEXT #
Sl. No.	Item Description	Quantity	Units	BASIC RATE In Figures To be entered by the Bidder Rs. P	TOTAL AMOUNT in Rs. P	TOTAL AMOUNT In Words
1	2	4	5	7	8	10
1	Demolishing brick work manually/ by mechanical means including stacking of serviceable material and disposal of unserviceable material within 50 metres lead as per direction of Engineer-in-charge. In cement mortar	0.60	Cum		0.00	INR Zero Only
2	Dismantling of existing Mosaic flooring and skirting including removal of unserviceable material up to dumping ground within a lead of 50 mtr. as directed.	7.00	Sqm		0.00	INR Zero Only
3	Chiselling/Tacking of floor at reqd. interval for making rough for proper bonding with of tiling including disposal of rubbish up to dumping ground with in 50m lead as directed.	88.50	Sqm		0.00	INR Zero Only
4	Making chases up to 10.00x10.00 cm in walls including making good and finishing for bearing of slab.	13.50	Mtr		0.00	INR Zero Only
5	Dismantling of existing wooden door shutter including refixing after laying of vitrified tile floor including cutting of door, making in size etc. complete.	4.00	Nos		0.00	INR Zero Only
6	Half brick masonry with common burnt clay F.P.S. (non modular) bricks of class designation 7.5 in superstructure above plinth level up to floor V level.Cement mortar 1:4 (1 cement :4 coarse sand).	15.00	Sqm		0.00	INR Zero Only
7	Centering and shuttering including strutting, propping etc. and removal of form for all heights : Suspended floors, roofs, landings, balconies and access	9.00	Sqm		0.00	INR Zero Only
8	Reinforced cement concrete work in beams, suspended floors, roofs having slope up to 15° landings, balconies, shelves, chajjas, lintels, bands, plain window sills, staircases and spiral stair cases above plinth level up to floor five level, excluding the cost of centering, shuttering, finishing and reinforcement, with 1:1.5:3 (1 cement : 1.5 coarse sand (zone-III) : 3 graded stone aggregate 20 mm nominal size).	0.75	Cum		0.00	INR Zero Only
9	Steel reinforcement for R.C.C. work including straightening, cutting, bending, placing in position and binding all complete upto plinth level. Thermo-Mechanically Treated bars of grade Fe-	74.00	Kg		0.00	INR Zero Only

10	15 mm cement plaster on the rough side of single or half brick wall of mix :1:6 (1 cement: 6 fine sand)	30.00	Sqm		0.00	INR Zero Only
11	Providing and fixing 18 mm thick gang saw cut, mirror polished, premoulded and prepolished, machine cut for kitchen platforms, vanity counters, window sills, facias and similar locations of required size, approved shade, colour and texture laid over 20 mm thick base cement mortar 1:4 (1 cement : 4 coarse sand), joints treated with white cement, mixed with matching pigment, epoxy touch ups, including rubbing, curing, moulding and polishing to edges to give high gloss finish etc. complete at all levels. Granite of any colour and shade Area of slab over 0.50 sqm.	11.50	Sqm		0.00	INR Zero Only
12	Providing and laying vitrified floor tiles in different sizes (thickness to be specified by the manufacturer) with water absorption less than 0.08% and conforming to IS: 15622, of approved make, in all colours and shades, laid on 20mm thick cement mortar 1:4 (1 cement : 4 coarse sand), jointing with grey cement slurry @ 3.3 kg/ sqm including grouting the joints with white cement and matching pigments etc., complete. Size of Tile	88.50	Sqm		0.00	INR Zero Only
13	Deduct for not using 20 mm thick cement mortar 1:4 (1 cement : 4 coarse sand) bedding in laying of floor tiles and jointing with grey cement slurry @ 3.3 kg/	88.50	Sqm		0.00	INR Zero Only
14	Fixing glazed/ Ceramic/ Vitrified floor tiles with cement based high polymer modified quick-set tile adhesive (Water based) conforming to IS: 15477, in average 3mm thickness.	88.50	Sqm		0.00	INR Zero Only
15	Providing and laying Vitrified tiles in different sizes (thickness to be specified by manufacturer), with water absorption less than 0.08 % and conforming to I.S. 15622, of approved make, in all colours & shade, in skirting, riser of steps, over 12 mm thick bed of cement mortar 1:3 (1 cement: 3 coarse sand), jointing with grey cement slurry @ 3.3 kg/ sqm including grouting the joint with white cement & matching pigments etc. complete. Size of Tile 600x600 mm	7.00	Sqm		0.00	INR Zero Only
16	Making connection of G.I. distribution branch with G.I. main of following sizes by providing and fixing tee, including cutting and threading the pipe etc. complete :25 to 40 mm nominal bore.	1.00	Nos		0.00	INR Zero Only
17	Providing and fixing G.I. pipes complete with G.I. fittings including trenching and refilling etc. External work: 15 mm dia nominal bore.	15.00	Mtr		0.00	INR Zero Only
18	Providing and fixing P.V.C. waste pipe for sink or wash basin including P.V.C. waste fittings complete. Semi rigid pipe :Flexible pipe:32 mm dia	3	Nos		0.00	INR Zero Only
19	Providing and fixing uplasticised PVC connection pipe with brass unions :30 cm length 45 cm length. 15 mm nominal bore.	3	Nos		0.00	INR Zero Only
20	Providing and fixing C.P. brass angle valve for basin mixer and geyser points of approved quality conforming to IS:8931: 15mm nominal bore	3	Nos		0.00	INR Zero Only

21	Constructing brick masonry road gully chamber 45x45x77.5 cm with bricks in cement mortar 1:4 (1 cement : 4 coarse sand ) with precast R.C.C. vertical grating complete as per standard design : With common burnt clay F.P.S. (non modular) bricks of class designation 7.5.	1	Nos		0.00	INR Zero Only
22	Providing and fixing white vitreous china laboratory sink with C.I. brackets, C.P. brass chain with rubber plug, 40 mm C.P. brass waste and 40mm C.P. brass trap with necessary C.P. brass unions complete, including painting of fittings and brackets, cutting and making good the wall wherever required : Size 600x450x200 mm.	3	Nos		0.00	INR Zero Only
23	Providing & fixing PVC Nahani trap of self cleaning designer i/c cost of cutting and making good complete.	3	Nos		0.00	INR Zero Only
24	Providing fixing CP brass Swan neck tap (three way) Vijay or eqvt. approved make heavy quality weight not less than 1.6 Kg complete.	3	Nos		0.00	INR Zero Only
25	Providing, laying and jointing of 110mm dia. PVC drainage pipe 6 Kg. pressure (ISI) PRAKASH / KISAN / TIRUPATI or eqvt. make including necessary excavation fitting, jointing, refilling etc. complete.	15	Mtr.		0.00	INR Zero Only
26	Providing and fixing 12mm thick frameless toughened plain glass door shutter of size 1.12x2.10 mtr Modi Gurd/Ashahi/Saint Gobain or eqvt. make complete with all hardware fittings such as patch fitting set (top & bottom, pivot, hydraulic floor spring double action type, door lock) door handle, over panel and Ozone/Dorma/ Cuba or eqvt. make also including making necessary holes , cut-	1	Nos		0.00	INR Zero Only
27	Providing and fixing 100 mm vertical blinds Vista or eqvt. make in approved colour pattern and shade including chord weight, loop chain and installation complete.	25	Sqm		0.00	INR Zero Only
28	Supply, fabrication and installation of wall mounted wooden storage rack of size 2420x600mm and 400mm deep having one horizontal shelves with 19mm commercial board Century/Orchid or eqvt. make finished with laminate 1mm thick Merino/Greenland/Century or eqvt. make on exposed outer surface except back. The back of the rack will be commercial ply 12mm thick Century/Orchid or eqvt. make. The front of the rack will be side hunged openable shutter having teak wood lipping 19x6mm on edges duly polished complete . The inner surface will be painted with enamel paint of approved colour and shade over one coat of wood primer complete. The job includes all locking arrangement, parliamentary hinges S/S handle, wooden knob. The job will be completed to intier satisfaction of Officer In-Charge (front area of the rack will be measured for payment).	2	Sqm		0.00	INR Zero Only

29	Supply, Fabrication & fixing in position wooden cupboard shutter under working platform made out of commercial board 19mm CENTURY/GREEN PLY or eqvt. make fixed/ screwed in proper position divided in Three vertical part and each parts will have one double leaf & one Single leaf side hung hinged shutters with IInd class teak wood leaping 19x6mm on edges. The one no horizontal shelf with same board will also be provided in the middle. The front will have laminate with 1.00mm thick mica Marino/IPL/Green Lam or eqvt. make and inner exposed face will be painted with enamel paint two or more coat over one coat of wood primer. The job includes MP lock, parliamentary hinges, S/S handle, Ball Catcher etc. complete. The job will be completed to entire satisfaction of Engineer-Incharge.	10	Sqm		0.00	INR Zero Only
30	French spirit polishing : Two or more coats on new works including a coat of wood filler.	29	Sqm		0.00	INR Zero Only
31	Extra for providing opening of required size & shape for wash basin/ kitchen sink in kitchen platform, vanity counter and similar location in marble/ Granite/ stone work, including necessary holes for pillar taps etc. including moulding, rubbing and polishing of cut edges etc. complete.	1	Nos		0.00	INR Zero Only
32	Disposal of building rubbish / malba / similar unserviceable, dismantled or waste materials by mechanical means, including loading, transporting, unloading to approved municipal dumping ground or as approved by Engineer-in-charge, beyond 50 m initial lead, for all leads including all lifts involved.	2.00	Cum		0.00	INR Zero Only
33	Note:-Rates should be quoted inclusive of all Taxes, GST @ 18% etc.					
<b>Total in Figures</b>					0.00	INR Zero Only
<b>Quoted Rate in Words</b>		INR Zero Only				

**UNDERTAKING BY THE BIDDER**

**File No.: 1/WKS/06/23-GI**

**Name of Work:- Renovation of a hall and adjacent room to be converted in to the Lab at BRS Banthra Lucknow.**

I/We, the bidder(s) have read/gone through the contents of the NOTICE INVITING TENDERS/TENDER DOCUMENT carefully and accordingly hereby giving undertaking to abide by the same terms and conditions of tender documents and are fully acceptable to me.

Department reserves the right of Non-consideration of Tender documents of the agencies who are not fulfilling the NIT stipulations and / or having adverse report on the works carried out by them in the past.

**Signature with Seal and date**